शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 311 | गुवाहाटी | शनिवार, 10 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

मंत्री हजारिका ने जीयू में कृत्रिम बाढ़ को रोकने के लिए सीई से की मुलाकात पेज 3
अमेरिकी सहरक्षा सचिव का दावा, मोदी की यात्रा से रक्षा उत्पादन व विकास की... पेज 4
चयनित अभ्यर्थियों के लिए यह बेहतरीन अवसर, सेवा के जरिए पाएं... पेज 5
पेपर लीक मामले में राज्यमंत्री गुर्जर के शामिल होने का आरोप पेज 8

मणिपुर : उग्रवादियों ने महिला सहित 3 लोगों की ली जान, भाजपा विधायक के घर आईईडी ब्लास्ट

इंफाल। मणिपुर में मैतेई समुदाय और कुकी समुदाय के बीच हिंसा थम नहीं रही। दोनों समुदायों के बीच 3 मई से हिंसा जारी है। शुक्रवार को मणिपुर में एक और हिंसक घटना घटी। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को मणिपुर के खोकेन गांव में संदिग्ध उग्रवादियों ने एक महिला सहित तीन लोगों की हत्या कर दी और दो अन्य लोगों को घायल कर दिया। यह गांव कांगपोकपी और पश्चिम इंफाल जिले के बीच की सीमा पर स्थित है। बता दें कि संदिग्ध आतंकवादी और पीड़ित विभिन्न समुदायों से ताल्लुक रखते हैं। पुलिस के अनुसार, कथित तौर पर खाकी पोशाक पहने हुए चरमपंथी सैन्य वाहन चला रहे थे। चरमपंथियों ने शुक्रवार की सुबह खोकेन गांव में आए और स्वचालित राइफलों से ग्रामीणों पर गोलीबारी शुरू कर दी। वहीं बीते गुरुवार को भाजपा विधायक के घर आईईडी ब्लास्ट की खबर भी सामने आई थी, जानकारी के अनुसार दो लोगों ने बाइक पर आकर घटना को अंजाम दिया था। इस घटना के चलते भाजपा नेता के घर का गेट क्षतिग्रस्त हो गया है। हालांकि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। चुराचांदपुर जिले में कुकी समूहों के समूह इंडिजिनस -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत आज मणिपुर के सीएम से मिलेंगे

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा शनिवार को मणिपुर का दौरा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, असम के मुख्यमंत्री राज्य में जारी तनावपूर्ण स्थिति को लेकर मणिपुर के अपने समकक्ष एन बीरेन सिंह से मुलाकात करेंगे। उधर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हिंसा प्रभावित मणिपुर में इंटरनेट सेवाओं को बर्खास्त करने के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि उच्च न्यायालय में पहले से ही मामले की सुनवाई चल रही है। कार्यवाही को दोहराने का कोई मतलब नहीं है। इसे नियमित बेंच के सामने ही आने दें। जस्टिस अनिरुद्ध बोस ने कहा कि याचिका को पहले रेगुलर बेंच के सामने पेश करें। हाईकोर्ट इस मामले पर सुनवाई कर रहा है तो फिर सुनवाई को दोहराने की कोई जरूरत नहीं है। बता दें कि मणिपुर सरकार ने मंगलवार को राज्य में जारी इंटरनेट बैन की समय अवधि को 10 जून तक बढ़ा दिया है। सरकार के इस कदम के खिलाफ दायर याचिका में कहा गया है कि इंटरनेट बंद होने की वजह से लोग अपने परिजनों और -शेष पृष्ठ दो पर

सीबीआई ने दर्ज की छह एफआईआर, एसआईटी भी गठित

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने छह प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) को फिर से दर्ज किया है और मणिपुर में जातीय हिंसा से संबंधित मामलों की जांच के लिए एक डीआईजी-रैंक अधिकारी के तहत एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है, जिसमें करीब 100 लोगों की जान चली गई थी। एसआईटी में 10 अधिकारी होते हैं। पूर्वोत्तर राज्य की अपनी यात्रा के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छह एफआईआर की जांच के लिए सीबीआई जांच की घोषणा की थी। पांच -शेष पृष्ठ दो पर

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो की मौत, पांच घायल

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर जिले में शुक्रवार को आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई है। इस घटना में अन्य पांच लोग घायल भी हुए हैं। घायलों को शिवसागर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार शिवसागर मुख्यालय से कुछ दूर पानबेसा लरापोता सेनीमारी गांव में सुबह कई लोग बोरो धान की कटाई कर रहे थे। तभी आकाशीय बिजली गिरने से दर्दनाक हादसा हुआ। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से अजय येन और दिगंत मिली की मौके पर ही -शेष पृष्ठ दो पर

असम में लगे भूकंप के झटके

तेजपुर। असम के तेजपुर में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने इसकी जानकारी दी है। केंद्र ने बताया कि तेजपुर से 39 किमी पश्चिम में भूकंप का झटका लगा है। इसकी गहराई 10 किमी थी। बता दें कि इससे पहले 29 मई को भी असम में भूकंप आया था। शोणितपुर में भूकंप के झटके लगे थे। सोमवार सुबह आए भूकंप की तीव्रता 4.4 मापी गई थी। उधर, गुरुवार रात केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में भी भूकंप -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्बांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

वो व्यक्ति जो दूसरों के गुप्त-दोषों के बारे में बातें करते हैं, वे अपने आप को बांबी में आवारा घूमने वाले सांपों की तरह बर्बाद कर लेते हैं।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

पांच करोड़ पौधे लगाएगा असम वन विभाग

गुवाहाटी। असम वन विभाग राज्य के वन क्षेत्र में सुधार के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान राज्य में लगभग पांच करोड़ पौधे लगाएगा, एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा। एमके यादव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) और असम वन विभाग के वन बल के प्रमुख ने बताया कि राज्य वन विभाग इस वित्तीय वर्ष में राज्य भर में लगभग 5 करोड़ पौधे लगाने की योजना बना रहा है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और वन मंत्री के निर्देश के -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम विस चुनाव : हचक सीट से लड़ेंगें रॉयटे

नई दिल्ली। मिजोरम के मुख्यमंत्री और मिजो नेशनल फ्रंटके अध्यक्ष जोरामथांगा ने इस साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में मंत्री रॉबर्ट रोमाविया रॉयटे के हचक क्षेत्र से चुनाव लड़ने की घोषणा की है। उन्होंने यह घोषणा गुरुवार को पश्चिम मिजोरम के ममित जिले के जुआलुअम गांव में पार्टी बैठक के दौरान की थी। जोरमथांगा ने कहा कि पार्टी -शेष पृष्ठ दो पर

अब गुवाहाटी में खुदाई नहीं होगी : जिला प्रशासन

गुवाहाटी। गुरुवार को हुई भीषण दुर्घटना में एक 11 वर्षीय छात्र की मौत का संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन ने शुक्रवार को पूरे गुवाहाटी में सभी तरह के खुदाई कार्य तत्काल बंद करने का निर्देश दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कामरूप उपायुक्त और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष पल्लव गोपाल झा ने संबंधित विभाग जैसे पीडब्ल्यूडी, गुवाहाटी जल बोर्ड, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और स्मार्ट सिटी लिमिटेड -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिकी सैनिकों के अवशेष खोजने के लिए सीएम से मांगी मदद

गुवाहाटी। कोलकाता में अमेरिकी महावाणिज्य दूत ने असम सरकार से मदद की मांग की है। अमेरिकी दूत मेलिंडा पावेक ने गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से आग्रह करते हुए कहा कि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पूर्वोत्तर राज्य में मारे गए अमेरिकी सैनिकों के अवशेष का पता लगाया जाए। असम सीएम शर्मा ने इस बारे में ट्वीट करके बताया कि अमेरिकी महावाणिज्य दूत ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान शहीद हुए करीब एक हजार अमेरिकी सैनिकों के अवशेषों को खोजने के लिए मदद मांगी है। मैंने उन्हें आश्वासन देते हुए कहा कि हम इस बारे में जो कुछ कर सकते हैं, वह करेंगे। अगले ट्वीट में जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंध हैं। इसके अलावा असम भी अमेरिकी निवेशों के लिए अपनी आर्थिक -शेष पृष्ठ दो पर

गणेशगुड़ी सड़क दुर्घटना में जेआईसीए ठेकेदार गिरफ्तार

गुवाहाटी। 8 जून को गुवाहाटी के गणेशगुड़ी इलाके में हुई दुखद हिट-एंड-रन दुर्घटना के संबंध में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, असम पुलिस ने जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) से संबद्ध ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया है। मामले को अब आगे की कार्रवाई के लिए कोर्ट में पेश किया गया है। घटना के सिलसिले में जेआईसीए के ठेकेदार के अलावा स्कूल बस के चालक को भी गिरफ्तार किया गया है। घटना 8 जून की सुबह की है जब तेज -शेष पृष्ठ दो पर

बड़े पैमाने पर हिंदुओं ने इस्लाम कबूला कई बांग्लादेशी ओबीसी सूची में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग (ओबीसी) के अध्यक्ष हंसराज अहीर ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदुओं ने बड़े पैमाने पर इस्लाम धर्म अपना लिया है। पिछड़ा वर्ग निकाय के अध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि बांग्लादेश से पश्चिम बंगाल में प्रवास करने वाले मुसलमानों को भी ओबीसी की सूची में शामिल किया गया है। हंसराज अहीर ने कहा कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने इस साल 25 फरवरी को पश्चिम बंगाल का आधिकारिक दौरा किया था। आयोग ने अपनी जांच के दौरान पाया कि पश्चिम बंगाल के सरकारी संस्थान की कल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में हिंदुओं ने बड़े पैमाने पर इस्लाम -शेष पृष्ठ दो पर

बीपी-डायबिटीज की 23 दवाइयों के दाम तय

अब 10 रुपए में मेटफॉर्मिन तो 13 में मिलेगी ट्रिप्सिन-ब्रोमेलैन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय दवा मूल्य निर्धारण नियामक (एनपीपीए) ने शुक्रवार को 23 दवाओं के खुदरा मूल्य तय किए हैं। इनमें बीपी-डायबिटीज के इलाज की दवाइयां शामिल हैं। एनपीपीए ने 26 मई 2023 को हुई 113वीं बैठक में ड्रग्स ऑर्डर 13 के तहत दाम तय किए हैं। एनपीपीए ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार, मधुमेह में उपयोगी ग्लिक्लाजाइड ईआर और मेटफॉर्मिन हाइड्रोक्लोराइड की एक टेबलेट का दाम 10.03 रुपए तय किया गया है। इसके अलावा विभाग ने टेल्मिसर्टन, क्लोरथालिडोन और सिल्नीडिपाइन की एक टेबलेट की कीमत 13.17 रुपए तो वहीं ट्रिप्सिन, ब्रोमेलैन, रुटोसाइड ट्राइहाइड्रेट और डिक्लोफेनाक सोडियम टैबलेट की एक गोली का दाम 20.51 रुपए तय किया है। एनपीपीए ने 2013 के आदेशों के तहत 15 अनुसूचित फॉर्मूलेशन के अधितम मूल्य को भी संशोधित किया है। आदेश के अनुसार, अनुसूचित सूत्रीकरण की भी अधिकतम कीमत तय और संशोधित की है। एनपीपीए देश में थोक दवाओं और फॉर्मूलेशन का नियंत्रण और कीमतों को तय और संशोधित करता है। विभाग देश में दवाओं की उपलब्धता को भी सुनिश्चित करता है। दवाइयों के -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव से पहले तैयारियों में जुटा चुनाव आयोग

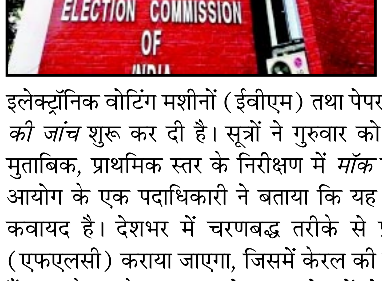

नई दिल्ली। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव और इस साल के अंत तक होने वाले पांच विधानसभा चुनावों से पहले निर्वाचन आयोग ने देशभर में चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) तथा पेपरट्रेल मशीन की *प्राथमिक स्तर की जांच* शुरू कर दी है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, प्राथमिक स्तर के निरीक्षण में *मॉक* मतदान शामिल है। निर्वाचन आयोग के एक पदाधिकारी ने बताया कि यह पूरे भारत में की जाने वाली कवायद है। देशभर में चरणबद्ध तरीके से प्राथमिक स्तर का निरीक्षण (एफएलसी) कराया जाएगा, जिसमें केरल की सभी लोकसभाएं भी शामिल हैं। वह केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र में हो रहे -शेष पृष्ठ दो पर

पवार-राउत को मिली जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार, शिवसेना उद्धव ठाकरे के सांसद संजय राउत और उनके भाई सुनील राउत को जान से मारने की धमकी मिली है। जानकारी के मुताबिक, शरद पवार को धमकी एक वेबसाइट के जरिए दी गई है। उनकी बेटी और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने पुलिस से मदद मांगी है। वे मुंबई पुलिस कमिश्नर से मिलने भी पहुंचीं थीं। वहीं, उद्धव ठाकरे गुट के विधायक सुनील राउत ने कहा कि संजय राउत और मुझे कल से जान से मारने के फोन आ रहे हैं और सुबह मीडिया से बात नहीं करने के लिए कहा गया है। मुंबई पुलिस आयुक्त और राज्य के गृह मंत्री को घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है। हालांकि इस मामले में मुंबई पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि शरद पवार को मिली धमकी को सरकार ने गंभीरता से लिया है। मैंने व्यक्तिगत रूप से वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से बात की है और जांच के निर्देश दिए हैं। शरद पवार एक वरिष्ठ नेता हैं और हम सभी उनका सम्मान करते हैं। उनकी सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाएगा। जरूरत पड़ने पर पुलिस को सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। डिप्टी देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस तरह की धमकियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मामले का संज्ञान लेते हुए मुंबई पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

महिला पहलवान संगीता को लेकर बृजभूषण के घर पहुंची पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस शुक्रवार को पहलवान संगीता फोगाट को भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के आधिकारिक आवास पर ले गई ताकि उन घटनाक्रमों का नाटकीय रूपांतरण किया जा सके जिसके तहत यौन उत्पीड़न की घटना हुई थी। बृजभूषण पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोप लगे हैं। सूत्रों के अनुसार फोगाट के साथ महिला कांस्टेबल भी थीं। सूत्रों ने कहा कि करीब डेढ बजे संगीता फोगाट को लेकर महिला अधिकारी दिल्ली में बृजभूषण के आधिकारिक निवास पर पहुंचे। वे करीब आधा घंटे -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

जयशंकर ने नाटो में शामिल होने की संभावनाओं को किया खारिज

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल होने की संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा कि नाटो का खाका भारत पर लागू नहीं होता। अमेरिकी कांग्रेस कमेटी की सिफारिश पर एक सवाल का जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा कि नाटो की शर्तें भारत पर लागू नहीं होती हैं। जयशंकर मोदी सरकार के नौ साल के कार्यकाल पूरा होने पर नई दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे। हाल ही में अमेरिका की ओर से कहा गया था कि भारत के नाटो में शामिल होने के लिए दरवाजे खुले हैं। आपको बता दें, कि नाटो 31 देशों का सैन्य गठबंधन है, जिसमें 29 यूरोपीय देश और दो उत्तरी अमेरिका के देश शामिल हैं। यह एक इंटर-गवर्नमेंटल सैन्य गठबंधन है, जिसका मुख्य उद्देश्य राजनीतिक और सैन्य माध्यमों से अपने सदस्यों की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी देना है। नाटो में शामिल होने से भारत का इनकार भारत ने नाटो में शामिल होने से उस वक्त इनकार किया है, अमेरिकी कांग्रेस की एक शक्तिशाली कमेटी ने भारत को नाटो प्लस में शामिल करने की मजबूत सिफारिश की थी। अमेरिकी कांग्रेस की कमेटी ने कहा था कि एशिया में नाटो प्लस में भारत को शामिल करने की मजबूत कोशिश की जानी चाहिए। नाटो प्लस, नाटो का ही एक एक्सटेंशन है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, इजरायल और दक्षिण कोरिया हैं और ये एक सुरक्षा व्यवस्था है, जिसे नाटो से टेक्नोलॉजिकल, खुफिया और हथियारों की मदद मिलती है। भारत को बोर्ड पर लाने से इन देशों के बीच सहज खुफिया जानकारी साझा करने में सुविधा होगी और भारत बिना किसी समय के नवीनतम सैन्य तकनीक तक पहुंच बना सकेगा। हालांकि, प्रस्ताव को खारिज करते हुए भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि नाटो का खाका भारत पर लागू नहीं होता है। इससे पहले डिप्टी एनएसए विक्रम मिस्री ने पिछले हफ्ते कहा था कि भारत सैन्य गठबंधनों का हिस्सा बनने में यकीन नहीं रखता है, हालांकि वह जिन तंत्रों का हिस्सा है, वहां स्वयं को बराबर के सहभागी के रूप में देखता है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) द्वारा आयोजित सांगरी-ला डायलॉग में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मिस्री ने कहा कि इनमें से कई तंत्रों के मूल में समानता है। मिस्री ने कहा कि भारत सैन्य गठबंधनों का हिस्सा बनने में यकीन नहीं रखता है। लेकिन, हमारी सैन्य और रक्षा क्षेत्रों में विभिन्न देशों के साथ साझेदारी है। उन्होंने कहा कि गठबंधनों का अलग ही संकेतक है और उनकी व्याख्या भी बहुत अलग है। हम किसी सैन्य गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। हम जिन तंत्रों का हिस्सा हैं, वहां स्वयं को बराबरी के साझेदार के रूप में देखते हैं। गौरतलब है कि इस कार्यक्रम में चीन के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भी हिस्सा लिया। चीन में भारत के राजदूत रह चुके मिस्री ने हिंद महासागर में भारत-अमेरिका की साझेदारी पर कहा कि हर जगह साझेदारी मुक्त और समावेशी होनी चाहिए और अगर मैं गलत नहीं हूं तो यह भारत के हिंद-प्रशांत विचारधारा का भी मूल है। मिस्री ने कहा कि यह स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत की हमारी व्याख्या है। यह वास्तविक रूप से हमारी सोच और इन विषयों पर हमारी विचारधारा के अनुरूप है। इस दौरान, चीनी प्रतिनिधि के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मिस्री ने देखता है कि चूंकि आपने भागीदारी के रूप में मुक्त और समावेशी विचार की बात की है, मैं आशा करता हूं कि इन सिद्धांतों का हर जगह और हर किसी के द्वारा, विभिन्न भौगोलिक स्थानों पर भी समान रूप से सम्मान किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने ऑनलाइन ड्रेजिंग मॉनिटरिंग सिस्टम किया लांच

नई दिल्ली (हिंस)। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने आज यहां मंत्रालय की *वेस्ट टू वेल्थ* पहल में तेजी लाने के लिए *सागर समृद्धि – ऑनलाइन ड्रेजिंग मॉनिटरिंग सिस्टम* – लांच किया। इस प्रणाली को बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) की तकनीकी शाखा नेशनल टेक्नोलॉजी सेंटर फॉर पोर्ट्स, वाटरवेज एंड कोस्ट्स (एनटीसीपीडब्ल्यूसी) द्वारा विकसित किया गया है। नई तकनीक ड्राफ्ट एंड लोडिंग मॉनिटर (डीएलएम) प्रणाली की पुरानी प्रणाली के मुकाबले उल्लेखनीय सुधार लाती है। सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि निगरानी प्रणाली से बेहतर उत्पादकता, बेहतर अनुबंध प्रबंधन और कचरे से धन की अवधारणा के साथ ड्रेज्ड सामग्री के प्रभावी पुन: उपयोग को सक्षम बनाने की उम्मीद है। सरकार के अनुसार *सागर समृद्धि* निगरानी प्रणाली दैनिक और मासिक प्रगति विज़ुअलाइज़ेशन, ड्रेजर प्रदर्शन और डाउनटाइम निगरानी, लोडिंग, अनलोडिंग और निष्क्रिय समय के स्नैपशॉट के साथ आसान स्थान ट्रैक डेटा की भी अनुमति देगी। यह प्रणाली प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया विजन को मजबूत करती है।

धर्मांतरण ही नहीं खतना के लिए भी उकसा रहा था शहनवाज : पुलिस

गाजियाबाद। इन दिनों धर्मांतरण का खेल जोरों पर चल रहा है, गाजियाबाद में नाबालिग बच्चों के धर्मांतरण मामला सुर्खियों में है। इस मालमे में पुलिस के हाथ अहम सुराग लगे हैं। पुलिस सूत्रों की मानें तो पुलिस को पता चला है कि शहनवाज उर्फ बद्दो ने सुन्नत कराने के लिए ग्रुप पर कई सारे वीडियो भी शेयर किए थे। पुलिस को यह सारी जानकारी नाबालिगों से बातचीत और मोबाइल फोन के आधार पर मिली है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने गाजियाबाद के राज नगर और संजय नगर निवासी दो नाबालिग बच्चों के साथ ही फरीदाबाद और लुधियाना के रहने वाले नाबालिग बच्चों के मोबाइल फोन की भी जांच की, जिसमें पता चला कि डिस्कॉर्ड ऐप पर शहनवाज बच्चों के साथ की गई चैटिंग में उन्हें सुन्नत कराने के लिए भी उकसा रहा था। शहनवाज उर्फ बद्दो उन नाबालिग बच्चों का ब्रेनवॉश कर रहा था कि इस्लाम का सच्चा अनुयायी बनने के लिए खतना कराना भी जरूरी है और इसीलिए खतने के कई वीडियो भी ग्रुप में शेयर किए गए थे।

धेमाजी में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित, एक की मौत

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी में शुक्रवार को भारी से बहुत भारी बारिश से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हुआ है। भारी बारिश के चलते धेमाजी प्रेस क्लब के सामने एक पेड़ गिर गया, जिसकी चपेट में आकर एक बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई। मृतक की पहचान पीटी अरंधरा के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। भारी बारिश के कारण पेड़ गिरने से कई इलाकों में यातायात व्यवस्था अवरुद्ध हो गया है। दरअसल, असम में पिछले कुछ दिन से प्रचंड गर्मी पड़ रही थी, अचानक आज भारी बारिश से एक ओर लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं दूसरी ओर बारिश मुसीबत बनकर सामने आई है।

अरुणाचल प्रदेश गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 2014 पर पीआईएल दाखिल

इटानगर (हिंस)। सामाजिक कार्यकर्ता पायी गाडी ने दावा किया कि अरुणाचल प्रदेश गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 2014 असंवैधानिक और भारतीय संविधान के कई कानूनों का अतिक्रमण किया है। अरुणाचल प्रेस क्लब में आज यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि अरुणाचल प्रदेश गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 2014 को खत्म करने के लिए हाल ही में उन्होंने गौहाटी उच्च न्यायालय, इटानगर की स्थायी पीठ में एक जनहित याचिका दायर की है। उच्च न्यायालय ने जनहित याचिका को स्वीकार करते हुए राज्य सरकार को इस मामले में एक सप्ताह के भीतर जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन इस असंवैधानिक कानून का दुरूपयोग कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान में इस कानून के तहत कई लोग एवं सामाजिक कार्यकर्ता जेलों में बंद हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार इस अधिनियम का इस्तेमाल कर राज्य सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। राज्य सरकार इस कानून के जरिए अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रश्न पत्र लीक मुद्दे को दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अपनी आवश्यकता के अनुसार सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को चुनकर उनसे निपटने के लिए इस कानून को अपने सबसे बड़े हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। जिला प्रशासन इसका इस्तेमाल बंदियों को आरोपी बनाकर सेंट्रल जेल में भेजकर सजायाफ्ता अपराधियों के साथ उन्हें रख रही है।

पृष्ठ एक का शेष

मणिपुर : उग्रवादियों ने ...

ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) के एक नेता ने कहा कि हमलावर जैतून के हरे रंग के कपड़े पहने हुए थे। बता दें कि 10 जून तक राज्य में इंटरनेट सेवा भी बंद कर दिया गया है। इस हिंसा में अभी तक 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। बता दें कि इंटरनेट सेवाएं बहाल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। हालांकि, अदालत ने इस पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। इसी बीच अधिकारियों ने समाचार एजेंसी को जानकारी दी कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मणिपुर हिंसा के मामलों की जांच के लिए डीआईजी रैंक के अधिकारी के तहत विशेष कमिटी का गठन किया है। बता दें कि विशेष कमिटी ने मणिपुर हिंसा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 6 मामले दर्ज किए।

हिमंत आज मणिपुर ...

प्रियजनों से बात नहीं कर पा रहे हैं। इससे डर का माहौल है। वहीं, मणिपुर के नगा विधायकों ने शुक्रवार को डीमापुर में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि 7 जून को हम दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिले। हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि मणिपुर में कुकीयों की मांग के अनुसार पृथक प्रशासन की कोई व्यवस्था की जाती है तो नगाओं के निवास स्थान को इसमें शामिल नहीं किया जाना चाहिए। यदि ऐसा कोई निर्णय किया जाता है, तो केंद्र को मणिपुर में नगाओं के साथ उचित चचौ करनी चाहिए। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि इस मामले पर चर्चा की जाएगी, लेकिन पहले मणिपुर में शांति बहाल करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। नगा विधायक ने आगे कहा कि हमने मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए पूर्ण समर्थन दिया है। किसी भी राजनीतिक दल की परवाह किए बिना, मणिपुर में नगा समान के लिए एक साथ आए हैं। बता दें कि मणिपुर में बहुसंख्यक मैतेई समुदाय द्वारा जनजातीय आरक्षण देने की मांग के खिलाफ हिंसा भड़की थी। 3 मई से भड़की इस हिंसा के चलते राज्य में अब तक 90 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं सरकार ने एहतियातन राज्य में इंटरनेट सेवाएं बंद की हुई हैं। इंटरनेट सेवाएं बंद करने से आम जनजीवन काफी प्रभावित हो रहा है। ऐसे में वकील चोंगाथम विक्टर सिंह और बिजनेसमैन मायेंगबम जेम्स ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इंटरनेट सेवा बहाल करने की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि करीब एक महीने से पूरे राज्य में इंटरनेट बंद होने से उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। याचिका में ये भी कहा गया है कि इंटरनेट बंद करना अभिव्यक्ति की आजादी और व्यापार करने की आजादी के भी खिलाफ है।

अब गुवाहाटी में ...

को तत्काल सभी प्रकार के काम बंद करने का निर्देश दिया है। उपायुक्त द्वारा विभागों को उचित बैरिकेड्स बनाने के साथ-साथ पहले से खोदे गए ट्रेंच में दिखाई देने वाले संकेतकों को प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा जारी एक नोटिस में कहा गया है कि गुवाहाटी शहर के कई स्थानों में विभिन्न एजेंसियों द्वारा खोदे गए असुरक्षित खांचों, गड्ढों, खुले मैनहोल के कारण हाल के दिनों में कई घटनाएं हुई हैं, जिससे जान-माल का नुकसान हुआ है। नोटिस में आगे कहा गया है कि अगर इस तरह की ट्रेंच को बैरिकेड्स से सुरक्षित नहीं किया गया या तुरंत मरम्मत नहीं की गई, तो निकट भविष्य में ऐसी घटनाएं होती रह सकती हैं। आगामी बरसात के मौसम के साथ, ऐसी घटनाओं की संभावना कई गुना बढ़ गई है, जिससे आम जनता के जीवन और संपत्ति को खतरा है। यह निर्देश व्यापक जनहित में और आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 41 (सी) में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार जारी किया गया है। इस बीच, गुवाहाटी मेट्रोपॉलिटन ड्रिंकिंग वॉटर एंड सीवरेज बोर्ड द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर निर्माण कंपनी के निदेशक को काम में गड़बड़ी और लापरवाही के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है।

सीबीआई ने दर्ज ...

कथित आपराधिक साजिश पर और एक मणिपुर में हिंसा के पीछे सामान्य साजिश पर। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र के माध्यम से भेजे गए राज्य के एक संदर्भ पर कार्रवाई करते हुए, सीबीआई ने एसआईटी का गठन किया और मामलों की जांच अपने हाथ में ले ली। शाह राज्य में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने और 3 मई से मणिपुर को प्रभावित करने वाली उथल-पुथल को हल करने के लिए युद्धरत कुकी और मैतेई को एक साथ लाने के लिए मणिपुर की चार दिवसीय यात्रा पर थे। सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से एक चुराचंदपुर में शाह ने -कुकी नागरिक समाज संगठनों के नेताओं, जनजाति प्रतिनिधियों और बुद्धिजीवियों के साथ बंद कमरे में बैठकें कीं। नागरिक समाज संगठन के नेताओं, छात्र निकायों, महिला समूहों और जनजाति नेताओं के साथ था उनकी बातचीत का पहला दौर, जो लगभग एक घंटे तक चला।

आकाशीय बिजली की ...

मौत हो गई और पांच अन्य व्यक्ति घायल हो गए। घटना में घायलों की पहचान विक्रम सिंह येन (22), रूमी मिली (19), गणेश मिली (22), पुतला येन (17), उर्मिला येन (20) के रूप में हुई है। सभी घायलों को शिवसागर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे शिवसागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अखिल गोगोई मौके पर पहुंचे। संभागीय मंत्री से बात करने के बाद उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा।

असम में लगे ...

के झटके लगे थे। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.2 थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि भूकंप गुरुवार रात 10 बजकर 22 मिनट पर आया था। हालांकि, भूकंप से किसी तरह की जानमाल की हानि नहीं हुई। भूकंप की गहराई 10 किमी थी।

अमेरिकी सैनिकों के ...

क्षमता को बढ़ा रहा है। इस संबंध में अमेरिकी महावाणिज्य ने भी एक ट्वीट किया है। ट्वीट करते हुए अमेरिकी महावाणिज्य ने कहा कि महावाणिज्य दूत पावेक असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात करके काफी खुश हैं। ऊर्जा, खेती, स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई है। मुख्यमंत्री के साथ-साथ पावेक ने राजभवन में राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से भी मुलाकात की और कई साझा लाभों के बारे में चर्चा की। राज्यपाल कटारिया ने अमेरिका और असम के साझा लाभों के लिए सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों को लेकर अपना पक्ष रखा। अमेरिकी महावाणिज्य ने ट्वीट कर कहा कि पावेक ने गुवाहाटी में असम के राज्यपाल से मुलाकात की और राज्य की समृद्धि, आर्थिक मुद्दों और विकास पर चर्चा की गई। अमेरिकी अधिकारी ने पूर्वी राज्यों के नियम और उनके एक्ट सहित कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने अन्य पूर्वी राज्यों के विकास पर भी चर्चा की। राज्यपाल ने सभी पूर्वी राज्यों में किए गए निवेश पर भी प्रकाश डाला। अमेरिकी दूत ने विकास पहलों को आगे बढ़ाने में अमेरिकी सरकार से समर्थन का आश्वासन दिया।

गणेशगुड़ी सड़क दुर्घटना ...

रफ्तार स्कूल बस दो बहनों को स्कूल ले जा रही स्कूटी से टकरा गई। दुख की बात यह है कि हटीगांव के लिटिल फ्लावर स्कूल की 11 वीं कक्षा की छात्रा प्रिया कुमारी के रूप में पहचानी जाने वाली बहनों में से एक की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी बड़ी बहन को गंभीर चोटें आई हैं और उसका स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। दुर्घटना गणेशगुड़ी में राजधानी मस्जिद के सामने हुई, जिसने शहर में सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता को और बढ़ा दिया। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मामले की गहन जांच का आह्वान किया है। प्रारंभिक निष्कर्ष बताते हैं कि दुर्घटना में शामिल स्कूटी गलत दिशा में यात्रा कर रही थी, जिसके कारण मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया और अधिकारियों से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के मुद्दे का समाधान करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मैंने व्यक्तिगत रूप से दुर्घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग की समीक्षा की है, और यह स्पष्ट है कि स्कूटी सड़क के गलत साइड पर थी। उन्होंने आगे सड़क में एक छेद के बारे में चिंता व्यक्त की और जिला आयुक्त को इसके आसपास की परिस्थितियों की जांच करने और आवश्यक मरम्मत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री शर्मा ने यातायात विभाग को गलत दिशा में चलने वाले वाहनों की घटनाओं पर अंकुश लगाने के प्रयासों को तेज करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया और यात्रियों से सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

बड़े पैमाने पर ...

कबूल किया है। अहीर ने आगे खुलासा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार ने कुरैशी मुस्लिम जाति को ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल करने के लिए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को एक प्रस्ताव भेजा है। हालांकि पश्चिम बंगाल सरकार कुरैशी मुस्लिम को एक जाति के रूप में नहीं मानती है और इसे ओबीसी की राज्य सूची में शामिल नहीं किया है, लेकिन बंगाल सरकार ने कुरैशी मुस्लिम जाति समूह को ओबीसी की केंद्रीय सूची में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग के रूप में शामिल करने का प्रस्ताव भेजा है। अहीर ने इसी के साथ कहा कि पिछड़े वर्ग के लोगों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछड़े वर्ग के लोगों को मिलने वाले आरक्षण का लाभ रोहिंग्या मुसलमान उठा रहे हैं। अहीर ने कहा कि जब इस पर बंगाल सरकार से जवाब मांगा गया तो कहा गया कि इसमें से अधिकांश लोग पहले हिंदू ही थे।

अब 10 रुपए में ...

कीमतों की निगरानी भी करता है। इसके साथ ही ग्राहकों से वसूले गए अधिक मूल्यों की भी वसूली करता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पिछले शुक्रवार को 14 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवाओं पर रोक लगाया था। प्रतिबंधित दवाओं में सामान्य संक्रमण जैसे सर्दी खांसी, कफ, बुखार को ठीक करने वाली निमेसुलाइड और पैरासिटामोल टैबलेट के अलावा क्लोफेनिरामाइन मेलेट और कोडाइन सिरप का कांबिनेशन, फोल्कोडाइन और प्रोमेथाजाइन, एमोक्सोलिन और ब्रोहेक्साइन थी। इनके अलावा ब्रोहेक्साइन और डेक्सट्रोमेथोरफैन और अमोनियम क्लोराइड और मेंथोल, पैरासिटामोल और ब्रोहेक्साइन और फेनाइलेफराइन और क्लोरफेनिरामाइन और गुइफेंसिन और सैलबुटामोल और ब्रोहेक्साइन के कॉम्बिनेशन वाली दवा शामिल थी।

लोस चुनाव से ...

मॉक मतदान पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस लोकसभा का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, लेकिन सूरत की एक अदालत द्वारा एक आपराधिक मानहानि के मामले में दोषी करार दिये जाने के बाद उन्हें सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया था। पदाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग इस तरह के अभ्यास के लिए एक कैलेंडर जारी करता है और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा पालन किए जाने वाले स्थायी निर्देश हैं। पदाधिकारी ने बताया कि एफएलसी राजस्थान, मिजोरम, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश विधानसभा और संसदीय सीटों पर भी होंगे, जहां उपचुनाव होने हैं। इस समय वायनाड, महाराष्ट्र की पुणे और चंद्रपुर, उत्तर प्रदेश की गाजीपुर और हरियाणा की अंबाला लोकसभा सीट खाली हैं।

पवार-राउत को मिली ...

प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इससे पहले राकांपा नेताओं ने पुलिस को बताया कि 82 वर्षीय शरद पवार को फेसबुक पर एक संदेश मिला, जिसमें लिखा था कि उनका भी नरेंद्र दाभोलकर जैसा हश्र होगा। बता दें कि अंधविश्वास के खिलाफ लड़ने वाले दाभोलकर की 20 अगस्त 2013 को पुणे में सुबह की सैर के समय बाइक पर सवार अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। कमिश्नर से मुलाकात के बाद संवाददाताओं को एनसीपी नेता ने बताया कि शरद पवार के नाम से मेरे व्हाट्सएप पर संदेश आया है। उन्हें एक वेबसाइट से धमकी दी गई है और साथ ही संबंधित अकाउंट से भी ऐसे ही संदेश आए हैं। मैं यहां न्याय मांगने आई हूं। मेरी केंद्रीय गृह मंत्री और महाराष्ट्र के गृह मंत्री से मांग है कि ये जो गंदी राजनीति हो रही है, वो रुकनी चाहिए। इस बीच राकांपा के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने कहा कि सौरव पिम्पालकर नामक व्यक्ति ने धमकी भरा संदेश भेजा था, जिसकी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर कहा गया है कि वह भाजपा का समर्थक है। पार्टी के प्रवक्ता महेश तापसे ने कहा कि पवार साहेब को धमकी मिलने की खबर फैलते ही आक्रोशित राकांपा कार्यकर्ता वरिष्ठ नेताओं से उनकी सुरक्षा के बारे में पूछने लगे। मामले में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति की एक उच्च परंपरा रही है। हमारी राजनीतिक स्तर पर मतभेद हैं, लेकिन विचारों में मतभेद नहीं हैं। किसी भी नेता को धमकी देना या सोशल मीडिया पर खुद को अभिव्यक्त करते हुए शिष्टता की सीमा को पार करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे में पुलिस निश्चित रूप से कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी। इससे पहले संजय राउत ने महाराष्ट्र में हुई हिंसा के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा कि जिस तरह से कोल्हापुर में दंगे भड़के हैं या भड़काए गए हैं, उसके पीछे कौन है? जिस औरंगजेब को हमने 400 साल पहले महाराष्ट्र में दफनाया उसे राजनैतिक स्वार्थ के लिए जिंदा किया जा रहा है, क्योंकि कर्नाटक में बजरंग बली का जादू नहीं चला तो आप औरंगजेब को लेकर राजनीति कर रहे हैं। इसके लिए भाजपा ही जिम्मेदार है।

महिला पहलवान संगीता...

तक वहां रूके। उन्होंने फोगाट से घटनाक्रम को दोहराने और उन स्थानों को याद करने के लिए कहा जहां उत्पीड़न हुआ था। दिल्ली पुलिस का विशेष जांच दल (एसआईटी) उत्तर प्रदेश के कैसरगंज से भाजपा सांसद और डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले की जांच कर रहा है। जांच रिपोर्ट अगले हफ्ते तक जमा करने की उम्मीद है। जांच के तहत एसआईटी ने 180 से अधिक लोगों से पूछताछ की है। दिल्ली पुलिस ने मामले में दो एफआईआर दर्ज की है।

पांच करोड़ पौधे ...

अनुसार, हमने लगभग 5 करोड़ पौधे लगाने का फैसला किया है। इस वृक्षारोपण में, हम लगभग 2.80 करोड़ पौधे रोपेंगे और बाकी किसानों और घरों में वितरित किए जाएंगे कि एमके यादव ने कहा। इससे पहले 8 जून को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि राज्य में हरित आवरण का विस्तार करने और पेड़ की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए, राज्य सरकार ने इस साल 2 अक्तूबर को राज्य भर में 1 करोड़ पौधे लगाने का फैसला किया है। गांधी जयंती की। इससे पहले अक्तूबर 2022 में, असम के मुख्यमंत्री ने कहा था कि राज्य प्रशासन ने पूरे राज्य में व्यापक वृक्षारोपण के माध्यम से आने वाले वर्षों में असम के वन क्षेत्र को 36 प्रतिशत से बढ़ाकर 38 प्रतिशत करने का निर्णय लिया है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पूरे राज्य में बड़े वृक्षारोपण के माध्यम से आने वाले वर्षों में असम के वन क्षेत्र को 36 प्रतिशत से बढ़ाकर 38 प्रतिशत करने का फैसला किया है।

मिजोरम विस...

की नामांकन समिति ने फैसला किया है कि आने वाले विधानसभा चुनावों में रॉयटे अपनी मौजूदा आइजोल पूर्व-द्वितीय सीट के बदले हचक से चुनाव लड़ेगें। 40 सदस्यीय सीटों वाली इस राज्य में विधानसभा चुनाव साल के आखिर में होने वाला है। रॉयटे फिलहाल राज्य के खेल और पर्यटन मंत्री है। इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में जोरामथांगा को विश्वास है कि उनकी पार्टी सत्ता में बरकरार रहेगी।

स्वर्वेद भाष्य

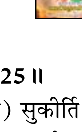

चतुर्थ मंडल **त्रयोदश अध्याय**

(गुरु-वंदना)

गुरु ज्ञान में सान है, गुरु मान में मान।
गुरु ज्ञान में ज्ञान है, सुयश करो गुरु गान॥ 25॥

शब्दार्थ : (शान) गौरव, प्रतिष्ठा (मान) मर्यादा (सुयश) सुकीर्ति।

भाष्य : गुरु की प्रतिष्ठा में ही शिष्य की प्रतिष्ठा है एवं गुरु-मर्यादा में ही अपनी मर्यादा स्थित है तथा गुरु के ज्ञान में ही अपना ज्ञान है। इसलिए गुरु के गुणों का गान कर अपने जीवन को सफल करें।

आपा आप मिटाय कर, गुरु कर सुयश वखान।
आरत दीन अधीन है, चरण कमल चित्त आन॥ 26॥

शब्दार्थ : (आपा) अभिमान, ममत्व (आप) अपना (आन) दूसरा।

भाष्य : अपने अभिमान को नष्ट कर, गुरु का सुयश कथन करें और आर्त्त, दीन तथा अधीन हो कर एक अनन्य सद्गुरु के कमल-चरणों में चित्त को लगावें।

मंत्री हजारिका ने जीयू में कृत्रिम बाढ़ को रोकने के लिए सीई से की मुलाकात

संबंधित विभाग को हर संभव उपाय करने का दिया निर्देश

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने शुक्रवार को जनता भवन (असम सचिवालय) स्थित अपने कार्यालय के बैठक कक्ष में विभाग के मुख्य अभियंता की उपस्थिति में गौहाटी विश्वविद्यालय की कृत्रिम बाढ़ पर एक विशेष समीक्षा बैठक में भाग लिया। पिछले साल जल संसाधन मंत्री ने कृत्रिम बाढ़ का जायजा लेने के लिए गौहाटी विश्वविद्यालय का दौरा किया था और जल संसाधन विभाग को जिला प्रशासन के सहयोग से समस्या के समाधान के लिए हर संभव उपाय करने का निर्देश दिया था। इस संबंध में विभाग द्वारा आवश्यक कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है। मंत्री हजारिका ने मानसून की शुरुआत की पूर्व संध्या पर आज विभागीय इंजीनियरों और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ विश्वविद्यालय की कृत्रिम बाढ़ की रोकथाम की समीक्षा की। मंत्री हजारिका ने इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलपति से फोन पर बात भी की। बैठक के दौरान मंत्री हजारिका ने विभागीय अभियंता को विश्वविद्यालय परिसर को अभी से कृत्रिम बाढ़ मुक्त बनाने के लिए आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए। आज की बैठक में मंत्री हजारिका ने मुख्य अभियंता से राज्य में तटबंध और तट कटाव की समग्र स्थिति का जायजा लिया। पानीखेती, डिब्रूगढ़ और ग्वालपाड़ा शहरों में ब्रह्मपुत्र के कटाव को रोकने के लिए विभागीय प्रयास किए जा रहे हैं, मंत्री ने आईआईटी गुवाहाटी जैसे संस्थानों को अनुसंधान की जिम्मेदारी देने की वकालत की और मुख्य अभियंता को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

एसएसबी जवानों के लिए तनाव प्रबंधन व आत्महत्या रोकने पर हुई कार्यशाला

गुवाहाटी (हिंस)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की सीमांत मुख्यालय पर ज्ञान सरोवर, माउंट आबू के एसएसडब्ल्यू के सहयोग से दो दिवसीय तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में तनाव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन कर्मियों को नियमित जीवन में तनाव को रोकने या कम करने के तरीके सिखाने के लिए किया गया। एसएसबी सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी के महानिरीक्षक संजीव शर्मा की अध्यक्षता में गुवाहाटी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल के चिकित्सकीय मनोवैज्ञानिक सहायक प्रो. डॉ. मैथिली हजारिका और गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल के चिकित्सकीय मनोवैज्ञानिक डॉ. कार्तिक गुप्ता ने कार्यशाना में आत्महत्या रोकथाम एवं फ्रेड्रिसाइड पर प्रकाश डाला जवानों के बीच बढ़ते आत्महत्या मामलों को रोकने के बारे में सभी को जागरूक किया गया। उन्हें फ्रेड्रिसाइड के बारे में भी विस्तृत रूप से जानकारी दी गई कि कैसे जानबूझकर या अनजाने में सुरक्षाबल के कर्मी अपने साथियों की हत्या तक कर देते हैं।

राज्यपाल को दी गई स्वरोजगारोन्मुखी स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम की जानकारी

गुवाहाटी। भगवान महावीर के2550वें निर्वाण महोत्सव वर्ष को ध्यान में रखते हुए महावीर इंटरकांटिनेंटल सर्विस आर्गेनाइजेशन, अनाम प्रेम मुंबई एवं गुवाहाटी के अग्रणी सेवाभावी पदाधिकारियों के संयुक्त तत्वावधान में 28 सितंबर से 2 अक्तूबर 2023 तक गुवाहाटी में आयोजित होने वाले भव्य परोपकारी कार्यक्रम में लगभग 700 मूक बधिर बच्चों का पांच दिवसीय स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम के लिए राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से सौहार्दपूर्ण वातावरण में शुक्रवार को राजभवन में भेंटकर स्वरोजगारोन्मुखी स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया। राज्यपाल ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के इस क्षेत्र में आयोजन हेतु आयोजनकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए हरसंभव सहयोग केसाथ कार्यक्रम में उपस्थिति देने का सहर्ष आश्वासन दिया। रायपुर छत्तीसगढ़ से पधारे महावीर इंटरकांटिनेंटल सर्विस आर्गेनाइजेशन के अंतर्राष्ट्रीय महासचिव वीर लोकेश कावड़िया, अंतर्राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष वीर अशोक जैन, महावीर इंटरकांटिनेंटल सर्विस आर्गेनाइजेशन, गुवाहाटी केअशोक जैन (छाबड़ा), राजेंद्र बेताला, नरेंद्र जैन तथा अनाम प्रेम मुंबई केयोगेश देसाई व सतीश नागरे सीए ने राज्यपाल केसाथ चर्चा में भाग लिया। इसी कड़ी में बाहर से पधारे सभी पदाधिकारियों ने श्री दिगंबर जैन पंचायत गुवाहाटी के अध्यक्ष महावीर गंगवाल से भी मुलाकात कर चर्चा की व प्रोग्राम में सक्रिय योगदान का अनुरोध किया।

ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन के लिए पूसीरे की पहल

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने रोलिंग स्टॉक के उचित रख-रखाव और ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन की दिशा में कई पहल की हैं। इस तरह की पहल के परिणामस्वरूप रोलिंग स्टॉक की दक्षता और सुरक्षा में साल दर साल वृद्धि हुई है। ये उपाय पूसीरे के कर्मचारियों के सूझबूझ, निरंतरता एवं संबंधित प्रयासों से संभव हुए हैं। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि यात्री सुरक्षा और सुखद यात्रा में सुधार के उद्देश्य से, पूसीरे ने मौजूदा पारंपरिक रेक को लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) तकनीक वाले रेक में बदलकर महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। बेहतर यात्री सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए डेमू का प्रसार भी किया गया है। इन आधुनिक कोचों की शुरुआत के साथ, समय-समय पर रखरखाव की पद्धति और क्षमता में वृद्धि की जाती है। रोलिंग स्टॉक कारखानों और रोलिंग स्टॉक के सुरक्षित और सुचारू संचालन के लिए परीक्षण प्वाइंट पर उन्नत रखरखाव और ओवरहॉलिंग की जा रही है। रोलिंग स्टॉक की सुरक्षा बढ़ाने के लिए, हाई स्पीड एलएचबी कोचों की आवधिक ओवरहालिंग (पीओएच) 2021-22 में 353 कोचों से बढ़कर 2022-23 में 573 कोच किया गया है, यानी 62 प्रतिशत की वृद्धि। आग से होने वाली किसी भी अव्यवहारिक घटना को रोकने के लिए एसी एलएचबी कोच को ऑटोमेटिक स्मॉक एवं फायर डिटेक्शन विथ ब्रेकिंग सिस्टम (एफडीबीएस) से लैस किया गया है। आग या धुएं की स्थिति में यह सिस्टम आग का जल्दी पता लगा लेगा और अलार्म बजा देगा, जिसके परिणामस्वरूप कोच के नीचे दिए गए ब्रेक वाल्व के माध्यम से ब्रेक लगाया जाएगा। 2022-23 के दौरान, 49 एलएचबी एसी कोच एफडीबीएस के साथ लगाये गए हैं। इसी तरह, एलएचबी कोचों के पेंट्री और पावर कार में ऑटोमेटिक फायर डिटेक्शन कम सप्रेशन सिस्टम (एफडीएसएस) स्थापित किए गए है।

मोदी सरकार में पूर्वोत्तर से 84 प्रतिशत उग्रवाद संबंधी समस्याएं समाप्त : सांसद तपन गोगोई

जोरहाट (हिंस)। सांसद तपन गोगोई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में पूरे पूर्वोत्तर में उग्रवाद की 84 प्रतिशत समस्याएं समाप्त हो गई हैं। सांसद गोगोई शुक्रवार को जोरहाट में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के नौ साल के शासन के दौरान जल जीवन मिशन के माध्यम से 12 करोड़ घरों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया गया है और अब तक 11.72 करोड़ परिवारों को शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि 3 करोड़ 50 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना आवास उपलब्ध कराया गया है। 220 करोड़ रुपये के लोगों को कोविड टीके लगाए गए, जबकि 100 देशों को कोविड टीके निर्यात भी किए गए हैं। सांसद गोगोई ने कहा कि उज्ज्वला गैस आपूर्ति योजना के माध्यम से देश में 9 करोड़ 60 लाख महिलाओं को कवर किया गया है और फिर से 1 करोड़ लोगों को इस योजना में शामिल किया जाएगा। मोदी सरकार ने 15 नए एम्स, 700 मेडिकल कॉलेज और 74 नए हवाई अड्डे बनाए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के विकासमूलक तथ्यों के साथ भाजपा लोकसभा चुनाव लड़ेगी और इसी संदेश को जनता तक पहुंचाया जाएगा।

भारत-भूटान सीमावर्ती इलाके में अवैध पत्थर ले जा रहा डंपर जब्त, दो गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। 6वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) रानीगुली के कार्यवाहक कमाडेंट लोकेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार बीती रात सीमा चौकी दादगिरी के जवानों ने भारत-भूटान पीलर संख्या-169/5 से लगभग 10 किमी भारत की ओर काली मंदिर, देवश्री गांव के आस-पास गस्ती अभियान चलाया। अभियान के दौरान अवैध पत्थर ले जा रहे डंपर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार दोनों तस्करों की पहचान बरपेटा जिला के हाली थाना अंतर्गत बरबरी गांव निवासी आजाद अली (26) और धुबड़ी जिला के गौरीपुर थाना अंतर्गत बगरीबारी निवासी नूर हुसैन (26) के रूप में किया गया है। जब्त किए गए अवैध डंपर सहित दोनों तस्करों को वन विभाग रुनिखाता को सौंप दिया गया। जब्त की गयी सामग्री की कीमत 50,54,600 रुपए आंकी गई है। 6वीं वाहिनी एसएसबी के द्वारा लगातार भारत-भूटान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गस्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की गलत गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफलता मिली है।

एक ही गांव के तीन बच्चे लापता, मचा हड़कंप

धुबड़ी (हिंस)। एक ही गांव के तीन बच्चे अचानक लापता हो गए हैं जिसके चलते धुबड़ी जिला के चापर थानांतर्गत छागलखुटी गांव में भारी हड़कंप मच गया। चापर के छागलखुटी से लापता हुए तीनों बच्चे आदिवासी समुदाय के हैं। लापता तीनों बच्चों की पहचान मनोज मींस, संजीव कर्मकार और अभिमन्यु तांती के रूप में हुई है। तीनों बच्चे गुरुवार की सुबह से लापता हैं। इस घटना को लेकर इलाके में भारी तनाव व्याप्त है। इस बीच तीनों बच्चों के माता-पिता एवं परिजन अलग-अलग जगहों पर उनकी तलाश कर रहे हैं लेकिन उनका कोई पता नहीं चला है। बच्चों के लापता होने की शिकायत उनके परिजनों ने पुलिस से की है। बच्चों के लापता होने को लेकर परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया।

उलुबाड़ी फ्लाईओवर के नीचे बना गड्ढा खतरे का आमंत्रण

गुवाहाटी (विभास)। उलुबाड़ी फ्लाईओवर के नीचे आश्रम रोड जीएस रोड जंक्शन पर बना हुआ गड्ढा कभी भी किसी भी वक्त किसी को भी दुर्घटना में ढकेल सकता है। गणेशगुड़ी के गड्ढे की घटना से सबक लेते हुए इस तरह के गड्ढों को चिन्हित कर उन्हें तुरंत मरम्मत करने की जरूरत है। उलूबाड़ी फ्लाईओवर के नीचे हर समय यातायात व्यस्त रहता है। कहीं गणेशगुड़ी की घटना फिर यहां घटित हो जाए यही आशंका लोगों के मन में बनी हुई है। अगर गुवाहाटी में देखा जाए तो मुख्य पथ पर ही ऐसे कई गड्ढे मिल जाएंगे। जिनसे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। आठगांव फ्लाईओवर का गड्ढा सर्वविदित है। जो आज भी विद्यमान है। छत्रीबाड़ी केसी रोड की हालत ऐसी है कि निकोंल्स और वाई डब्ल्यू सी के छात्र-छात्राओं को हमेशा किसी न किसी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। चाभीपुल चौराहे पर कचरे का बहुत बड़ा कचरा घर के पास सड़क की जो हालत है। उसमें तो कभी न कभी कोई न कोई दुर्घटना निश्चित ही है। क्योंकि एक तरफ तो चाबी पुल बिलपार सड़क की हालत काफी दयनीय अवस्था में है। दूसरी और कचरे घर के बड़े बड़े क्रेन का हर वक्त आगे पीछे होते रहना भी खतरे का ही अलार्म है। इन सभी जगहों के लिए कई बार समाचार पत्रों में समाचार भी छप चुके हैं। लेकिन संबंधित विभाग के नजर अभी तक इन खतरों के गड्ढों पर नहीं पड़ी है। इसी तरह का एक गड्ढा आठ गांव नीलकंठ शिवालय के पास बरसों से बना हुआ है। जो धीरे-धीरे सुरसा की तरह फैलता ही जा रहा है। गुवाहाटी पर फ्लाईओवर का जाल बिछाने में व्यस्त सरकार का ध्यान अगर इन गड्ढों पर नहीं गया तो आम जनता के साथ दुर्घटना होते रहना निश्चित है।

No. RE/289(CB)/2019-22/73

AUCTION NOTICE

Sealed quotations affixing court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only are invited from Registered Industries/Firms/Agents by the undersigned to dispose off unserviceable dismantled sections with accessories of **"80 feet Self Supporting Tower"** of APRO having weight of 4700 kg approximately.

The Bidder will have to show the valid certificates at the time of collection of the Tender Paper to ascertain the genuineness.

Intending bidders, **who meet the criteria** may collect the details of items along with Terms & Conditions on payment of **Rs. 500/- (Rupees five hundred)** only through uncrossed IPO / BANK DRAFT / DCR payable in favour of the **Director of Police (Commn), Assam** on any working day during office hours up to **28-06-2023.**

Tenders will be received up to **1300 hr on 30/06/2023** in the office of the Spl. Director General of Police (Commn), Assam, Ulubari, Guwahati-7 and will be opened on the same day at 1500 hr.

Director of Police (Commn) Assam,
Ulubari, Guwahati-7.

-- Janasanyog /C/ 4092/23

No. WR/NLB/N-2/Pt-XI1/2021/1150

NOTICE

Application affixing Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight and Paise Twenty Five) only in the prescribed form for registration of Contractor during the year 2023-2024 are hereby invited and will be received by the under signed up to 4:00 P.M on or before 31-08-2023. Application received after that date will not be considered under any circumstances.

The area of operation of Class-I Contractor will be entire area of Water Resources Department in the State of Assam while the area of the operation of Class-II Contactor will be restricted within the Circle and the area of Class-III will be within the Division.

The application must be submitted as per special clause, falling which the application will be rejected without assigning any reason thereof.

The following documents are to be enclosed for registration of new Contractor.

1. Court Fee Stamp
2. Self attested copy of PAN Card.
3. Self attested copy of GST (in detail)
4. Self attested.copy of valid Bank Financial sound certificate (from National Bank)
5. Self attested copy of SBI bank passbook (1st Page)
6. Self attested copy of certificate of applicant belonging OBC/MOBC/SC/ST(H)/ST(P) etc.
7. 2 (Two) copies of recent passport photograph.
8. Character certificate from Gaonbura/ Ward Commissioner/ Local MLA/ Local Police Officer etc.
9. Police verification report.
10. The required security is to be deposited in the form of Fixed Deposit Certificate issued from National Bank pledged in the favour of Executive Engineer, Nalbari W.R. Division, Nalbari as admissible.

N.B: The Original documents/ certificate are to be shown before fresh Registration/ up-gradation of registration.
The application of the contractor's who do not follow the above guidelines will be rejected. The prescribed format may be obtained from the office of the undersigned on any working day during office hours.
Registration will be considered after received of Police verification report (N.O.C)

Executive Engineer
Nalbari W.R. Division,
Nalbari

-- Janasanyog /D/4721/ 23

500 किग्रा से अधिक कचरे की सफाई के लिए अखिल भारतीय सफाई अभियान शुरू

मुंबई/गुवाहाटी। भारत की प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों में से एक, मैरिको लिमिटेड ने अंतर लाने और बेहतर भविष्य बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए 3 जून को *मैरिको इंपैक्ट डे* के रूप में समर्पित किया है। इस अवसर पर पहली बार, कंपनी ने विश्व पर्यावरण दिवस से पहले अपने सबसे बड़े स्वयंसेवा अभियान का आयोजन किया। 3 जीए 2023 9 शहरों में आयोजित, सफाई अभियान में 200 से अधिक स्वयंसेवकों – मैरिको सदस्यों और उनके प्रियजनों की भागीदारी देखी गई, जो झीलों, नदियों और समुद्र तटों से 500 किलोग्राम से अधिक कचरे को इकट्ठा करने के लिए एक साथ आए थे। *मैरिको इंपैक्ट डे* पर्यावरणीय स्थिरता लक्ष्यों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए इसके समर्पण का उदाहरण है। अपने सदस्यों को जुटाकर और स्थानीय समुदायों के साथ साझेदारी करके, कंपनी का उद्देश्य स्थायी परिवर्तन चलाना और स्वच्छता और जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन की संस्कृति को प्रेरित करना है। यह पहल अपने सदस्यों को प्रभाव डालने और अपने टीवीपी (140) के *बी द इंपैक्ट* स्तंभ के अनुरूप सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित करने के कंपनी के उद्देश्य को दर्शाती है। इस अवसर पर बोलते हुए, अमित भसीन, मुख्य कानूनी अधिकारी और ग्रुप जनरल काउंसल और सचिव, सीएसआर कमेटी, मैरिको लिमिटेड ने कहा कि मैरिको में, हम एक ऐसी संस्कृति बनाने का प्रयास करते हैं, जहां हमारे सभी सदस्य अपने उद्देश्य और जुनून को जीवित कर सके। *मैरिको इंपैक्ट डे* एक छोटी सी पहल है जिसके माध्यम से हमारा उद्देश्य व्यक्तियों को उस बदलाव का हिस्सा बनने के लिए एक मंच प्रदान करना है जो वे दुनिया में देखना चाहते हैं। इस पहल के एक भाग के रूप में आयोजित मेगा क्लीन-अप अभियान ने हमारे सदस्यों को पर्यावरण और समुदायों पर प्रत्यक्ष, सकारात्मक प्रभाव डालने का अवसर दिया। हमें उम्मीद है कि यह दूसरों को सभी के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य और अधिक टिकाऊ दुनिया बनाने के हमारे मिशन में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगा। मैरिको लिमिटेड ने पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) के मार्गदर्शक सिद्धांतों को एकीकृत करने वाली पहलों के साथ स्थिरता और जलवायु कार्रवाई के लिए अपनी प्रतिबद्धता की लगातार पुष्टि की है। कंपनी ने हाल ही में अपने *डिकेड ऑफ एक्शन* को शक्ति देने के लिए अपने ईएसजी (ईएसजी) 2.0 ढांचे की घोषणा की, जिसमें इसके पर्यावरणीय प्रभाव और कार्बन पदचिह्न को कम करने के साथ-साथ अपने व्यावसायिक संचालन की स्थिरता में सुधार के लिए किए गए प्रमुख उपायों पर प्रकाश डाला गया। कंपनी का लक्ष्य 2030 तक भारत में शुद्ध-शून्य उत्सर्जन और 2040 तक वैश्विक परिचालन हासिल करना है। मैरिको प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए भी शानदार काम कर रहा है; रीसाइक्लेबल प्लास्टिक अपने वर्तमान पैकेजिंग पोर्टफोलियो का 96 प्रतिशत हिस्सा है और कंपनी 2025 तक 100 प्रतिशत पुनर्नवीनीकरण पैकेजिंग करने के लिए ट्रैक पर बनी हुई है। इस अखिल भारतीय स्वयंसेवा अभियान के लिए, मैरिको ई ने इसे जीवंत करने के लिए वीएफआई (वीएफआई), कैप्टन सोशल, हरा जीवन, नेचर मेट्स, खुशियां फाउंडेशन और बहुत कुछ जैसे कई गैर-लाभकारी संगठनों के साथ भागीदारी की। सफाई के दौरान अहमदाबाद, कोयम्बटूर, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जलगांव, कोलकाता, पेरुंदुईई और पांडिचेरी के स्वयंसेवकों ने समुद्र तटों, झीलों आदि की सफाई में दिन बिताया।

अमेरिकी सहरक्षा सचिव का दावा, मोदी की यात्रा से रक्षा उत्पादन व विकास की नई राह खुलेगी

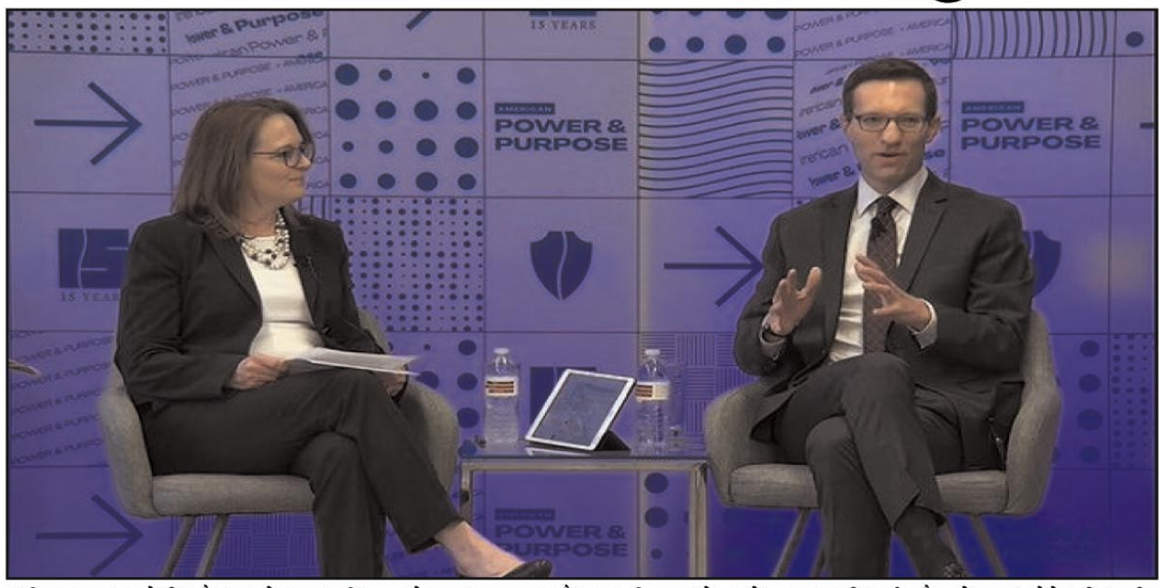

वाशिंगटन, (हि.स.)। अमेरिका के सह रक्षा सचिव एली रैटनर का दावा है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इसी माह होने वाली अमेरिका यात्रा दोनों देशों के बीच मिलकर रक्षा उत्पादन व विकास की नई राह खोलेगी। सेंटर फॉर न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी में एक चर्चा के दौरान उन्होंने उम्मीद जताई कि मोदी की यात्रा के दौरान रक्षा औद्योगिक सहयोग और भारत के स्वदेशी सैन्य अड्डे को बढ़ावा देने के लिए बड़ी घोषणाएं हो सकती है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 जून से चार दिन की यात्रा पर अमेरिका पहुंच रहे हैं।

इस यात्रा पर चर्चा करते हुए एली रैटनर ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों के लिए नए मानदंड स्थापित करने वाली एक ऐतिहासिक यात्रा होगी। हाल ही में अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कई द्विपक्षीय मुद्दों को आगे बढ़ाने और विशेष समझौतों व प्रस्तावों को अंतिम रूप देने के लिए भारत का दौरा किया था। इन समझौतों को लेकर जमीनी स्तर पर काम करने की तैयारी चल रही है। पीएम मोदी जब अमेरिका आएंगे तो इन पर अंतिम मुहर लगेगी। रैटनर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त राज्य अमेरिका की राजकीय यात्रा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों में नए मानदंड स्थापित करेगी और दोनों को सह-उत्पादन और सह-विकास के मुद्दों पर अभूतपूर्व तरीकों से करीब लाएगी। दावा किया कि इस बार प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से रक्षा के क्षेत्र में मजबूत कदम उठाए जाएंगे। साथ ही कई और घोषणाएं होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दशकों में भारत-अमेरिका संबंध पहले से अच्छे और विश्वसनीय हो गए हैं।

भारत के टेक-इकोसिस्टम को बढ़ाने में एआई की क्षमता बहुत बड़ी है: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन के साथ बैठक की और कहा कि विशेष रूप से युवाओं के बीच भारत के तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र (टेक-इकोसिस्टम) को बढ़ाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्षेत्र की क्षमता बहुत अधिक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कल ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने मुलाकात की। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन के एक ट्वीट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, अंतर्दृष्टिपूर्ण बातचीत के लिए सैम ऑल्टमैन को धन्यवाद। भारत के टेक-इकोसिस्टम का विस्तार करने में एआई की क्षमता, विशेष रूप से युवाओं के बीच, वास्तव में अपार है। हम उन सभी सहयोगों का स्वागत करते हैं, जो हमारे नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए हमारे डिजिटल बदलाव को गति दे सकते हैं। इससे पहले, ऑल्टमैन ने एक ट्वीट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ शानदार बातचीत रही। भारत के अविश्वसनीय तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र और एआई से देश को कैसे लाभ हो सकता है, इस पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय में सभी लोगों के साथ मुलाकात आनंदमय रही।

अस्पताल की बिल्डिंग में देर रात लगी आग

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पड़ रही गर्मी के बीच शॉर्ट सर्किट और लूज वायरिंग की वजह से आग की घटनाएं लगातार हो रही है। ऐसा ही एक मामला देर रात द्वारका जिले के डाबड़ी के पास वैशाली इलाके में सामने आया। यहां के 4 मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। मौके पर अलग-अलग दमकल स्टेशनों से आग बुझाने वाली 09 गाड़ियां पहुंची। मौके पर फायरकर्मियों को पता चला कि आग बेसमेंट में लगी है और उसका धुआं ऊपरी मंजिल तक पहुंच रहा है। फर्स्ट फ्लोर पर न्यू बोर्न चाइल्ड हॉस्पिटल था। जिसमें 20 नवजात बच्चे को नर्सरी में रखा हुआ था। मौके पर पहुंचे डिविजनल ऑफिसर वीके दुग्गल, असिस्टेंट डिविजनल ऑफिस उदयवीर और बाबूलाल मीणा की टीम ने सभी बच्चों को वहां से निकालकर अलग-अलग अस्पतालों में एंबुलेंस के जरिए सकुशल भिजवाया। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि दमकल विभाग को रात 1:35 पर आग लगने की सूचना मिली थी। लगभग एक घंटे के अंदर 2:25 पर आग पर काबू पा लिया गया। चार मंजिला बिल्डिंग के बेसमेंट में हॉस्पिटल का सामान रखा हुआ था। जिसमें ऑफिस भी बना हुआ था, जिसमें किसी कारण से आग लग गई थी। ग्राउंड फ्लोर पर दुकानें हैं और फर्स्ट फ्लोर पर "न्यू बोर्न चाइल्ड हॉस्पिटल" चलाया जा रहा है। अस्पताल में सभी वह नवजात बच्चे थे, जिन्हें किसी ने किसी प्रॉब्लम की वजह से नर्सरी में डॉक्टर की निगरानी में इलाज के लिए रखा गया था। लेकिन उनमें से जनकपुरी के आर्या अस्पताल में 13 बच्चे को, द्वारका मोड़ के न्यू बोर्न चाइल्ड अस्पताल में 2 बच्चों को, जनकपुरी के जेके अस्पताल में दो बच्चों को शिफ्ट किया गया। वहीं 03 नवजात बच्चों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। आगे की जांच स्थानीय पुलिस कर रही है। वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने बच्चों को दूसरे अस्पताल शिफ्ट करने के बाद आज सुबह जानकारी दी। यह पूरा अस्पताल सिर्फ 180 गज में बना हुआ है। अस्पताल के बाहर ही गड्ढा खुदा हुआ था। ऐसे में दमकल विभाग को रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी परेशानी हुई।

लोकहित में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए नियम बनाएगी सरकार : राजीव चंद्रशेखर

नई दिल्ली, (हि.स.)। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के लिए नियम बनाएगी कि यह ह्यडिजिटल नागरिकोंह्न को नुकसान न पहुंचाए। चंद्रशेखर आज भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में डिजिटलीकरण के मामले में भारत की प्रगति पर बात रख रहे थे। चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार एक डिजिटल इंडिया विधेयक पर काम कर रही है, जिसमें एआई को विनियमित करने के प्रावधान शामिल होंगे। उन्होंने उल्लेख किया कि 85 करोड़ भारतीय इंटरनेट का उपयोग करते हैं, जो 2025 तक बढ़कर 120 करोड़ तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा, "इंटरनेट पर विषाक्तता और आपराधिकता काफी बढ़ गई है। हम डिजिटल नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के प्रयासों को सफल नहीं होने देंगे।" कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, अगर हम साल 2004 से 2014 के काल खंड को तकनीक की नजर से देखें तो उसके लिए सबसे उपयुक्त कथन होगा- भ्रष्टाचार की दुकान। उस दौर में 2-जी स्कैम हुआ, अंतरिक्ष-देवास स्कैम हुआ... निवेशक भारत छोड़ कर जा रहे थे और बीएसएनएल को इस दशक में बिलकुल तबाह कर दिया गया। उन्होंने कहा कि साल 2014 में हम दुनिया के सबसे बड़े 'अनकनेक्टेड' देश थे लेकिन आज हम दुनिया में सबसे बड़े मोबाइल इंटरनेट के उपयोगकर्ता हैं और हमारे यहां इंटरनेट की दरें सबसे कम हैं। एक समय था जब टेलीकॉम सेक्टर के अधिकतर कंपोनेंट आयात किए जाते थे लेकिन आज स्थिति यह है कि हम 700 जिलों को 5ऋतकनीक से जोड़ चुके हैं। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने पिछले 9 साल में देश में हुए कायापलट का जिक्र करते हुए कहा कि बीते 9 साल में भारत डिजिटल लेनदेन में दुनिया का सबसे बड़ा देश बना है। तकनीक के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार के कामकाज में बड़े सुधार सुनिश्चित किए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने राज्यसभा में डीबीटी का मजाक उड़ाया था। लेकिन आज, भारत के लोग जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने तकनीक के इस्तेमाल से उनके जीवन में क्या बदलाव लाए हैं।

ओला-उबर की बाइक सर्विस के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 12 जून को सुनवाई

अजय कुमार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में ओला-उबर और रैपिडो जैसी कैब एग्रीगेटर कंपनियों की बाइक सर्विस पर रोक लगाने की मांग वाली दिल्ली सरकार की अर्जी पर 12 जून को सुनवाई करेगा। कोर्ट की अवकाशकालीन बेंच ने ये आदेश दिया। कोर्ट ने याचिका की कॉपी सॉलिसीटर जनरल को देने को कहा, ताकि इस मसले पर केंद्र सरकार का रुख भी सामने आ सके। इसके पहले सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की ओर से कहा गया था कि बाइक टैक्स नियमों का उल्लंघन कर बिना किसी लाइसेंस के बाइक का इस्तेमाल कर उनका परिचालन हो रहा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने बाइक सर्विस पर रोक लगाने वाले दिल्ली सरकार के फैसले पर रोक लगा दी थी। दिल्ली सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम में चुनौती दी है। दिल्ली परिवहन विभाग ने उबर, ओला और रैपिडो जैसे राइड-शेयरिंग प्लेटफॉर्म को बाइक टैक्सी सेवा बंद करने का निर्देश जारी किया था। हाईकोर्ट ने इसी आदेश पर रोक लगाई है।

श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर देरी से बचने के लिए ड्रॉप एंड गो सुविधा शुरू

श्रीनगर, (हि.स.)। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यात्रियों की सुविधा के लिए और प्रवेश द्वार पर देरी से बचने के लिए ड्रॉप एंड गो सुविधा शुरू करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों द्वारा जारी एक बयान के अनुसार यात्री अपने वाहनों को हवाई अड्डे के ड्रॉप गेट पर छोड़ सकते हैं और वे फिर सीधे एक्स-रे पर अपना सामान रखेंगे और स्क्रीनिंग के बाद ड्रॉप गेट पर स्थित ई-कार्ट में सवार हो सकते हैं। बयान में कहा गया है कि यात्री चाहें तो पेड पोर्टर सेवा का भी लाभ उठा सकते हैं। ये आरामदायक, पर्यावरण के अनुकूल, बैटरी से चलने वाली ई-गाड़ियाँ यात्रियों को उनके सामान के साथ टर्मिनल भवन तक ले जाएँगी। बयान में कहा गया है कि यह सुविधा मानार्थ है और हम अपने सम्मानित यात्रियों से इस सुविधा का इस्तेमाल करने के लिए कोई फीस नहीं लेंगे। आगे कहा गया है कि टर्मिनल बिल्डिंग में यात्री चेक-इन प्रक्रिया के लिए चेक-इन काउंटर पर जा सकते हैं। इस सुविधा के शुरू होने से 40 से 50 प्रतिशत यात्री इस सेवा का उपयोग करेंगे और ड्रॉप गेट पर देरी कुछ हद तक कम हो जाएगी। इस सुविधा का उपयोग आने वाले यात्रियों द्वारा भी किया जा सकता है। श्रीनगर आने वाले यात्री आगमन निकास से इन ई-कार्ट में सवार हो सकते हैं और ड्रॉप तिथि तक सवारी कर सकते हैं। ड्रॉप गेट पर वे अपने वाहनों में सवार हो सकते हैं और घर जा सकते हैं। बयान के अनुसार यह सुविधा प्रायोगिक आधार पर 4 अत्याधुनिक, पर्यावरण अनुकूल ई-कार्ट के साथ शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर हमें अच्छा रिस्पांस मिला तो हम कार्ट की संख्या और बढ़ाएंगे। हम अपने यात्रियों को इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करने और इसे सफल बनाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

चारधाम यात्रा : अब तक 24 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के शुरू हुए डेढ़ महीना से ज्यादा का समय हो चुका है। चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अब तक 24 लाख से अधिक श्रद्धालु हेमकुंड सहित चारों धामों की यात्रा कर चुके है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं काफी उत्साह है। राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र के अनुसार गुरुवार को बद्रीनाथ धाम में 21567 श्रद्धालु, केदारनाथ में 18978, गंगोत्री में 8577, यमुनोत्री में 6527, हेमकुंड साहिब में 4313 तथा गौमुख 79 श्रद्धालु यानि कुल 60041 यात्री इन तीर्थ धामों में पहुंचे थे। 24 लाख 14 हजार 939 यात्री हेमकुंड सहित उत्तराखंड के चारधाम में पहुंच चुके हैं। बद्रीनाथ में 7 लाख 254, हेमकुंड साहिब में 45634, केदारनाथ में 821207, गंगोत्री में 446572, गौमुख में 3605, यमुनोत्री में 397667 दर्शन कर चुके।

131 तीर्थ यात्रियों की हुई मृत्यु - चारधाम यात्रा के दौरान अब तक 131 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो चुकी है। इसके पीछे स्वास्थ्य संबंधी कारणों के अलावा दुर्घटनाएं भी शामिल हैं। विभाग का मानना है कि चारधाम व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए सरकार प्रयासरत है। यात्रियों को भी यात्रा से पूर्व अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराने के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी दृष्टि रखनी चाहिए।

तृणमूल सरकार का भ्रष्टाचार जनता को केंद्रीय योजनाओं के लाभ से कर रहा है वंचित : दिनेश शर्मा

कोलकाता, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने दक्षिण 24 परगना के जयनगर में शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार के भ्रष्टाचार का दीमक जनता को केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित कर रहा है। पश्चिम बंगाल में विकास कार्य पूरी तरह से ठप हो गए हैं। हर विभाग से वसूली हो रही है। पुलिस प्रशासन पार्टी विशेष का कार्यकर्ता बनकर रह गया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. शर्मा ने मोदी सरकार के नौ साल पूर्ण होने के अवसर पर महासम्पर्क अभियान के तहत आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि बंगाल की जनता के मन में भाजपा के पक्ष में हाई वोल्टेज करंट बह रहा है। वह आने वाले चुनाव में भाजपा को 35 से अधिक लोकसभा सीटों पर चुनाव जिताकर केंद्र में मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनवाने जा रही है। भाजपा की इस जीत के बाद बंगाल में दीदी के भ्रष्टाचार का किला भरभराकर ढह जाएगा। तृणमूल पर बंगाल को गर्त में ले जाने का आरोप लगाते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रदेश में माफिया राज हावी है। आज सूबे में खनन, गिट्टी, पशु तस्करी, सोने की तस्करी का माफिया हावी है और हत्या, अपहरण, महिलाओं से बदसलूकी एक व्यवसाय बन गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भी 2017 में भाजपा की सरकार बनने के पहले यही हाल था पर छह साल में ही यूपी से अपराधी व माफिया गायब हो गए हैं। आज प्रदेश में 3.90 लाख करोड़ का निवेश आया है। 20 हवाई अड्डे बन गए हैं। आज उप्र के हर जिले में मेडिकल कॉलेज बन गए हैं। पिछले पांच साल में 250 माध्यमिक विद्यालय एवं 78 डिग्री कॉलेज बने हैं। उन्होंने कहा कि सुशासन भाजपा की सरकारों की पहचान है और यहां के बुआ-भतीजे को सुशासन का मंत्र सीखने की जरूरत है जिससे कि बंगाल की जनता भी देश में हो रहे विकास के साथ कदमताल कर सके। इसके लिए उन्हें नई दिल्ली अथवा उप्र जाकर प्रधानमंत्री मोदी अथवा मुख्यमंत्री आदित्यनाथ से सुशासन का मंत्र लेने की जरूरत है। डॉ. शर्मा ने कहा कि बंगाल के विकास के लिए केंद्र सरकार तो कटिबद्ध है पर विकास के लिए राज्य सरकार का सहयोग नहीं मिल रहा है। जो बंगाल किसी समय में सबसे सम्पन्न राज्य हुआ करता था तथा देश के लोगों को नौकरी से लेकर व्यवसाय देता था वह आज कराह रहा है। इसके विकास को कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों ने स्लो पॉइजन देकर खराब किया और पिछले 10 साल में तृणमूल ने तो इसका बेड़ा ही गर्क कर दिया है। चौड़ी सड़कों वाले बंगाल में सड़कें खस्ताहाल हैं और पता ही नहीं चलता कि सड़क में गड्ढा है कि गड्ढे में सड़क है। कभी रोजगार देने वाले बंगाल का हाल कुछ ऐसा है कि अब यहां के लोगों को नौकरी के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यहां पर दीदी के अलावा पर्दे के पीछे भी एक मुख्यमंत्री है। जबसे उन्होंने कमान संभाली है सूबे का कोई विभाग ऐसा नहीं बचा है जहां से वसूली नहीं होती हो। केंद्र सरकार की मुद्रा योजना एवं मनरेगा जैसी योजना के लाभार्थी इन योजनाओं का लाभ पाने की अभी राह ही देख रहे हैं। इसका पैसा कहां गया कुछ पता नहीं है।

संजय राऊत को जान से मारने की धमकी

मुंबई, (हि. स.)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के नेता संजय राऊत को अज्ञात व्यक्ति ने जान से मारने की धमकी दी है। इस संबंध में संजय राऊत ने गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है और उनके साथ शरद पवार और उनके भाई सुनील राऊत को मिली धमकी की जांच की मांग की है। संजय राऊत के भाई सुनील राऊत को गुरुवार शाम किसी अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। इस शख्स ने फोन पर संजय राऊत और सुनील राऊत को एक महीने के अंदर श्मशान घाट भेजने की धमकी दी। संजय राऊत को यह धमकी दूसरी बार मिली है। सुनील राऊत ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए पत्रकारों को बताया कि मुझे लगता है कि सरकार ने संजय राऊत को जान से मारने के लिए सुपारी दी है। सुनील राऊत ने बताया कि एक व्यक्ति ने कल शाम 4.00 बजे मेरे फोन पर तीन-चार कॉल की और कहा कि एक महीने में हम तुम्हें गोली मार देंगे और तुम्हें कब्रिस्तान भेज देंगे।

भाजपा कार्यालय सिर्फ कार्यालय नहीं, यह हमारे 'संस्कार केंद्र' हैं: जेपी नड्डा

-भाजपा दिल्ली प्रदेश कार्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम में रखे विचार

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को दिल्ली प्रदेश कार्यालय की आधारशिला रखी। दिल्ली प्रदेश कार्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम में नड्डा ने कार्यकताओं को बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि हमारे कार्यालय सिर्फ कार्यालय नहीं हैं, यह हमारे 'संस्कार केंद्र' हैं। हमारी पार्टी अन्य पार्टियों से अलग है। सारी पार्टियां विचार से शून्य की तरफ जा रही हैं, जबकि हमारी पार्टी विचारों पर खड़ी है। आज देश में कोई ऐसी पार्टी नहीं है जो एक विचारधारा के लिए सतत चलती रही हो और उसको पूरा करे। उन्होंने कहा कि देशभर के सभी जिलों में भाजपा कार्यालय स्थापित करने की कल्पना की ओर पार्टी अग्रसर है। आज 500 से अधिक पार्टी कार्यालय पहले से ही चालू हैं और लगभग 166 कार्यालयों का निर्माण किया जा रहा है। आज का दिन उन सभी लोगों को याद करने का भी दिन है जिन्होंने दिल्ली प्रदेश में भाजपा की लंबी यात्रा में अपना योगदान दिया है। एक बार स्थापित होने के बाद, भाजपा दिल्ली का नया राज्य कार्यालय भाजपा कार्यकताओं को विचारशील चर्चा करने, रणनीति बनाने, पार्टी का विस्तार करने और राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सक्षम बनाने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा।

दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में दी रिपोर्ट- पहलवानों पर हेट स्पीच का नहीं बनता कोई मामला

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा है कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान पहलवानों पर हेट स्पीच का कोई मामला नहीं बनता है। दिल्ली पुलिस ने अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट में कहा है कि 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' वाला नारा दूसरे लोगों ने लगाया था। बजरंग पुनिया, फोगाट या किसी पहलवान ने ऐसा नारा नहीं लगाया था। पटियाला हाउस कोर्ट में जंतर-मंतर पर बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर चुके पहलवानों के खिलाफ याचिका दायर की गई है। याचिका बम बम महाराज नौहटिया ने दायर किया है। याचिककर्ता की ओर से वकील एपी सिंह ने कहा कि प्रदर्शन में प्रधानमंत्री और बृजभूषण के खिलाफ भड़काऊ बयानबाजी की गई, उसके बावजूद पुलिस ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। एपी सिंह ने कहा कि आरोपियों ने मोदी तेरी कब्र खुदेगी जैसे भड़काऊ बयान दिए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के मुताबिक पुलिस अपने आप भड़काऊ भाषण देने पर कार्रवाई कर सकती है। याचिकाकर्ता ने 4 मई को संसद मार्ग थाने में महिला पहलवानों के खिलाफ शिकायत दी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस की ओर से कार्रवाई नहीं करने पर याचिकाकर्ता ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवान पिछले एक महीने से जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे हैं। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर भी दर्ज की गई है।

सह ना पाई कड़वी बातें मैं लिख आई

सह ना पाई कड़वी बातेंमैं लिख आई।"

इन्हें पढ़ते रहिए और सोचते रहिए।"मैं लिख आई" आपको बहुत दूर वहाँ तक ले जाएगा,जहाँ तक जा सकने की आपकी भाव सम्पदा की उड़ान है और बिटिया पर उनसे हुए हाइकु के हिंग्लिश गीत में बिटिया की महत्ता शक्ति रूप में अपने आप ही पाठक के सामने आकर बैठ जाती है -

"बिटिया रानी पूरी पावर बैंक वाह मदार्नी।"

हमारी संस्कृति में तो बेटियाँ ही देवियाँ हैं और देवियों पर सारी शक्तियाँ हैं।इस भाव से हमारा भारतीय समाज आदि से ही गौरवान्वित होकर इस विश्व के सामने आया है क्योंकि भारतीय बेटियों ने हर क्षेत्र में चमत्कार करके सकल विश्व को चौंकाया है।वैशाली के हाइकु भारतीय भाव सम्पदा के रमणीक उदाहरण हैं।

वैशाली की तीसरी कृति " मेरे चारों धाम "

दोहों का संग्रह है। अपने दोहों के संदर्भ में उनका कहना है कि त्यागी अशोक कृष्णम ने ही उनके प्रति अपने आत्मीय भाव से कहा-" दोहे आपके मुँह से बहुत अच्छे लगेंगे,आप दोहे लिखिए। यदि उनका शुभ आशीष मेरे शीष पर न होता तो शायद आज मेरे हाथों में "मेरे चारों धाम" न होते। किसी से भी इस भाव से जो होता है,वह सुन्दर ही सुन्दर होता है।इस भाव को जीना वैशाली को धन्य करता हुआ त्यागी अशोक कृष्णम को भी धन्य कर जाता है। दोहा हमारा पुराना छंद है। संस्कृत में इसे दोहारिका/दोहाड़िका कहा गया है। विद्वानों का मानना है कि यह अपभ्रंश से हिन्दी में आया है और उत्तर कालीन अपभ्रंश का प्रमुख छंद रहा है तथा उत्तरोत्तर लोक के मन में घुल-मिल कर प्रचलित हुआ है। सबसे पहले इसका प्रयोग प्रसिद्ध कवि सरहपा द्वारा किया जाना बताया जाता है। यह हिन्दी के छोटे छंदों में से एक

बहुत ही विशिष्ट छंद है क्योंकि अपनी सरलता और सहजता से यह लोक में रम जाने वाला होकर लोक को भाने वाला छंद है। इसे कवि बिहारी के नाम से गागर में सागर का मान मिला हुआ है और छोटे तीर से गंभीर घाव करने का वैभव। छोटे-छोटे चार चरण का यह छंद अपने प्रथम और तृतीय चरण में तेरह और द्वितीय तथा चतुर्थ चरण में ग्यारह मात्राओं के भार पर टिका होता है और दूसरे तथा चौथे चरण के अंत में गुरु और लघु के भार तुकांतों की अपरिहार्यता रखता है। दोहा के इस स्वरूप व्यवस्थापन में भी इसके विविध रूप मिलते हैं।

वैशाली की कृति " मेरे चारों धाम " का श्रीगणेश भी उनके पूजा-अर्चना भाव से ही हुआ है। हमारी परंपरा में कुछ नया करने से पहले हम उन शक्तियों का स्मरण करते हैं जो हमें उसे करने के योग्य बनाती हैं। वैशाली की काव्य भावभूमि प्रथमतया समाज कल्याण की है और बाद में अपने।श्री गणेश जी को समर्पित उनका दूसरा दोहा समाज कल्याण के इसी भाव को लेकर प्रस्तुत हुआ है -

" श्री गणपति को पूजकर,श्रद्धा से लें नाम।
कष्ट हरें जीवन करें, आनन्दित हर शाम।।"

और चौथा दोहा उनकी स्व अभिलाषा को लेकर सामने आता है -

" माँ गौरा के लाड़ले, बाबा शिव के लाल।
हे लंबोदर आप ही, रखना मेरा ख्याल।।"

तत्पश्चात वह माँ सरस्वती के वंदन दोहों में से एक में नतमस्तक होकर उससे ऐसे आशीष माँगती हैं।

निखर उठा विंध्यधाम, भव्य-दिव्य होगा विंध्य कारिडोर : केशव प्रसाद मौर्य

– विंध्य कारिडोर का निर्माण प्रगति पर, मिलेगी विश्व स्तरीय सुविधाएं

– मां विंध्यवासिनी का दिव्य दर्शन कर उप मुख्यमंत्री गदगद

मीरजापुर, (हि.स.)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संकल्प था कि अयोध्या में रामलाल की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बने। काशी में बाबा विश्वनाथ धाम बने तो विंध्याचल धाम भी भव्य और दिव्य बने और उस दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट विंध्य कारिडोर का निर्माण प्रगति पर है। इस पर उप मुख्यमंत्री ने संतोष जताया। साथ ही उन्होंने कहा कि विश्व प्रसिद्ध मां विंध्यवासिनी धाम आने वाले श्रद्धालुओं को विश्व स्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। वे मीडिया से बातचीत कर रहे थे। दरअसल, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार सुबह मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन करने विंध्यधाम थे। इससे पहले उप मुख्यमंत्री का हेलीकाप्टर पुलिस लाइन मैदान पर उतरा, फिर कार से वे विंध्य दरबार पहुंचे। विंध्यधाम पहुंचते ही मंडलायुक्त डा. मुथुकुमार स्वामी बी., जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने त्रिदेवी का चित्र भेंट कर उप मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने पुरानी वीआईपी मार्ग से गर्भगृह पहुंच मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन किया। मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन करने के बाद मंदिर परिक्रमा कर समस्त देवी-देवताओं को नमन किया। मां विंध्यवासिनी का दिव्य दर्शन कर उप मुख्यमंत्री गदगद दिखे।

विंध्य कारिडोर निर्माण प्रगति से संतुष्ट दिखे उप मुख्यमंत्री – उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विंध्य कारिडोर की निर्माण प्रगति परखी। वहीं मंडलायुक्त डा. मुथुकुमार स्वामी बी. व जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने विंध्य कारिडोर का माडल दिखाया और बारीकी से समझाया। वहीं उप मुख्यमंत्री ने विंध्य कारिडोर का माडल देख आवश्यक निर्देश दिया।

चयनित अभ्यर्थियों के लिए यह बेहतरीन अवसर, सेवा के जरिए पाएं सम्मान : आदित्यनाथ

– मुख्यमंत्री ने 7,182 एएनएम को बांटे नियुक्ति पत्र

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 7,182 सहायक नर्स दाई (एएनएम) को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस प्रकार से पारदर्शी व्यवस्था के तहत उनकी भर्ती हुई है, उसी प्रकार वे अपनी सेवाओं के माध्यम से एक कीर्तिमान स्थापित करें। आज का यह कार्यक्रम मिशन रोजगार एवं मिशन शक्ति का संगम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को 7,182 एएनएम की पारदर्शी व्यवस्था के तहत भर्ती के लिए बधाई देता हूं। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों के लिए कहा कि बिना धरना-प्रदर्शन के आप सबने इंतजार किया। बधाई के पात्र हैं।

सरकार ने सारी समस्याओं का हल निकालते हुए भर्ती पूरी की है। अब इसमें कोई रोड़ा नहीं डाल सकता। आपको कोर्ट के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। पिछले छह सालों में किसी भी प्रकार की भर्ती में भ्रष्टाचार को कोई जगह नहीं मिली। पूरी पारदर्शी प्रक्रिया के तहत छह लाख से अधिक भर्ती की गयी। कुछ लोगों की परेशानी यह है कि उनकी अनैतिक गतिविधियों को रोका गया है। मुख्यमंत्री ने नव चयनित अभ्यर्थियों को बेहतरीन कार्य करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले लोग रोना रोते थे कि डॉक्टर नहीं है। स्टाफ नहीं है। अब वह स्थिति नहीं है। आजादी से लेकर 2017 तक प्रदेश में 12 मेडिकल कॉलेज थे। आज प्रदेश में 59 मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हैं या तैयार होने को हैं। हर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जा रही है। यह आप सबको अवसर मिला है। बेहतरीन कार्य करके एक मॉडल प्रस्तुत कीजिए। समाज के लोग आपके प्रति सम्मान प्रकट करें। अपनी सेवाओं के माध्यम से ही यह कर सकते हैं। उप मुख्यमंत्री और चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि योगी सरकार स्वास्थ्य विभाग को लगातार मजबूत कर रही है। एएनएम स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ हैं। दवाओं और वैक्सीन की कोई कमी नहीं है। ईश्वर को साक्षी मानकर हमें काम करना होगा। स्वास्थ्य विभाग के बेहतर कार्य करने का ही नतीजा है कि मातृ शिशु मृत्यु दर में कमी आई है। लिंगानुपात सुधरा है। इस मौके पर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के हाथों इन्हें मिला नियुक्ति पत्र – मुख्यमंत्री ने लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सांकेतिक रूप से अनुपमा राय, आकांक्षा मिश्रा, रेनू सिंह, अंजली पाण्डेय, रानी कुंअर, शांति पाल, अनामिका मौर्या, साजिया बानो, प्रिया पटेल, सपना गोस्वामी, संध्या यादव, स्वेता वर्मा, सोनम सिंह सिसोदिया, आकांक्षा साहू, शेख संजीदा बानो, स्वती जायसवाल, कुमारी अनुराधा गुप्ता, स्नेहा सागर, सुनीता पाल, चित्रांसी श्रीवास्तव, माला प्रजापति, प्रियंका भारती, लक्ष्मी देवी रावत, निशा गौतम, ममता राज, कोमल वर्मा, नेहा मिश्रा को नियुक्ति पत्र वितरित किया। जिलों में भी नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मोदी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग को दी संवैधानिक ताकत : नरेंद्र कश्यप

– मोदी सरकार के नौ साल पर भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश भर में करेगा कार्यक्रम

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप ने शुक्रवार को यहां कहा कि कांग्रेस ने पिछड़ों के साथ न्याय नहीं किया। देश में पिछड़ा आयोग तो था लेकिन निष्प्रभावी बनाये रखा। मोदी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक ताकत दी। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के अवसर पर प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए योगी सरकार में मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि मोदी सरकार में 27 सांसदों को मंत्री बनाया गया है। पिछड़ा वर्ग के छात्रों को दाखिल मिलने में आसानी हुई है। ऐसे तमाम योजनाएं हैं जिससे पिछड़ों को लाभान्वित किया है। उन्होंने बताया कि भाजपा ओबीसी मोर्चा सभी 17 नगर निगम में धन्यवाद मोदी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सभी जिलों में भी पिछड़े वर्ग के सम्मेलन किये जाएंगे। इनके जरिये मोदी सरकार में पिछड़े वर्ग के लिए हुए कार्य बताएंगे। 75 लाख ओबीसी लाभार्थियों के सम्मेलन भी किए जाएंगे। इस दौरान पिछड़े वर्ग के खिलाड़ी, डॉक्टर, साधु संत, प्रोफेसर को सम्मानित किया जाएगा।

संयुक मोर्चा सम्मेलन 403 विधानसभा क्षेत्र में आयोजित किए जा रहे हैं। ओबीसी मोर्चा इसमें भागीदारी कर रहा है। कश्यप ने बताया कि पिछड़ा वर्ग की ओर से पांच प्रकार के अभियान चलाए जाएंगे। इसकी तैयारी की गई है। पहला अभियान प्रेसवार्ता करने का है जिसकी शुरूआत हमने आज यहां से कर कर दी है। 14 से 20 जून के बीच धन्यवाद मोदी और पिछड़ा वर्ग सम्मेलन आयोजित करेंगे। उप्र में एनकाउंटर पर असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर कहा कि छह वर्षों से यूपी की कानून व्यवस्था को देखा है। योगी सरकार में अपराध नियंत्रण में है। यही वजह है कि 41 देशों के उद्यमी 35 लाख करोड़ के निवेश का एमओयू किये हैं। यूपी की कानून व्यवस्था देश ही नहीं दुनिया में उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

प्रयागराज में 230 एएनएम को सांसद व डीए ने दिया नियुक्ति पत्र

प्रयागराज, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा सभी 75 जनपदों के लिए कुल चयनित 7182 एएनएम स्वास्थ्य कार्यकत्रियों में से लखनऊ व आसपास के जनपदों से चयनित एएनएम स्वास्थ्य कार्यकत्रियों के लखनऊ में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में किया गया। जिसमें सांसद फूलपुर एवं जिलाधिकारी द्वारा जनपद प्रयागराज के चयनित 230 एएनएम स्वास्थ्य कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर सांसद फूलपुर केशरी देवी पटेल की अध्यक्षता एवं जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की उपस्थिति में संगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सांसद ने चयनित सभी 230 एएनएम कार्यकत्रियों को उनके नियुक्ति पत्र प्राप्त करने की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज आप सबको मानव सेवा की बहुत बड़ी जिम्मेदारी मिली है, जिसे आप सभी लोग बड़ी तन्मयता से निभायें। सांसद ने मुख्य चिकित्साधिकारी से नवनियुक्त एएनएम कार्यकत्रियों को उनके सम्बंधित ब्लाक में अथवा रिक्त पद न होने पर नजदीकी ब्लाक में नियुक्त करने का सुझाव दिया है। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में जच्चा-बच्चा की देखभाल सरकार की मुख्य प्राथमिकता में से एक है। इसलिए इसे और बेहतर बनाने की जिम्मेदारी आप सभी पर होगी। इसका उद्देश्य है कि हमारी महिला शक्ति सशक्त रहे और हमारी भावी पीढ़ी भी मजबूत रहे। आज स्वास्थ्य विभाग के प्रयास से पहले के मुकाबले आईएमआर, सीएमआर, एमएमआर में बहुत कमी आयी है, फिर भी इसमें अभी और सुधार की आवश्यकता है, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी आप सभी के कंधों पर है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी आशू पाण्डे, डिप्टी सीएमओ, नवनियुक्त एएनएम के पारिवारिक सदस्य सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

योगी सरकार ने वाहन स्वामियों को दी बड़ी सौगात, पांच साल के ट्रैफिक चालान निरस्त

– एक जनवरी 2017 से 31 दिसंबर 2021 के बीच काटे गये चालान किए गए निरस्त

– सभी वाहनों पर लागू होगा आदेश, प्रदेश के लाखों वाहन स्वामियों ने ली राहत की सांस

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश के निजी और कामर्शियल वाहन स्वामियों को बड़ी सौगात दी है। राज्य सरकार ने उप्र में लंबे समय से वाहन चालान का भुगतान न करने वाले मालिकों को रियायत देते हुए उनका चालान निरस्त कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस फैसले से प्रदेश के लाखों वाहन मालिकों ने राहत मिली है। राज्य सरकार का यह निर्णय उन वाहन चालकों के लिए खुशखबरी है, जिनके अलग-अलग ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन में चालान काटे गए थे। ऐसे में जितने भी उत्तर प्रदेश में एक जनवरी 2017 से 31 दिसंबर 2021 के बीच चालान काटे गये हैं, वे सभी चालान निरस्त कर दिए गए हैं। साथ ही जो विभिन्न न्यायालयों में लंबित हैं। यह सभी वाहनों पर लागू होते हैं।

दो जून को जारी अध्यादेश के माध्यम से लागू की गयी व्यवस्था – परिवहन आयुक्त चंद्र भूषण सिंह ने सभी संभागीय परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि न्यायालय में उपसमित वादों की सूची प्राप्त कर इन चालानों को पोर्टल से डिलीट कर दिए जाएं। उप्र सरकार के इस कदम से बाकी लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। शासन की ओर से इस संबंध में निर्देश सभी संभागीय परिवहन कार्यालयों में भेज दिए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि न्यायालय में लंबित चालान की सूची प्राप्त कर ई चालान पोर्टल से इसे हटा दिया जाए। आदेश के मुताबिक, एक जनवरी 2017 से 31 दिसंबर 2021 की अवधि में काटे गए चालानों को निरस्त किया जा रहा है। परिवहन आयुक्त ने बताया कि उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या दो जून 2023 के माध्यम से यह व्यवस्था लागू की गई है कि पुराने लंबित चालान निरस्त करा दिए जाएं। मालूम हो कि नोएडा में किसान इस तरह से चालान को निरस्त करने की मांग करते हुए धरना दे रहे थे। इससे पूरे उत्तर प्रदेश में करोड़ों लोगों के चालान माफ होने का रास्ता साफ हो गया है।

घबराने की जरूरत नहीं है – वहीं, इस अवधि के बाद वाले वाहन चालकों को घबराने की जरूरत नहीं है। आप घर बैठे ऑनलाइन ट्रैफिक चालान भर सकते हैं। यूपी ट्रैफिक पुलिस आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर पूरी जानकारी एकत्रित कर सकते हैं। इसके लिए सिर्फ गाड़ी का नंबर पता होना चाहिए। खास बात यह है कि गलत चालान पर आप यहीं से शिकायत भी कर सकते हैं। हालांकि, वाहन का चालान कटने पर मोबाइल नंबर पर भी मैसेज जाता है।

ईडी ने धनबाद, हजारीबाग, कोलकाता और पटना में 11 करोड़ की संपत्ति के दस्तावेज किए जब्त

रांची, (हि.स.)। अवैध बालू खनन मामले की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच कर रही है। बीते पांच जून को ईडी ने पटना, हजारीबाग, धनबाद और कोलकाता समेत 27 जगहों पर एक साथ छापेमारी की थी। मामला बिहार में अवैध बालू खनन से जुड़ा हुआ है। छापेमारी के बाद ईडी की तरफ से शुक्रवार को एक प्रेस रिलीज जारी किया गया है।

जारी प्रेस रिलीज के माध्यम से ईडी ने कहा है कि इन जगहों पर छापेमारी का काम बिहार पुलिस के कई थानों में दर्ज एफआईआर के आधार पर हुआ है। ईडी ने ब्रॉडसन कॉमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड और आदित्य मल्टीकॉन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डॉयरेक्टर,सीए और उनसे जुड़े लोगों के घर और कार्यालय में छापेमारी की गई थी। ईडी के अनुसार दोनों कंपनियां अवैध रूप से खनन कर बालू का व्यापार करती थी। बिना माइनिंग विभाग के चालान के ही बालू का खनन और ढुलाई का काम किया जाता था। ऐसा करने से बिहार सरकार को करीब 250 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ है। छापेमारी के दौरान ईडी को करीब 1.5 करोड़ रुपये नकदी मिले थे। इसके अलावा करीब 11 करोड़ की अचल संपत्तियों के कागजात, 6 करोड़ के एफडीआर और 60 बैंकों में अकाउंट का खुलासा हुआ है। इन सभी अकाउंट को ईडी ने सीज कर दिया है। ईडी की जांच अभी चल रही है।

मुख्यमंत्री धन-दौलत के नशे में कब तक लेंगे गरीब आदिवासी मजदूरों की बलि : बाबूलाल मरांडी

रांची, (हि.स.)। धनबाद जिले के झरिया के भौंरा में चाल धंसने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने इस हादसे के लिए राज्य सरकार को जिम्मेवार ठहराया है। बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन काली कमाई से धन-दौलत बनाने के नशे में गरीब आदिवासी मजदूरों की कब तक बलि लेंगे? धनबाद में एक सिपाही भी कुछ महीनों में करोड़पति कैसे बन जा रहा है? दारोगा और वरीय अधिकारियों की बात तो छोड़ ही दीजिये। नीचे से लेकर ऊपर तक अवैध कमाई करने वालों ने मानवीय मूल्यों को उसी चाल में झोंक दिया है। उन्होंने कहा कि तस्वीरें देखकर मन द्रवित है। पुलिस-माफिया की साठगांठ से धनबाद में अवैध कोयला उत्खनन का धंधा फल फूल रहा है।

झारखंड में 64 सीडीपीओ के पद पर होगी नियुक्ति, 27 जून से ऑनलाइन आवेदन

रांची, (हि.स.)। झारखंड में 64 बाल विकास पदाधिकारी की रिक्त पदों पर नियुक्ति होगी। महिला बाल विकास सामाजिक सुरक्षा विभाग के अधियाचना के बाद झारखंड लोकसेवा आयोग ने इस संदर्भ में विज्ञापन जारी किया है। 27 जून से इसके तहत ऑनलाइन आवेदन जेपीएससी के वेबसाइट के जरिये लिए जायेंगे। 26 जुलाई तक आवेदन लेने की अंतिम तिथि निर्धारित की गयी है। बाल विकास पदाधिकारी के पद पर नियुक्ति के लिए किसी भी विषय में स्नातक होना जरूरी रखा गया है। बाल विकास पदाधिकारियों को पीबी 2-8300-34800 ग्रेड पे 5400 रुपये नियुक्ति के बाद दिए जायेंगे। ट्रेनिंग की अवधि दो साल की रखी जायेगी। जेपीएससी ने प्रतियोगिता परीक्षा के लिए सिलेबस भी जारी किया है। 50 फीसदी पद महिलाओं के लिए क्षैतिज आरक्षण के तहत आरक्षित की गयी है। 32 पद महिलाओं के लिए आरक्षित है। एक पद खेल कोटा, एक पद ब्लाइंड व निशक्तों के लिए दो पद रखे गये हैं।

झारखंड में 18 जून तक पहुंचेगा मानसून, गोड्डा का तापमान पहुंचा 44.6

रांची, (हि.स.)। झारखंड में दस दिनों के अंदर मानसून प्रवेश कर जायेगा। मानसून के 18 जून तक पहुंचने की संभावना है। इससे भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि, इसके पहले गर्मी परेशान करेगी लेकिन 11 जून के बाद थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। राज्य में अभी 11 जून तक लू चलने की संभावना है।

रांची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शुक्रवार को बताया कि आज गोड्डा जिले का तापमान सबसे अधिक दर्ज किया गया। सुबह दस बजे 44.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इसके बाद देवघर का तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस रहा। पलामू 42.6 डिग्री सेल्सियस, पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, साहेबगंज में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रांची का तापमान इस दौरान 39.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। विभाग के मुताबिक 11 जून तक राज्य के पूर्वी और मध्य क्षेत्र में लू का असर देखा जायेगा। लू से मुख्य रूप से दुमका, पाकुड़, गिरिडीह, धनबाद, जामताड़ा, बोकारो, रांची, गुमला, हजारीबाग, खूंटी आदि जिलों में लू का असर देखा जायेगा। 11 जून से राज्य के कुछ हिस्सों में बादल छाए रहेंगे। हालांकि, इस दौरान बारिश की संभावना नहीं है। वहीं, 12 जून से पूर्वी दक्षिणी और मध्य इलाके में बारिश की संभावना व्यक्त की गयी है। इसमें मुख्य रूप से दुमका, गिरिडीह, पाकुउ, गोड्डा, साहेबगंज, बोकारो, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम आदि जिले शामिल हैं।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सहयोग से रंग-पुष्प का आंगिक अभिनय नाट्य कार्यशाला शुरू

बेगूसराय, (हि.स.)। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सहयोग से रंगपुष्प बेगूसराय द्वारा दस दिवसीय आंगिक अभिनय नाटय कार्यशाला का शुभारंभ शुक्रवार को फैक्ट स्पेस में किया गया। कार्यशाला में बेगूसराय की प्रथम महिला अभिनेत्री राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से स्नातक खुशबू कुमारी नये कलाकारों की पौध तैयार करने के लिए अभिनय की बारीकियां सिखाएगी। नाटय कार्यशाला का उद्घघाटन महापौर पिंकी देवी, पूर्व महापौर संजय कुमार, कला प्रेमी विश्वरंजन कुमार सिंह, प्रसिद्ध रंग निर्देशक प्रवीण कुमार गुंजन एवं युवा रंगकर्मी चन्दन वत्स आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घघाटन सत्र को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि रंगमंच इंसान के लिए महत्वपूर्ण है। खुशबू एवं रंगपुष्प निरन्तर कला के क्षेत्र में बेगूसराय का नाम रौशन करती रहें। प्रसिद्ध रंगकर्मी प्रवीण गुंजन ने नाटय कार्यशाला की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आंगिक अभिनय प्रत्येक अभिनेता का प्रमुख सौंदर्य और महत्वपूर्ण हिस्सा है। अभिनेता को अपने शरीर पर साधना करनी चाहिए ताकि उनका शरीर बेहतर हो सके। अभिनय के लिए अभिनेता का अंग यानि कि उनका शरीर सबसे बड़ा और उपयोगी औजार है। खुशबू कुमारी आंगिक अभिनय के माध्यम से अभिनेता को सही सांस लेना, अपनी सांसों पर पूर्ण नियंत्रण करना, अपने को एकाग्र कैसे रखें, अलग-अलग गेम्स के माध्यम से सिखाएगी। निरंतर ऊजार्वान रूप से मंच पर कई घंटों तक बने रहने के लिए अभिनेता को शारीरिक रूप से दक्ष होना ही चाहिए। ऐसी कार्यशाला अभिनेताओं को आंगिक रूप से क्षमतावान बनाती है। जो उन्हें भविष्य में एक सहज अभिनेता बनने की राह पर ले जाती है। आगत अतिथियों का अंगवस्त्र से स्वागत कार्यशाला निदेशक, नाटय कार्यशाला की प्रशिक्षक एवं रंग पुष्प की सचिव खुशबू कुमारी ने किया। उद्घाटन सत्र का संचालन युवा अभिनेता मो. रहमान कर रहे थे।

52 अमीनों का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का डीएम ने किया शुभारंभ

बेतिया, (हि.स.)। नवनियुक्त 52 अमीनों का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ शुक्रवार से जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 जून तक संचालित किया जायेगा।प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिलाधिकारी ने अमीनों से कहा कि आप सभी योग्य है। बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद, पटना द्वारा आयोजित परीक्षा में सफल हुए हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम से लाभ लें। अच्छे तरीके से प्रशिक्षण प्राप्त करें। एक-एक बिन्दु को बेहतर तरीके से समझें। प्रशिक्षण के दौरान संकोच नहीं करें, जो बातें समझ में नहीं आएगी, उसे प्रशिक्षकों के समक्ष उठायें, प्रशिक्षक आपको भलीभांति समझायेंगे।उन्होंने कहा कि भूमि संबंधित समस्याओं के निष्पादन में अमीनों की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है।

अब आप सरकार के महत्वपूर्ण अंग हो गये हैं। प्रशिक्षण उपरांत विभागीय दिशा-निदेशों के अनुरूप अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करें। भूमि संबंधी मामलों का निष्पादन निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से करेंगे। नियमानुकूल कार्य करेंगे। वरीय अधिकारियों के दिशा-निदेशों का अनुपालन करेंगे। किसी भी प्रलोभन में नहीं पड़ना है। कार्य के दौरान लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

रेल दुर्घटना के बाद बिहार सरकार ने न हेल्प डेस्क बनाया और न मंत्री को भेजा : सुशील मोदी

पटना, (हि.स.)। पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बालासोर रेल दुर्घटना के बाद से लापता बिहार के 21 लोगों की खोज करने में राज्य सरकार कोई मदद नहीं कर रही है। सुशील मोदी ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि ओडिशा में हुई रेल दुर्घटना पर बिहार में राजनीतिक बयानबाजी तो खूब हुई लेकिन बालासोर में बिहार सरकार ने न कोई हेल्प डेस्क बनाया, न अपनों की तलाश में वहां पहुंचने वाले बिहार के लोगों के लिए कहीं ठहरने और भोजन करने की व्यवस्था की। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में मरे या अब तक लापता लोगों के परिजनों की सहायता तभी अच्छी तरह से होती, जब इसकी मानीटरिंग के लिए सरकार ने किसी वरिष्ठ मंत्री को वहां कैम्प कराया होता। मोदी ने कहा कि लापता लोगों के गरीब परिजन अपने सीमित साधन से बालासोर गए, दर-दर भटके और पैसा खत्म होने पर मायूस होकर लौट आए। उन्होंने कहा कि किसी शव की पहचान के लिए डीएनए और ब्लड टेस्ट की जरूरत पड़ती है। इसके लिए भी वहां बिहार सरकार ने वहां कोई व्यवस्था नहीं की। राजनीतिक विरोध को परे रखकर जब ममता बनर्जी बालासोर पहुंचीं और बंगाल सरकार की तरफ से राहत कार्यों में 40 बसें लगायी गई, तब नीतीश कुमार बालासोर क्यों नहीं गए? उन्होंने कहा कि जो लोग रेल मंत्री का इस्तीफा मांग रहे थे, उन्होंने पीड़ित परिवारों की क्या मदद की?

संपादकीय

वन कानून की प्रताडऩा

देश के उज्ज्वल आंकड़ों में हिमाचल का बस नाम ही काफी है। तरक्की के जितने भी पैमाने देश बनाता है, उनमें हिमाचल एक बड़ी हस्ती है, लेकिन इसी के विरुद्ध क्षेत्रीय या राष्ट्रीय राजनीति खेलती है। कुछ समय पहले डबल इंजन सरकार के नारे पर हिमाचल को प्यादा बनाने वाला केंद्र पुनः खेलने लगा है। आर्थिक विषमताओं को हवा देने के मकसद से केंद्र के तेवर भले ही चढ़े हुए हैं, लेकिन हिमाचली रिवायतों में देश के प्रति वफादारी कम नहीं होती। एक तरफ हिमाचल अपने ही लोगों की 947 हेक्टेयर जमीन छीनकर उत्तर भारत के तमाम राज्यों को रेणुका जी बांध से पानी पिलाएगा और दूसरी ओर पर्यावरण की सूलियों में टंगे हिमाचल को राहत देने से मुकर रहा है। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने केंद्र से अरदास की है कि केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रीय कार्यालय का दफ्तर राजधानी शिमला में खोलकर, पर्वतीय राज्य को कम से कम इतना हक दे कि यह अपनी वन भूमि संबंधी अनापत्तियां हासिल करने के लिए सुविधा प्राप्त कर सके। ऐसा महसूस किया जा रहा है कि केंद्र सरकार हिमाचल से संबंधित इस बड़े कार्यालय को चंडीगढ़ में शहद के कटोरे की तरह लटकाना चाहती है ताकि प्रदेश के मामले यूं ही लटके रहें। यह उस प्रदेश की तकदीर लिखने, वित्तीय अधिकार पाने तथा आत्मनिर्भर होने के रास्ते पर कांटा बनकर चुभता रहेगा, अगर कार्यालय शिमला के बजाय चंडीगढ़ की वकालत में घर कर गया। यह इसलिए भी अन्यायपूर्ण होगा क्योंकि हिमाचल का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा वनों के अधीन है, जबकि चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा की कुल वन भूमि को भी जोड़ लिया जाए तो यह मुश्किल से चार प्रतिशत भी नहीं बनती। इसके मुकाबले अकेले हिमाचल की लगभग सत्तर प्रतिशत जमीन जंगल के अंतर्गत आती है, लेकिन यहां विकास का हर कदम वन से पूछ कर उठाना पड़ता है। जन्म लेने के लिए अस्पताल या मरने के लिए श्मशानघाट के ताले तक वन विभाग के पास गिरवी हैं। वन विभाग के दखल से विकास की सारी परिपाटी नहीं, बल्कि सामाजिक व वन्य जीव संरक्षण की प्राकृतिक प्रणालियां भी ध्वस्त हुई हैं। मानव बस्तियां और खेत-बागीचे उन वन्य प्राणियों से त्रस्त हैं, जिन्हें कायदे से जंगलों में होना चाहिए। हद तो यह कि सडक़ पर खड़े पेड़ को काटने की मनाही है, लेकिन इससे टकराने पर जो वाहन सवार मरता है, उसके प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं। आंधी-तूफान में ढहते पेड़ों के नीचे कितने वाहन व लोग दबते हैं, उन चीखों का कोई हिसाब नहीं। चीड़ के जंगलों ने पहाड़ को कितना शुष्क-अनुपयोगी किया, इसका कोई हिसाब नहीं। ऊपर से जंगल की आग हमारी नियति हो गई, क्योंकि देश पर्यावरण संरक्षण के नाम पर हिमाचल को सजायाफ्ता बनाए रखना चाहता है। हैरानी यह कि हिमाचल की बेहतरीन शहरी जमीन पर वन विभाग को आशियाना तो चाहिए, लेकिन विकास की आस तक को जंगल से जमीन नहीं। हमने गोविंद सागर, कोल डैम या भाखड़ा बांध बनाते हुए कभी सोचा कि जो जमीन चली गई, उसके बदले हमने अपने कितने अधिकार खोए। अभी रेणुकाजी बांध के तहत 947 हेक्टेयर निजी जमीन ही नहीं खो देंगे, बल्कि 1408 परिवारों को विस्थापित भी कर देंगे। क्या राष्ट्रीय विकास में 947 हेक्टेयर जमीन खोने के बदले भी हमें इतनी भूमि जंगल से नहीं मिल सकती। क्या विस्थापितों के पुनर्वास के लिए वन भूमि देना पाप है। हद तो यह कि धर्मशाला में स्मार्ट सिटी के विद्युत आपूर्ति पोल खड़े करने पर भी विभाग ने बाड़ लगा रखी है, लेकिन इसी शहर के मध्य में अपने हर कत्तव्य के लिए बेशुमार जमीन कब्जे में कर रखी है। कहना न होगा और हम लगातार कह रहे हैं कि हिमाचल को केंद्र से अपने अधिकार व आत्मनिर्भर होने का स्वावलंबन चाहिए तो जल संसाधनों के अलावा वनों से अपनी आर्थिकी के लिए अधिकांश जमीन वापस लेनी ही होगी। प्रदेश के हित में यही होगा कि वनापत्तियों की झाड़-फूंक करने के बजाय यह मांग की जाए कि किसी भी राज्य में पचास फीसदी भूमि से अधिक वन भूमि न की जाए। दूसरे वन भूमि की प्रतिशत दर के हिसाब से राज्यों के वित्तीय अधिकार सुनिश्चित किए जाएं। मसलन पंजाब-हरियाणा की अगर अधिकतम चार प्रतिशत ही वन भूमि है, तो अपनी 70 प्रतिशत जमीन जंगल के नाम कर देने वाले हिमाचल को इस योगदान के बदले इसी हिसाब से इंसाफ चाहिए, प्रताडऩा नहीं।

> आर्थिक विषमताओं को हवा देने के मकसद से केंद्र के तेवर भले ही चढ़े हुए हैं, लेकिन हिमाचली रिवायतों में देश के प्रति वफादारी कम नहीं होती। एक तरफ हिमाचल अपने ही लोगों की 947 हेक्टेयर जमीन छीनकर उत्तर भारत के तमाम राज्यों को रेणुका जी बांध से पानी पिलाएगा और दूसरी ओर पर्यावरण की सूलियों में टंगे हिमाचल को राहत देने से मुकर रहा है। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने केंद्र से अरदास की है कि केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रीय कार्यालय का दफ्तर राजधानी शिमला में खोलकर, पर्वतीय राज्य को कम से कम इतना हक दे कि यह अपनी वन भूमि संबंधी अनापत्तियां हासिल करने के लिए सुविधा प्राप्त कर सके। ऐसा महसूस किया जा रहा है कि केंद्र सरकार हिमाचल से संबंधित इस बड़े कार्यालय को चंडीगढ़ में शहद के कटोरे की तरह लटकाना चाहती है ताकि प्रदेश के मामले यूं ही लटके रहें।

कुछ अलग

क्यों 'जिंदा' है औरंगजेब?

यह हैरानी और विडंबना है कि स्वतंत्र और संप्रभु भारत में भी औरंगजेब के 'फैन क्लब' हैं! सोशल मीडिया पर उसके नाम के समूह सक्रिय हैं और वे लगातार पोस्ट लिख रहे हैं, लेकिन यह पराकाष्ठा है और अस्वीकार्य भी है कि 'औरंगजेब आप सबका बाप' जुमले के बैनर और पोस्टर लिखे और लहराए जा रहे हैं। दुर्भाग्य है कि देश में एक तबका आज भी औरंगजेब को अपना 'नायक' मानता है। अदालतों के भीतर की बहस के दौरान ऐसी दलीलें दी जा रही हैं-औरंगजेब क्रूर और निर्दयी नहीं था। वह आक्रांता भी नहीं था। उसके कालखंड के दौरान मंदिरों और अन्य हिंदू धर्मस्थलों को ध्वस्त नहीं किया गया। ऐसी दलीलों पर हैरानी होती है और हंसी भी आती है कि भारत का एक हिस्सा आज भी मजहबी, मानसिक तौर पर गुलाम है। हम सांप्रदायिक सौहार्द के पक्षधर हैं और हमारा संविधान भी यही सिखाता है, लिहाजा संप्रदाय के नाम पर भडक़ाए गए दंगों और हिंसक उपद्रवों पर टिप्पणी करने से हम परहेज करते हैं, लेकिन महाराष्ट्र के कोल्हापुर, अहिल्या नगर आदि इलाकों में, औरंगजेब के महिमा-मंडन और आपत्तिजनक हिंदू-विरोधी जुमलों के मद्देनजर, जो सांप्रदायिक तनाव भडक़ा, उसकी भत्र्सना की जानी चाहिए। यह सांप्रदायिक विभाजन का सिलसिला कब थमेगा? औरंगजेब का कालखंड बीते 300 साल से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है, लेकिन औरंगजेब की औलादें आज भी उसे जिंदा रखे हैं। विवादास्पद दुष्प्रचार किया गया, तो कुछ हिंदू संगठनों ने 'बंद' का आह्वान किया। नतीजतन सांप्रदायिकता भिड़ पड़ी और पुलिस को लाठीचार्ज कर माहौल को सामान्य करना पड़ा। 21वीं सदी के भारत में औरंगजेब क्यों और किस तरह प्रासंगिक है? मुगल बादशाहत को खत्म हुए सदियां बीत चुकी हैं। ब्रिटिश साम्राज्य की चूलें भी हमने हिला दी और आज हम एक आजाद मुल्क हैं। इतिहास में मुर्दों को जिंदा रहने दें और अतीत को दर्ज करते रहें, लेकिन औरंगजेब को 'देश का बाप' मानने और प्रचारित करने का औचित्य क्या है? क्या मुगल भारतीय मुसलमानों के वंशज थे? मुगल बादशाहों ने अपनी ही जमात पर भी खूब जुल्म ढाए थे, क्या मुसलमानों को ये तथ्य ज्ञात नहीं हैं? वाराणसी की कथित ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा का श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह मस्जिद विवाद अदालतों के विचाराधीन हैं। दोनों ही ऐतिहासिक साक्ष्य हैं कि औरंगजेब ने मंदिरों का विध्वंस किया और मस्जिदें बनवाई थीं। बदकिस्मती है कि हमें आज भी अपने आस्था-स्थलों के संरक्षण के लिए कानूनी लड़ाई लडऩी पड़ रही है। इतिहास में ब्यौरे दर्ज हैं कि औरंगजेब ने राजस्थान के चित्तौडग़ढ़ में ही 63 हिंदू मंदिरों को तुड़वा कर 'मलबा' बनवा दिया था। 1669 में औरंगजेब के आदेश पर ही काशी का मंदिर तोड़ा गया और ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई गई। मालवा की तत्कालीन महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने 1780 में मंदिर का पुनर्निर्माण कराया था, जिसे आज हम 'काशी विश्वनाथ मंदिर' के तौर पर जानते हैं। औरंगजेब कितना मानवीय अथवा क्रूर था, उसका एक ही उदाहरण पर्याप्त है। उसने सिखों के नवें गुरु तेगबहादुर जी का सिर धड़ से अलग करवा दिया था। उसी स्थान पर शीशगंज गुरुद्वारा बना है, लेकिन हमारी गुलाम मानसिकता देखिए कि पास में ही 'औरंगजेब रोड' भी बनी है। औरंगजेब ने हमारे प्राचीन देश पर करीब 50 साल हुकूमत की। उस दौरान कितने मंदिर तोड़े होंगे, कितनी हत्याएं की होंगी, इसका ठोस, प्रामाणिक इतिहास उपलब्ध नहीं है, लेकिन औरंगजेब, बाबर, अकबर, जहांगीर, शाहजहां सरीखे बादशाहों को आज भी स्मरण करने का औचित्य क्या है? क्या उन्होंने हिंदुस्तान के गौरव और गर्व के लिए ऐसा कोई योगदान दिया था।

किसान न कभी चैन से सो पाते हैं और ना ही चैन से पौष्टिक आहार ही प्राप्त कर पाते

किसानों तक नहीं पहुंच रहा कृषि योजना का पूरा लाभ

फूलदेव पटेल

> भारत में किसानों को वृहद किसान, मध्यम वर्गीय किसान, एवं लघु यानी छोटे किसान के रूप में लक्ष्य करके योजनाएं और नीतियां बनाई जाती हैं। लेकिन अफ़सोस की बात यह है कि जो किसान हमारा अन्नदाता हैं वह खुद बदहाल और फटेहाल की ज़िंदगी गुज़ारने पर मजबूर होता है। वह अथक परिश्रम करके देश की 140 करोड़ जनता को अनाज, फल–फूल, दलहन, तेलहन आदि की पूर्ति करने में अपना पसीना बहाता है। किसान जो अनाज का उत्पादन करते हैं खुद उन्हें दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए कठिन श्रम करना पड़ता है।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मेरुदंड है। कृषि से जुड़ी सरकार की रिपोर्ट के अनुसार साल 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में कृषि व वानिकी का सकल घरेलू उत्पाद में 20.12 प्रतिशत हिस्सा रहा है। देश-दुनिया में अनेक प्रकार के रोजगार के साधन हैं, लेकिन उन सभी संसाधनों को ठोस बुनियाद पर खड़ा करने वाला शक्ति का केंद्र किसान है। भारत में किसानों को वृहद किसान, मध्यम वर्गीय किसान, एवं लघु यानी छोटे किसान के रूप में लक्ष्य करके योजनाएं और नीतियां बनाई जाती हैं। लेकिन अफ़सोस की बात यह है कि जो किसान हमारा अन्नदाता हैं वह खुद बदहाल और फटेहाल की ज़िंदगी गुज़ारने पर मजबूर होता है। वह अथक परिश्रम करके देश की 140 करोड़ जनता को अनाज, फल-फूल, दलहन, तेलहन आदि की पूर्ति करने में अपना पसीना बहाता है। किसान जो अनाज का उत्पादन करते हैं खुद उन्हें दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए कठिन श्रम करना पड़ता है। खेतों में ससमय जुताई, बुआई, सिंचाई, निकौनी के साथ कीटनाशक, फसल की अच्छी तरह से देखभाल आदि करने में नकद पैसे लगाने पड़ते हैं फसल अच्छी हुई तो घर अनाज से भर जाता है, वरना कर्ज और भुखमरी की स्थिति पैदा हो जाती है। किसान न कभी चैन से सो पाते हैं और ना ही चैन से पौष्टिक आहार ही प्राप्त कर पाते हैं। कड़ी मेहनत के उपरांत उनकी फसल तैयार होती है, तो उन्हें आशा रहती है कि उन्हें इसका उचित दाम मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। सरकारी व्यवस्था के तहत पैक्स के माध्यम से अनाज नकद क्रय करने के लिए काउंटर तो खोले जाते हैं, पर किसानों को समर्थन मूल्य भी नहीं मिल पाता है। जिसके कारण वह महाजन (साहूकार) या बैंक का कर्ज चुकाने में भी असमर्थ हो जाते हैं और खेती को घाटे का सौदा समझने लगते हैं। इस संबंध में बिहार के मुजफ्फरपुर जिला स्थित पारु एवं साहेबगंज प्रखण्ड के दर्जनों किसान अपना दर्द बयां करते हैं। पारू प्रखंड स्थित डुमरी परमानंदपुर गांव के किसान सुरेंद्र कुमार कहते हैं कि "किसान होना अभिशाप बन गया है। अभी खरीफ फसल लगाने का समय है। फसल लगाने से पहले जुताई, बीज-खाद, निकौनी आदि करने के लिए नकद पैसे लगाने पड़ते हैं। फसल तैयार करने के बाद सिंचाई, खाद, कीटनाशक आदि में भी बहुत पैसे लगते हैं। ओलावृष्टि, तूफान व प्राकृतिक प्रकोप से बचते हुए फसल तैयार होती है। सरकारी खाद-बीज की दुकान रहते हुए भी किसानों को अधिक दामों पर बीज और रासायनिक खाद के लिए दर-दर भटकने की नौबत आ जाती है। उन्हें बाजार से महंगे दामों पर खरीदने पड़ते हैं। यदि बीज का अंकुरण

नहीं हुआ तो साल भर की मेहनत और पैसे बर्बाद हो जाते हैं। उपज होने के बाद बाजार व पैक्स में बिचौलिये की वजह से किसानों को उपयुक्त कीमत नहीं मिल पाती है" साहेबगंज प्रखंड के हुस्सेपुर परनी छपड़ा गांव के किसान सहिन्द्र राउत सरकारी कामकाज पर नाराज़गी जताते हुए कहते हैं कि "सरकार किसानों की तकलीफ पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रही है। पोस्टर बैनर, गोष्ठी, प्रशिक्षण आदि के नाम पर हजारों-लाखों पैसे खर्च किए जा रहे हैं। लेकिन अधिकारी, पदाधिकारी एवं कर्मचारियों की मिलीभगत से किसानों की हकमारी हो रही है। बीज और रासायनिक खादों की कालाबाजारी रोकने में सरकार नाकाम है। खेती के समय सरकारी लाभ मिल जाए तो किसानों की समस्या दूर हो जाएगी। किसान खेती अपने बलबूते पर तो कर लेता है, परंतु अनाज का उचित मूल्य नहीं मिलता है। ऐसे में एक किसान करे तो क्या करे? गेहूं के बीज 35-40 रुपये प्रति किलो के भाव से खरीद कर खेतों में बुआई करता है। आज उसी गेहूं की फसल तैयार होने के बाद 2000-2100 किलो के हिसाब से बाजार मूल्य तय कर दिया जाता है, जो उसकी लागत से कम है। खेती करे किसान और दाम लगाए बाजार। यह कहां का न्याय है? खेती के समय 50 किलो डीएपी का दाम 1800-2000, वही यूरिया का मूल्य 400-500, पोटैशियम का 1800-2100 40 किलो का पैकेट का मूल्य देना पड़ता है। सिंचाई में 200 रुपये प्रति घंटे की दर, मजदूरी 400 प्रतिदिन, गेहूं की दौनी के लिए प्रति घंटे 1000 लगते हैं। क्या इससे किसानों की आय दोगुनी हो सकती है?" किसान कृष्ण बिहारी साह कहते हैं कि "किसानों को सरकार कामधेनु गाय समझती है। खेतीबाड़ी के समय बीज, खाद, ट्रैक्टर, सिचाई, मजदूरी, डीजल आदि महंगे खरीदने पड़ते हैं। एक एकड़ आलू की खेती करने में बीज का दाम 13500, डीएपी में 60 किलो 3200, पोटैशियम खाद 50 किलो 1900, खेतों में दो बार स्प्रे का खर्च, दवाई और मजदूर सहित 2450 रुपए, दो बार यूरिया यानी नाइट्रोजन 900 रुपए, दो बार सिचाई के लिए 2300 रुपए, आलू बोआई और खुदाई तक 60 मजदूरों के खर्च 400×60=24000 हजार रुपए की लागत आती है, तब कहीं एक एकड़ में आलू की खेती होती है। फिर बाजार में उसका मूल्य तय होता है। कभी-कभार लागत से कम मूल्य पर फसल बेचने की मजबूरी हो जाती है।"ऐसा लगता है कि किसान और कृषि विभाग में तालमेल का अभाव है। किसानों का आरोप है कि पदाधिकारी जान पहचान वाले लोगों को किसान बता कर किसान श्री सम्मान और अन्य कृषि लाभ देते रहते हैं। कागजी खानापूर्ति करके किसी तरह योजनाओं का बंदरबांट हो जाता है। दूसरी ओर वास्तविक किसानों को मौसम की मार ओलावृष्टि, कभी बाढ, कभी सुखाड़ की मार झेलनी पड़ती है। फसल भंडारण की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। कठिन परिश्रम के बाद भी आलू की उचित कीमत नहीं मिलती है। इस बाबत साहेबगंज प्रखण्ड के हुस्सेपुर के पैक्स अध्यक्ष विट्टु कुमार यादव कहते हैं कि "सरकारी दर से किसानों को गेहूं का समर्थन मूल्य 2150 रुपये है जबकि बाजार यानी बनिया द्वारा एक क्विंटल गेहूं का मूल्य 2200 रुपये दिए जाते है। किसानों का मानना है कि बड़ा, मध्यम या लघु (छोटा) किसान हो सरकारी योजना के भरोसे रहेंगे तो खेतीबारी से हाथ धोना पड़ेगा। कृषि योजना धरातल पर आते-आते दम तोड़ देती है। विभिन्न कंपनियों के द्वारा बीज-खाद्य पर मनमाना मूल्य वसूला जा रहा है। यदि कृषि योजना पूरी ईमानदारी से किसानों तक पहुंचाया जाए तो निःसंदेह किसान खेतों में सोना उगाएंगे। किसान खुशहाल होंगे तो देश खुशहाल होगा।" बहरहाल, किसान खेतों में खरीफ फसलों की बुआई में मशगूल हैं। वहीं दूसरी ओर सरकारी मिशनरी की उदासीनता की वजह से एकबार किसानों को अपनी जेब से या कर्ज लेकर बीज-खाद, जुताई और खेतों की तैयारी करनी पड़ेगी। आज भी गांव में अधिकांश छोटे किसानों के पास केसीसी नहीं है। बैंकों का रवैया किसी से छुपा नहीं है। बहुत कम बैंक है जो बिना रिश्वत के किसानों को केसीसी लोन उपलब्ध कराते हैं। अंततः किसानों को साहूकारों के पास ही पैसे के लिए जाना पड़ता है। जो 3 से 5 प्रतिशत मासिक ब्याज की दर पर उन्हें लोन देते हैं। समय पर सरकारी दुकान से खाद-बीज नहीं मिलने के पश्चात किसानों को महंगे मूल्य पर अन्य दुकानों से खाद-बीज लेने की मजबूरी बन जाती है। गांवों में किसानों के बीच गोष्ठी कम कागज पर अधिक आयोजित हो जाती है। किसानों की बेहतरी के लिए सरकार की ठोस योजना कागज पर अधिक धरातल पर कम दिखती है।

सप्त सिंधु क्षेत्र के एकीकरण का अभियान

> अठारहवीं शताब्दी में जब अंग्रेजों का आगमन हुआ और वे देश भर में अपने पैर पसारते पसारते सप्त सिन्धु क्षेत्र की ओर बढ़ रहे थे, उन्हीं दिनों इस क्षेत्र में महाराजा रणजीत सिंह (1780-1839) का राजनैतिक क्षेत्र में उदय होता है। रणजीत सिंह यदुवंशी भट्टी समुदाय से ताल्लुक रखते थे। सप्त सिन्धु क्षेत्र, जैसा कि ऊपर संकेत दिया गया है, राजनैतिक रूप से अनेक छोटे छोटे क्षेत्रों में विभाजित था। सतलुज तक तो अंग्रेजों ने कब्जा कर ही लिया था। रणजीत सिंह समझ गए थे कि यदि अंग्रेजों से मुकाबला करना है तो सप्त सिन्धु क्षेत्र के एकीकरण की ओर कदम बढ़ाना होगा। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने प्रयास शुरू किए। उन दिनों पंजाब में भंगी, कन्हैया, रामगढ़िया, सिंहपुरिया, सुकरचकिया, आहलूवालिया, नकई, डल्लेवाला, निशानवालिया, करोड़सिंघिया, निहंग, फुलकियां व फैजलपुरिया मिसलें थीं।

विशाल सप्त सिन्धु क्षेत्र अपने आप में पूरे पश्चिमोत्तर भारत को समेटे हुए है। बस इतना ध्यान रहना चाहिए कि पश्चिमोत्तर भारत से अभिप्राय 15 अगस्त 1947 के पहले के भारत से है। इस विशाल क्षेत्र में सैकड़ों नदियां हैं लेकिन वे सारी पांच प्रसिद्ध सतलुज, व्यास, जेहलम, रावी व चिनाब में मिल जाती हैं या फिर सिन्धु नदी में मिलती हैं। ये पांचों नदियां सिन्धु में मिलती हैं और सिन्धु अन्त में समुद्र में मिल जाती है। सप्त सिन्धु क्षेत्र मुख्य रूप से वाटर सिस्टम है। लेकिन अनेकों आक्रमणकारियों के हमलों के कारण यह भौगोलिक रूप से तो विद्यमान रहा, परन्तु राजनैतिक रूप से खंड खंड हो गया। अठाहरवीं शताब्दी में जब अंग्रेजों का आगमन हुआ और वे देश भर में अपने पैर पसारते पसारते सप्त सिन्धु क्षेत्र की ओर बढ़ रहे थे, उन्हीं दिनों इस क्षेत्र में महाराजा रणजीत सिंह (1780-1839) का राजनैतिक क्षेत्र में उदय होता है। रणजीत सिंह यदुवंशी भट्टी समुदाय से ताल्लुक रखते थे। सप्त सिन्धु क्षेत्र, जैसा कि ऊपर संकेत दिया गया है, राजनैतिक रूप से अनेक छोटे छोटे क्षेत्रों में विभाजित था। सतलुज तक तो अंग्रेजों ने कब्जा कर ही लिया था। रणजीत सिंह समझ गए थे कि यदि अंग्रेजों से मुकाबला करना है तो सप्त सिन्धु क्षेत्र के एकीकरण की ओर कदम बढ़ाना होगा। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने प्रयास शुरू किए। उन दिनों पंजाब में भंगी, कन्हैया, रामगढिया, सिंहपुरिया, सुकरचकिया, आहलूवालिया, नकई, डल्लेवाला, निशानवालिया, करोड़सिंघिया, निहंग, फुलकियां व फैजलपुरिया मिसलें थीं। रणजीत सिंह स्वयं सुकरचकिया मिसल से ताल्लुक रखते थे। उन दिनों लाहौर पर भंगी और कन्हैया मिसल का कब्जा था। रणजीत सिंह ने सप्त सिंधु के एकीकरण की शुरुआत सबसे पहले इन बारह मिसलों के एकीकरण से ही की थी। 1799 में लाहौर के किले पर रणजीत सिंह का कब्जा हो गया। उसने कुछ समय में ही साम-दाम-दंड-भेद की कूटनीति का प्रयोग करते हुए अन्य सभी मिसलों का एकीकरण करने में सफलता प्राप्त की। फुलकियां मिसल और आहलुवालिया मिसल कुछ रियासतों में स्थापित हो गईं। शेष सभी रियासतों को रणजीत सिंह ने अपने राज्य में एकीकृत कर दिया। इसके बाद उसका ध्यान जम्मू के पहाड़ी क्षेत्रों की ओर गया। 1808 में रणजीत सिंह ने जम्मू को अपने राज्य में एकीकृत किया। उसके अगले ही साल 1809 में गुलाब सिंह (1792-1858) लाहौर में महाराजा रणजीत सिंह की सेना में शामिल हो गए। उस समय उनकी आयु महज 16-17 साल थी। गुलाब सिंह ने जल्दी ही अपनी योग्यता से उनकी सेना में ऊंचा मुकाम हासिल कर लिया था। वह जानता था कि जम्मू की छोटी छोटी जागीरों और रियासतों को एकीकृत किए बिना सशक्त राज्य की कल्पना नहीं की जा सकती। रणजीत सिंह ने जम्मू के पड़ोस में रियासी को मियां दीवान सिंह नाम के किसी व्यक्ति को जागीर के तौर पर दे दी। इससे पहले कि दीवान सिंह रियासी पहुंच पाता, गुलाब सिंह ने उस पर कब्जा कर लिया और जोरावर सिंह को उसका वजीर नियुक्त कर दिया। दीवान सिंह ने अपने बड़ी संख्या के सैनिकों से किले को घेर लिया। जोरावर सिंह डटा रहा, लेकिन मुकाबला असन्तुलित होता जा रहा था। गुलाब की ओर से जम्मू का प्रशासन दीवान अमीर चन्द देखता था। अमीर चन्द ने बहुत हिम्मत से भारी संख्या में सैनिक एकत्रित किए और रियासी में कुमकुम लेकर जा पहुंचा। दीवान चन्द का क़िले पर कब्जा करने का प्रयास विफल रहा। जब गुलाब सिंह जम्मू के क्षेत्र को एकीकृत कर रहा था तो रणजीत सिंह ने कश्मीर को विदेशी कब्जे से मुक्त करवाने का निर्णय किया। दरअसल सप्त सिन्धु क्षेत्र के एकीकरण के अभियान में कश्मीर का महत्वपूर्ण स्थान था। एक दो असफल अभियानों के बाद अन्ततः रणजीत सिंह ने 1819 में कश्मीर को भी विदेशी हुकूमत के पंजे से मुक्त करवा लिया। कश्मीर की मुक्ति अपने आप में सप्त सिन्धु क्षेत्र के इतिहास में बहुत बड़ी घटना थी। दरअसल रणजीत सिंह के अधिकांश विजय अभियानों में गुलाब सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रहती थी। 1819 में मुलतान विजय के अभियान में गुलाब सिंह के शौर्य और साहस ने रणजीत सिंह को आश्चर्यचकित कर दिया। मुलतान के क़िले को लेकर भयंकर युद्ध हो रहा था। रणजीत सिंह की सेना का एक सरदार क़िले की दीवार के पास गिरा। क़िले से भयंकर गोलाबारी हो रही थी। रणजीत सिंह उस सरदार की लाश को वहां से लाना चाहते थे। उन्होंने सैनिकों को वहां से लाश उठा कर लाने का आदेश दिया। किसी की हिम्मत गोलों की बौछार में वहां तक जाने की नहीं हुई। लेकिन गुलाब सिंह जान की परवाह न करते हुए वहां से लाश उठा लाए। इन्हीं दिनों महाराजा रणजीत सिंह ने डेरा गाजी खान को मुक्त करवा कर उसे एकीकृत शासन का अंग बना लेने का अभियान चला रखा था। गुलाब सिंह इस अभियान में सक्रिय थे। ऐसा लगने लगा था कि पंजाब के जिस हिस्से पर अंग्रेज़ों ने पहले ही कब्जा कर लिया था, उसको छोड़ कर जल्दी ही पूरे सप्त सिन्धु क्षेत्र का एकीकरण हो जाएगा और सशक्त सप्त सिन्धु अंग्रेज़ी राज को पश्चिमोत्तर भारत में बढऩे से रोक सकता है। कश्मीर का एकीकरण हो गया। मुलतान और पेशावर भी एकीकृत राज्य का हिस्सा बन गए थे। लेकिन जम्मू में मियां डीडो (1780-1821) अस्थिरता पैदा कर रहा था। महाराजा रणजीत सिंह ने गुलाब सिंह को डीडो को नियंत्रण में करने के अभियान में लगाया। गुलाब सिंह की सबसे बड़ी समस्या यह थी कि मियां डीडो उसी का बान्धव था। गुलाब सिंह ने इस एकीकरण अभियान का महत्व उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन डीडो नहीं माना। तब 1821 में गुलाब सिंह की सेना की एक टुकड़ी के साथ मुठभेड़ में डीडो मारा गया। अब गुलाब सिंह जम्मू क्षेत्र के सभी क्षेत्रों के एकीकरण के अभियान में भी जुटे हुए थे। 1821 में गुलाब सिंह ने सैफुल्लाह खान से किश्तवाड़ छीन कर उसे जम्मू के साथ एकीकृत किया। रणजीत सिंह ने गुलाब सिंह की योग्यता, क्षमता और दूरदृष्टि को पहचान कर उन्हें जम्मू का राजा घोषित किया था। 16 जून 1822 को महाराजा रणजीत सिंह ने अखनूर शहर में चिनाब नदी के किनारे जिया पोटा वृक्ष के नीचे गुलाब सिंह का राजतिलक किया। गुलाब सिंह ने जम्मू के पहाड़ी व मैदानी क्षेत्रों को एक प्रशासन के नीचे लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। रणजीत सिंह की मृत्यु के बाद लाहौर दरबार आपसी कलह से कमजोर हो गया। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने पंजाब पर कब्जा कर लिया।

नागरिक बोध

मूल्यों की राजनीति

मुझे भी मूल्यों पर आधारित राजनीति बहुत पसन्द है। इसमें किसी तरह का झगड़ा नहीं रहता तथा जनता परेशान भी नहीं होती। इधर मूल्य चुकाया और उधर काम हुआ। यह एक अच्छा दौर है। ऐसे में जबकि राजनीति का अवमूल्यन हो चुका था, मूल्य निर्धारित कर देना शुभ संकेत है। मेरी राय में तो सरकारी दफ्तरों में कर्मचारियों एवं अधिकारियों को एक निर्धारित राशि लेकर सरकार को भ्रष्टाचार करने के लाइसेंस दे देने चाहिए। सचमुच यह दौर मूल्यों का है और काश, राजनीति में मूल्य तय हो जाए तो मजा आ जाए। एक लम्बा अरसा हो गया कि राजनीति का कोई मूल्य ही निश्चित नहीं हो पा रहा था। हमारी नयी सरकार इस पर पूरा ध्यान दे रही है, यह स्वागत योग्य है। वैसे राजनीति का भी कुछ तो मूल्य होना ही चाहिए। पिछले दिनों सचिवालय में एक काम अटक गया, जाना पड़ा। मैंने वहां विभाग के अधिकारी महोदय से अपनी समस्या बताई तो वे कसमसाने लगे। 'कल आना', 'देखेंगे' जैसे रटे-रटाये जुमले लगे आजमाने। मैं बोला- 'सर यह मूल्यों की राजनीति का दौर है, आदर्श एवं नैतिकता पुनः बहाल हो रही है। अतः आप अपना यह पुराना राग अलापना छोड़ दें।' 'अजी घोड़ा घास से यारी करेगा तो खायेगा क्या? आप मुझे ऐसी सीख दे रहे हैं जो मेरी जीविका पर बुरा असर डालती है। मैं भी मूल्यों की ही बात कर रहा हूं। नाराज होने की बात नहीं है। इस काम को करने का मूल्य दो हजार होगा।' अधिकारी ने मूल्य का खुलासा किया। मैंने कहा-'मैं जानता हूं। पहले इसके इतने ही पैसे लगा करते थे। लेकिन अब तो सरकार ने मूल्यों की स्थापना करने के लिए सारे कार्य कत्तव्य एवं दायित्वों में शामिल कर दिये हैं। अतः अब तो यह कार्य बिना भ्रष्टाचार एवं रिश्वत के सम्पादित होना है। इसलिए आप मुझे ऊपर शिकायत करने के लिए विवश मत करिये।' ऊपर शिकायत के नाम पर उसने बत्तीसी निकाली और कहा-'इस नेक कार्य में विलम्ब मत करिये। ऊपर जाकर बात करिये, जो काम मैं दो हजार में कर रहा हूं, वहां का रेट पांच हजार है। जाकर पता कर लीजिये।' मैं भुनभुनाता हुआ लिफ्ट से ऊपर गया तो वे भी मक्खी मार रहे थे। मैंने कहा-'सर, ये आपके फलां अधिकारी महोदय मुझसे काम करने की रिश्वत मांग रहे हैं। इधर मूल्यों की राजनीति का चलन निकला है, उसके बाद भी वे मान नहीं रहे।' बड़ा अधिकारी घुटा हुआ था, सो बोला-'घबराओं नहीं, हम तुम्हारा काम करवा देंगे। लेकिन भाई शिष्टाचार के नाते तुम्हें कुछ तो करना पड़ेगा ही। राजनीति ने भले अपने मूल्य गिरा दिये हों, परन्तु हमने तो अपने आपको बाजार में बनाये रखा है।' 'लेकिन यह तो भ्रष्टाचार में आता है।' 'अरे रे रे रे कितना गन्दा शब्द बोल रहे हैं। यह भ्रष्टाचार नहीं भाई, शिष्टाचार समझ कर चाहिए, कोई परेशानी नहीं होगी। एक सभ्य आदमी को इतने पचड़े में न पडक़र चुपचाप अपना काम करा कर दूसरे कामों पर ध्यान देना चाहिए। वैसे आपकी मर्जी! हमारे यहां फिर जैसे काम होगा, वैसे हो जायेगा।

देश दुनीया से

खेल आरक्षण वालों को खेल अनिवार्य हो

किसी भी विभाग में दक्षता तभी आती है जब उस विभाग के कर्मचारी व अधिकारी भी उसी विषय में परांगत हो। खेल जैसे प्रायोगिक विषय में तो खिलाडिय़ों की भागीदारी हर स्तर पर बहुत ही जरूरी हो जाती है, चाहे वो प्रबंधन में या फिर प्रशासन में हो। हिमाचल प्रदेश में सैंकड़ों खिलाड़ी खेल आरक्षण के अंतर्गत विभिन्न विभागों में नौकरी कर रहे हैं। दर्जन भर खिलाडिय़ों को छोड़ कर न तो कोई खेल कर रहा है और न ही प्रशिक्षण व अन्य खेल प्रबंधन से जुड़ा है जो राज्य में खेलों के लिए शुभ संकेत नहीं है। वैसे तो देश के केंद्रीय व राज्यों के विभिन्न विभागों में खेल आरक्षण से नौकरी प्राप्त खिलाड़ी कर्मचारी को नौकरी के पहले पांच वर्षों तक खेल करना अनिवार्य होता है, मगर हिमाचल में इक्का-दुक्का खिलाड़ी कर्मचारियों ने ही खेल किया है। खेल से नियमित रोजी-रोटी मिलने वालों को चाहिए कि वे नमक का कुछ तो हक अदा करें, अगर खिलाड़ी के रूप में नहीं हो सकता है तो प्रशिक्षण व प्रबंधन तो आसानी से हो ही सकता है। हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य के विभिन्न विभागों में खेल आरक्षण के अंतर्गत तीन प्रतिशत पदों पर भर्ती करती है। शिक्षा विभाग में अब तक सैंकड़ों प्रवक्ता, प्रशिक्षित स्नातक व अन्य पदों पर खेल आरक्षण से शिक्षक नियुक्त हैं। हिमाचल प्रदेश का हर बच्चा विद्यालय जा रहा है। वैसे तो विद्यालय में विद्यार्थियों की फिटनेस व खेलों के लिए शारीरिक शिक्षा का शिक्षक नियुक्त होता है, मगर वह हर खेल के लिए प्रशिक्षण नहीं दे सकता है। भविष्य के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने के लिए किशोरावस्था से ही सही तकनीक के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का महत्व बढ़ जाता है। अरबों की आबादी में किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का प्रारंभिक स्तर से होना बेहद अनिवार्य हो जाता है जो सही उम्र में सही तकनीक सिखा कर भविष्य में खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। हिमाचल प्रदेश में खेल प्रशिक्षण के लिए शुरू से वह वातावरण ही नहीं बन पा रहा है, जिससे बाद में प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठतम परिणाम दिला सकें। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतने लंबे खेल प्रशिक्षण को प्राप्त कर कुछ एक खिलाड़ी ही अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाते हैं। हिमाचल प्रदेश में विद्यालय स्तर पर शारीरिक शिक्षकों की कमी सबके सामने है। विद्यालय जीवन ही वह समय है जब खिलाड़ी तकनीक को सीख रहा होता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण के लिए विद्यालय खुलने से पहले व बंद होने के बाद हिमाचल प्रदेश में शारीरिक शिक्षकों को छोड़ कर अन्य विषयों के शिक्षक जो पूर्व में अच्छे खिलाड़ी रहे हैं, अपने पढ़ाई के कार्य के साथ-साथ विभिन्न खेलों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चला कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश व देश का नाम पूर्व में रोशन करते रहे हैं और वर्तमान में कर भी रहे हैं। हमीरपुर शहर के वरिष्ठ माध्यमिक कन्या राजकीय विद्यालय में चार दशक पूर्व नियुक्त प्रयोगशाला सहायक अमरनाथ शर्मा ने हमीरपुर से महिला हाकी के लिए निचले स्तर पर बहुत अच्छा काम किया था। इस तरह और कई नाम हैं जिन्होंने अपनी ड्यूटी के साथ खेल प्रशिक्षण में भी सराहनीय कार्य किया है। वर्तमान में बिलासपुर जिले के दूरदराज मोरसिंघी गांव के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राजनीति शास्त्र की प्रवक्ता व पूर्व अंतरराष्ट्रीय हैंडबाल खिलाड़ी स्नेह लता के प्रशिक्षण कार्यक्रम से राष्ट्रीय स्तर पर हर आयु वर्ग की महिला प्रतियोगिताओं में हिमाचल विजेता है। पिछले एशियाड में भारतीय महिला हैंडबाल टीम में चार खिलाड़ी हिमाचल प्रदेश से थी। इस साल की राष्ट्रीय महिला हैंडबाल प्रतियोगिता की विजेता हिमाचल प्रदेश की टीम में अधिकांश खिलाड़ी मोरसिंघी नर्सरी से हैं। स्नेह लता की पहली नियुक्ति शिक्षा विभाग में सोलन जिले के नवगांव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हुई थी।

> हिमाचल प्रदेश में सैंकड़ों खिलाड़ी खेल आरक्षण के अंतर्गत विभिन्न विभागों में नौकरी कर रहे हैं। दर्जन भर खिलाडिय़ों को छोड़ कर न तो कोई खेल कर रहा है और न ही प्रशिक्षण व अन्य खेल प्रबंधन से जुड़ा है जो राज्य में खेलों के लिए शुभ संकेत नहीं है। वैसे तो देश के केंद्रीय व राज्यों के विभिन्न विभागों में खेल आरक्षण से नौकरी प्राप्त खिलाड़ी कर्मचारी को नौकरी के पहले पांच वर्षों तक खेल करना अनिवार्य होता है, मगर हिमाचल में इक्का-दुक्का खिलाड़ी कर्मचारियों ने ही खेल किया है। खेल से नियमित रोजी-रोटी मिलने वालों को चाहिए कि वे नमक का कुछ तो हक अदा करें, अगर खिलाड़ी के रूप में नहीं हो सकता है।

पाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान ने तापी परियोजना का काम तेज करने के लिए किया समझौता

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान ने तापी गैस पाइपलाइन परियोजना पर काम में तेजी लाने के लिए एक संयुक्त कार्यान्वयन योजना (जेआईपी) पर हस्ताक्षर किए हैं। बताया कि पाकिस्तान ने तुर्कमेनिस्तान को काबुल में तालिबान शासन से स्वामित्व सुनिश्चित करने के लिए अफगानिस्तान में हेरात तक गैस लाइन के कुछ हिस्से को बिछाने का सुझाव दिया है, जो परियोजना में तेजी लाने में भी मदद करेगा। पाकिस्तान की सरकार ने तुर्कमेनिस्तान को चमन सीमा से ग्वादर तक गैस कनेक्टिविटी की संभावना का पता लगाने और ग्वादर में एलएनजी टर्मिनल बनाने के लिए आमंत्रित किया, जो यूरोप और वैश्विक एलएनजी बाजारों में आपूर्ति का विस्तार करेगा। तापी (तुर्कमेनिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान-इंडिया) गैस पाइपलाइन परियोजना का लक्ष्य तुर्कमेनिस्तान में गल्किनिश गैस क्षेत्र से प्राकृतिक गैस को 56 इंच व्यास वाली पाइपलाइन के माध्यम से अफगानिस्तान के रास्ते पाकिस्तान लाना है। रिपोर्ट के मुताबिक, तुर्कमेनिस्तान के पूर्वी क्षेत्र में गल्किनिश गैस फील्ड स्थित है। प्रस्तावित मार्ग आपूर्ति स्रोत हेरात, कंधार, चमन, झोब, डीजी खान, मुल्तान और फाजिलिका हैं जिनकी पाइपलाइन लंबाई 1,849 किलोमीटर है। यह 30 साल में प्रति वर्ष 33 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) (औसत 3.2 बीसीएफडी) प्राकृतिक गैस का परिवहन करेगा, जहां पाकिस्तान का उठाव 1.35 बीसीएफडी होगा। रिपोर्ट के अनुसार, जेआईपी के तहत परियोजना की गतिविधियों में तेजी लाने और निगरानी के लिए एक वरिष्ठ समन्वय समिति (एससीसी) का गठन किया जाएगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विश्वास जताया कि गैस पाइपलाइन परियोजना क्षेत्रीय सहयोग, विकास और समृद्धि के युग की शुरुआत करेगी। तापी जेआईपी के हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए शरीफ ने कहा कि यह परियोजना चार देशों और क्षेत्र के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि परियोजना ठोस आश्वासनों और पारस्परिक रूप से सहमत नियमों और शर्तों के साथ क्षेत्र को प्राकृतिक गैस हासिल करने में मदद करेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने उल्लेख किया कि वैश्विक स्थिति को देखते हुए ऊर्जा एक वास्तविक चुनौती बन गई है।

न्यूज ब्रीफ

मिस्र में शार्क ने रूसी पर्यटक पर किया अटैक: पिता के सामने युवक की मौत, 2 दिन तक बंद रहेगा 74 किमी का इलाका

हर्गहाडा। मिस्र के हर्गहाडा शहर के बीच पर टाइगर शार्क ने एक रूसी पर्यटक पर हमला कर दिया। इसमें

23 साल के युवक की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हमले में 2 और पर्यटक घायल हुए हैं। पूरी घटना के दौरान बीच पर उस युवक के पिता सहित कई लोग मौजूद थे। मिस्र के पर्यावरण मंत्रालय ने कहा- समुद्री तट के 74 किलोमीटर के हिस्से को बंद कर दिया गया है। इसके अलावा रेड सी में अगले 2 दिनों के लिए अल-गौना रिसॉर्ट और सोमा बे के बीच पर तैराकी, स्नॉर्कलिंग और दूसरे वॉटर स्पोर्ट्स पर भी रोक लगा दी गई है। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि हमले के बाद शार्क को पकड़कर लैब भेज दिया गया है। जहां ये जांच की जाएगी कि उसने टूरिस्ट पर हमला क्यों किया। उनके मुताबिक, आमतौर पर रेड सी कोस्टल एरिया में शार्क अटैक नहीं करती हैं। शार्क के हमले में मरने वाले रूसी पर्यटक का नाम व्लादिमीर पोपोव बताया जा रहा है। वहां मौजूद एक शख्स ने बताया- हमने पोपोव की मदद करने की कोशिश की थी। ये सब बहुत जल्दी हुआ। मैंने जैसी ही पानी में हरकत देखी, मुझे शक हुआ कि वो शार्क है। मैं तुरंत दूसरे लोगों को शार्क की चेतावनी देते हुए किनारे आ गया। रेस्क्यूअर्स ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन तब तक शार्क हमला कर चुकी थी। इससे पहले 12 मई को भी अमेरिका में हवाई के ओआहू आईलैंड पर एक टाइगर शार्क ने नाव पर हमला कर दिया था। नाव सवार पैर से शार्क को भगाने की कोशिश भी करता है। हालांकि, शार्क कुछ देर बाद नाव से दूर चली जाती है। नेशनल ज्योग्राफिक के मुताबिक, टाइगर शार्क इंसानों पर हमला करने के मामले में व्हाइट शार्क के बाद दूसरे नंबर पर है। हालांकि, वो व्हाइट शार्क की तरह किसी इंसान पर हमला करने के बाद वहां से भागती नहीं हैं।

एक और मामले में फंसे डोनाल्ड ट्रंप, गोपनीय दस्तावेज अपने पास रखने के मामले में चलेगा मुकदमा!

वॉशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं।

दरअसल गोपनीय दस्तावेजों से जुड़े मामले में ट्रंप के खिलाफ आरोप लगे हैं और उन पर मुकदमा चलाया जा सकता है। ट्रंप पर आरोप है कि राष्टपति रहने के दौरान ट्रंप ने सैंकड़ों गोपनीय दस्तावेजों को अपने पास रखा। साथ ही गलत बयानबाजी भी की। जांच एजेंसियों ने ट्रंप के खिलाफ सात केंद्रीय आपराधिक मामलों में आरोप तय किए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया कि उन्हें मियामी संघीय अदालत में मंगलवार को पेश होने के लिए समन मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नेशनल आर्काइव ने ट्रंप के व्हाइट हाउस में रहने के दौरान उनसे और उनकी टीम से राष्टपति रिकॉर्ड से जुड़े दस्तावेज लौटाने की मांग की थी। हालांकि कई महीने बाद करीब 200 गोपनीय दस्तावेज लौटाए गए। बीते दिनों एफबीआई ने अगस्त 2022 में ट्रंप के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया था, जिसमें एफबीआई को 100 से ज्यादा गोपनीय दस्तावेज बरामद हुए थे। वहीं अपने खिलाफ नए आरोप लगने के बाद ट्रंप ने इसे लेकर नाराजगी जाहिर की है। सोशल मीडिया पर किए पोस्ट में ट्रंप ने लिखा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था अमेरिका के पूर्व राष्टपति के साथ कभी ऐसी चीजें भी होंगी! जिस व्यक्ति को अभी तक के सभी राष्टपतियों के मुकाबले सबसे ज्यादा वोट मिले और अभी भी मौजूदा राष्टपति के मुकाबले ज्यादा लोकप्रिय है, उसके साथ ऐसा हो रहा है। मैं बेगुनाह हूं।

टेक्सास के समुद्रतटीय शहर सर्फसाइड बीच में एलिवेटेड वॉकवे का एक हिस्सा गिरा, करीब दो दर्जन बच्चे घायल

टेक्सास। टेक्सास के एक समुद्रतटीय शहर में लकड़ी के बने एक पैदल मार्ग का हिस्सा गिरने से समर कैंप के लगभग दो दर्जन बच्चे घायल हो गए। घायलों में से पांच को हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया। ब्रेजोरिया काउंटी के अधिकारियों ने कहा कि किसी भी चोट के जानलेवा होने की उम्मीद नहीं है। ह्यूस्टन शहर से लगभग 60 मील (97 किलोमीटर) दक्षिण में मैक्सिको की खाड़ी के एक छोटे से शहर सर्फसाइड बीच में पैदल मार्ग के ढहने के कारणों की जांच की जा रही है। सर्फसाइड बीच वालंटियर फायर विभाग के सहायक प्रमुख जस्टिन मिल्स ने कहा कि उनके विभाग को दोपहर 12:34 बजे एक आपातकालीन कॉल आया और कहा गया कि चिकित्सा हेलीकाप्टरों के लिए लैंडिंग क्षेत्र तैयार करें। ब्रेजोरिया काउंटी के सार्वजनिक सूचना अधिकारी शेरोन ट्रॉवर ने कहा कि सभी पीड़ित 14 से 18 साल के बीच के है और बेउ सिटी फैलोशिप समर कैंप में रह रहे थे। ट्रोवर ने कहा कि छह को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, जबकि करीब 10 बच्चों को निजी वाहनों से अस्पताल ले जाया गया।

अमेरिका की जासूसी के लिए क्यूबा में स्पाई सेंटर खोलेगा चीन, यूएस इंटेलिजेंस का दावा

वाशिंगटन ।
अमेरिका के खुफिया विभाग ने एक बड़ा खुलासा किया है। उसका कहना है कि चीन जल्द ही क्यूबा में एक जासूसी केंद्र खोलने जा रहा है। यह केंद्र अमेरिका के फ्लोरिडा से 100 मील की दूरी पर मौजूद एक द्वीप पर स्थापित किया जाएगा। खुफिया विभाग का कहना है कि इस इलेक्ट्रॉनिक ईव्सड्रॉपिंग फैसिलिटी को स्थापित करने के लिए क्यूबा और चीन के बीच गुप्त समझौता हुआ है। इसके जरिए चीन अमेरिका पर निगाह रखेगा। सूत्रों के अनुसार, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि चीन ने जासूसी केंद्र का निर्माण करना शुरू कर दिया है या नहीं। हालांकि, इन सारे दावों का क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो ने खंडन किया है। उनका कहना है कि इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है।

अमेरिकी तटों को होगा खतरा

वहीं, एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के दो प्रतिद्वंदियों के बीच समझौता बाइडन प्रशासन के लिए चिंता की बात है। ये दोनों देश साम्यवादी सरकारों के द्वारा शासित हैं, जो अमेरिका के तटों के करीब एक नया खतरा पैदा कर रहा है। यह सौदा तब हुआ है, जब अमेरिका और चीन ने तनाव कम करने के लिए कुछ अस्थायी कदम उठाए हैं।

फरवरी में भेजा था जासूसी गुब्बारा

गौरतलब है, ये पहली बार नहीं होगा, जब इस तरह की हरकत की खबर सामने आई है। इसी साल फरवरी में अमेरिका ने एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराया था। चीन ने इसे सामान्य मौसम वाला गुब्बारा बताया था। जबकि अमेरिका का दावा था कि इस गुब्बारे में जासूसी के लायक कई उपकरण तैनात थे।

क्यूबा को अरबों डॉलर का भुगतान

अमेरिकी खुफिया विभाग के अधिकारियों ने बताया था कि चीन और क्यूबा जासूसी केंद्र को लेकर सैद्धांतिक रूप से एक समझौते पर पहुंच गए हैं। इसके लिए चीन, क्यूबा को अरबों डॉलर का भुगतान भी करने को तैयार है।

रिपोर्ट का खंडन

इस पर व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा था कि मैं इस विशिष्ट रिपोर्ट पर बात नहीं कर सकता, लेकिन इसके बारे में अच्छी तरह से जानते हैं। उन्होंने कहा कि हमने दुनियाभर में बुनियादी ढांचे में चीन के प्रयासों के बारे में कई बार बात की है, जिसमें उसके सैन्य उद्देश्य हो सकते हैं। हालांकि, अब उन्होंने ऐसी किसी भी रिपोर्ट का खंडन किया है।

अमेरिका रख रहा बारीकी से निगरानी

जॉन किर्बी ने यह भी कहा कि हम इसकी बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। हमने इसका मुकाबला करने के लिए कदम भी उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को आश्वस्त करते हैं कि हम घर, क्षेत्र और दुनियाभर में अपनी सभी सुरक्षा प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सक्षम हैं।

क्यूबा का यूएस पर आरोप

वहीं, क्यूबा के उप विदेश मंत्री कोसियो ने अमेरिका पर पलटवार किया है। उन्होंने अमेरिका के अधिकारियों पर बदनामी करने का आरोप लगाया है। हवाना में एक कार्यक्रम में कोसियो ने कहा कि इस तरह की बदनामी अमेरिकी अधिकारियों द्वारा अक्सर गढ़ी गई है। वह ऐसा क्यूबा पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों को वैध बनाने के लिए कर रहे हैं।

चीन जाएंगे ब्लिंकन!

अमेरिका चीन के साथ संबंधों को सुधारने की कोशिश में लगा हुआ है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन चीन दौरे की योजना बना रहे हैं। उन्हें यह दौरा फरवरी में करना था, लेकिन तब जासूसी गुब्बारे वाले विवाद के कारण यात्रा रद्द कर दी थी। अब क्यूबा में जासूसी केंद्र खोलने को लेकर भी अमेरिका और चीन के बीच बवाल बढ़ रहा है। बाइडन प्रशासन ने चीन के साथ संबंधों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है।

अमेरिका में फिलहाल काबू में महामारी, डॉ. आशीष छोड़ेंगे कोविड-19 प्रतिक्रिया समन्वयक का पद

वाशिंगटन । भारतीय-अमेरिकी डॉक्टर आशीष झा कोविड रिस्पॉन्स कॉर्डिनेटर यानी कोविड 19 प्रतिक्रिया समन्वयक का पद संभाल रहे हैं। अब खबर आई है कि वह जल्द ही अपने पद को छोड़ देंगे। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि झा जून के अंत तक अमेरिकी प्रशासन को छोड़ेंगे। 52 वर्षीय झा को पिछले साल अप्रैल में व्हाइट हाउस के कोविड-19 प्रतिक्रिया समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया था। अब वह फिर से ब्राउन विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के डीन के रूप में कार्यभार संभालेंगे। डॉक्टर आशीष ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना की स्थिति नियंत्रण में हैं। इसलिए, महामारी के घटते मामले को देखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है। वहीं, अमेरिकी राष्टपति जो बाइडन ने झा की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अमेरिका में अग्रणी सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों में से एक के रूप में झा ने प्रभावी रूप से जटिल वैज्ञानिक चुनौतियों का अनुवाद और संचार किया है। इसकी वजह से लाखों जान बचाई जा सकीं। उन्होंने आगे कहा कि जब मैंने पदभार ग्रहण किया, तो देश महामारी का सामना कर रहा था। इस मौके पर बाइडन ने अपने सभी कर्मचारियों का कोरोना महामारी को हराने में साथ देने के लिए धन्यवाद किया।

आतंक रोधी अदालत ने इमरान समर्थक 13 महिलाओं को जेल भेजा, जिन्ना हाउस पर हमले का मामला

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान की एक आतंकवाद निरोधक अदालत ने जिन्ना हाउस पर हमले से जुड़े एक मामले में फैशन डिजाइनर खदीजा शाह समेत 13 पीटीआई समर्थक महिलाओं के लिए पुलिस हिरासत के अनुरोध को खारिज कर दिया और उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

देश के एक प्रमुख समाचार पत्र ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से जुड़ी महिलाओं को जब उनकी छह दिन की हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत के सामने पेश किया गया तो जांच अधिकारी (आईओ) ने कहा कि जिन्ना हाउस पर नौ मई को हुए हमले के दौरान इस्तेमाल किए गए क्लब और पेट्रोल बम बरामद करने के लिए संदिग्धों के लिए और हिरासत की जरूरत है। न्यायाधीश अबेर गुल खान ने कहा कि जांच अधिकारी ने संदिग्धों की रिमांड के लिए पिछले आवेदन में पेट्रोल बमों की बरामदगी का जिक्र नहीं किया था और आगे की शारीरिक हिरासत के पुलिस के अनुरोध को खारिज कर दिया। इसके बाद खदीजा शाह, सनम जावेद और तैय्यबा राजा के अलावा संसद की पूर्व सदस्य आलिया हमजा, मरियम मजारी, साबुही इनाम, हुमा सईद, आयशा मसूद, महा मसूद और खदीजा नदीम सहित महिलाओं को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। अल-कादिर ट्रस्ट मामले में राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के परिसर से पूर्व प्रधानमंत्री खान को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें कम से कम दस लोग मारे गए थे और एक हजार से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। प्रदर्शनकारियों ने 9 मई को लाहौर कोर कमांडर हाउस, मियांवाली एयरबेस और आईएसआई की इमारत समेत 20 से ज्यादा सैन्य प्रतिष्ठानों और सरकारी इमारतों पर हमला किया था। रावलपिंडी में सेना मुख्यालय (जीएचक्यू) पर भी पहली बार भीड़ ने हमला किया। खान को बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पूरे पाकिस्तान से खान की पार्टी के 10,000 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है, जिनमें से 4,000 पंजाब प्रांत से हैं। उधर, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उनके कोर्ट मार्शल के लिए स्टेज तैयार हो गया है।

पेंटागन अधिकारियों को भरोसा, पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा नए मानदंड करेगी स्थापित

वाशिंगटन ।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर जाने वाले हैं। इसे यात्रा से भारत और अमेरिका के लोगों को काफी उम्मीद है। एक पेंटागन अधिकारी ने कहा पीएम मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों में नए मानदंड स्थापित करेगी। साथ ही उम्मीद जताई कि रक्षा औद्योगिक सहयोग और भारत के स्वदेशी सैन्य अड्डे को बढ़ावा देने के लिए बड़ी घोषणाएं हो सकती है। गौरतलब है, प्रधानमंत्री मोदी इस महीने राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर जाएंगे। 21 जून से शुरू होने वाली अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति और प्रथम महिला 22 जून को मोदी के राजकीय रात्रि भोज की मेजबानी करेंगे। इंडो-पैसिफिक सिक्योरिटी अफेयर्स के रक्षा सचिव एली रैटनर ने सेंटर फॉर न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी में एक पैनल चर्चा के दौरान पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा पर बात की। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी यहां

आएंगे, तो यह दोनों देशों के बीच संबंधों के लिए नए मानदंड स्थापित करने वाली एक ऐतिहासिक यात्रा होगी। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कई द्विपक्षीय मुद्दों को आगे बढ़ाने और विशेष समझौतों व प्रस्तावों को अंतिम रूप देने के लिए भारत का दौरा किया था। इन समझौतों को लेकर जमीनी स्तर पर काम करने की तैयारी चल रही है। पीएम मोदी जब अमेरिका आएंगे तो इन पर अंतिम मुहर लगेगी। रैटनर ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की संयुक्त राज्य अमेरिका की राजकीय यात्रा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों में नए मानदंड स्थापित करेगी और दोनों को सह-उत्पादन और सह-विकास के मुद्दों पर अभूतपूर्व तरीकों से करीब लाएगी।

यूक्रेन डैम तबाह होने से खतरे में 42 हजार लोग: क्या है डैम वॉरफेयर, जिसमें चीन के एक लाख लोग मरे; भारत को भी खतरा

कीव/मॉस्को।
6 जून को यूक्रेन के सबसे बड़े डैम में से एक नोवा काखोवका पर हमला हुआ। इससे अब 42 हजार लोगों की जिंदगी बाढ़ की वजह से खतरे में पड़ गई है। आनन-फानन में यूक्रेन और रूस की सेनाएं अपने-अपने कब्जे वाले हिस्से में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर इस बांध को तोड़ने के आरोप लगाए हैं। जंग के दौरान डैम यानी बांध पर किए जाने वाले हमलों को डैम वॉरफेयर कहा जाता है। 85 साल पहले चीन-जापान की जंग के दौरान डैम वॉरफेयर के चलते 1 लाख से ज्यादा चीनी नागरिक मारे गए थे। नोवा काखोवका बांध टूटने के बाद खरसोन शहर के हालात ये तस्वीर बयां कर रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि बांध के आस-पास के इलाकों में हजारों लोगों के पास पीने तक के लिए पानी नहीं है। 30 गांव और कस्बे बाढ़ की चपेट में हैं। लोग अपने सामान को प्लास्टिक के थैलों में भरकर ले जा रहे हैं। 10 हजार हेक्टेयर में फैली खेती पूरी तरह से पानी में समा चुकी है। बाढ़ की वजह से 2 हजार घर डूब चुके हैं।

बांध टूटने से जंग पर क्या असर पड़ेगा

यूक्रेन काफी समय से रूस पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा था। अमेरिका और पश्चिमी देशों के अधिकारियों का मानना है कि इसके तहत पिछले हफ्ते से यूक्रेन ने पश्चिमी डोनेटस्क और खरसोन इलाके में हमलों को तेज कर दिया था। कई जगहों पर रूसी सेना को पीछे हटना पड़ा था। बांध के टूटने से खरसोन की सड़कें, ब्रिज बाढ़ में समा चुकी हैं। ऐसे में यूक्रेनी सैनिकों को रूस पर हमला करने के लिए आगे बढ़ने में परेशानी होगी। जेलेंस्की के सीनियर एडवाइजर ने खुद इस बात को स्वीकारा है।

इसके अलावा बांध के टूटने से यूक्रेनी सैनिकों की सप्लाई चेन भी बाधित होगी। वहीं, रूस को अपने सैनिक मोबिलाइज करने का समय मिल जाएगा।

1400 साल पहले शुरू हुआ डैम वॉरफेयर

1400 साल पहले पर्शिया (आज का ईरान) के राजा साइरस ने यूफ्रेटस नदी की धार को बदलकर अपने सैनिकों को लिए रास्ता बनाया। ऐसा कर उसने एक रात में बेबिलोन को जीत लिया था। तब से दुनिया में डैम वॉरफेयर की शुरुआत मानी जाती है। जंग के मैदान में दुश्मन सेना को रोकने या उसेपीछे धकेलने के लिए बड़े बांधों, नदियों या नहरों के पानी को भारी मात्रा में छोड़ा जाता है। इसे वाटर या डैम वॉरफेयर कहा जाता है। इसके बाद मंगोलों ने1200 ईसवी में मध्य एशिया के गुरजांग शहर को एक डैम तोड़कर तबाह कर दिया। इसमें 10 लाख लोगों की मौत हो गई थी। बांध तोड़कर जंग में जीत हासिल करने का सिलसिला तब से जारी है ।

अखंड भारत के विरोध में ग्रेटर नेपाल का नक्शा

काठमांडू के मेयर ने लगाया मैप, हिमाचल-बंगाल के कुछ हिस्सों को नेपाल का क्षेत्र बताया

काठमांडू।
नेपाल की राजधानी काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने ग्रेटर नेपाल का एक मैप जारी किया है। मैप में हिमाचल के पश्चिमी कांगड़ा से लेकर पश्चिम बंगाल में पूर्वी तीस्ता के क्षेत्र को ग्रेटर नेपाल का हिस्सा बताया गया है। मेयर शाह ने भारत की नई संसद में लगे अखंड भारत के नक्शे के विरोध में ऐसा किया है। नेपाल सरकार ने अभी इस पर कोई बयान नहीं दिया है।

नेपाल की संसद में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के महासचिव गगन थापा ने कहा- ग्रेटर नेपाल के नक्शे को ऑफिशियली पब्लिश करना चाहिए। अगर भारत ने कल्चरल मैप पब्लिश किया है तो हमारे पास भी हक है कि हम ग्रेटर नेपाल का कल्चरल मैप पब्लिश करें। भारत को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री प्रचंड बोले- भारत दौरे पर मोदी से चर्चा की थी, अखंड भारत महज सांस्कृतिक मैप - नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने अखंड भारत के नक्शे पर भारत का साथ दिया। थापा के बयान पर उन्होंने

संसद में कहा- मैंने भारत यात्रा के दौरान अखंड भारत के नक्शे का मुद्दा उठाया था। तब भारत ने मुझे बताया कि ये सिर्फ एक सांस्कृतिक मैप है, जो इतिहास दिखा रहा है। इसे राजनीतिक तौर पर न देखा जाए। दरअसल, नेपाल में अब भी कई लोग ग्रेटर नेपाल के हिस्सों को वापस लेने की मांग करते रहते हैं। यहां राष्ट्रवादी कार्यकर्ता फणींद्र नेपाल लंबे समय से अखंड नेपाल के लिए प्रचार कर रहे हैं। नेपाल के कुछ दलों के नेताओं का कहना है कि उसका, जो हिस्सा सालों पहले भारत में मिला लिया गया था, उसे अब लौटा दिया जाना चाहिए।

जयशंकर बोले- अखंड भारत का नक्शा अशोक साम्राज्य को दिखाता है - अखंड भारत के नक्शे पर जारी विरोध के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर का बयान सामने आया था। जयशंकर ने कहा था- ये सिर्फ एक सांस्कृतिक नक्शा है जो असल में सम्राट अशोक के साम्राज्य को दिखाता है। इसका राजनीति से कोई लेनादेना नहीं है। नेपाल जैसे फ्रेंडली देश इस बात को समझ चुके हैं।

इससे पहले विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि नई संसद में लगा अखंड भारत का नक्शा अशोक साम्राज्य के विस्तार को दिखाता है। इसके लिए नक्शे के सामने एक बोर्ड लगाकर जानकारी भी दी गई है।

पाकिस्तान में पड़े खाने के लाले, आटे की चोरी रोकने के लिए लागू हुई धारा 144

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में जहां एक तरफ राजनीतिक अस्थिरता का दौर चल रहा है, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान कंगाली के कगार पर पहुंच गया है। हालात ऐसे हैं कि वहां खाने के लिए आटा नहीं मिल रहा है और अब वहां आटे की तस्करी शुरू हो गई है! अब खबर आई है कि आटे की चोरी रोकने के लिए पाकिस्तान के ब्लूचिस्तान प्रांत में धारा 144 लागू कर दी गई है। सरकार ने इसके लिए बाकायदा सरकारी आदेश जारी कर जानकारी दी है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, ब्लूचिस्तान में गेहूं की पैदावार होती है। चूंकि पाकिस्तान में आटे की किल्लत है, ऐसे में ब्लूचिस्तान की सरकार के खाद्य विभाग ने राज्य में पैदा हुए गेहूं या आटे की तस्करी रोकने के लिए पूरे राज्य में धारा 144 लागू करने का आदेश दिया है। सरकार का कहना है कि अगले गेहूं की पैदावार के मौसम तक राज्य में आटे की किल्लत ना हो, इसके लिए सरकार ने यह फैसला किया है। पाकिस्तान में हालात इतने खराब हैं कि वहां खाने पीने के आधारभूत सामान की भी भारी किल्लत हो रही है। पाकिस्तान में आटे और चीनी के भाव आसमान छू रहे हैं। बढ़ती महंगाई पाकिस्तान की गरीब जनता के मुंह का निवाला छीन रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्लूचिस्तान में चीनी का भाव 130-200 पाकिस्तानी रुपए प्रति किलो तक पहुंच गया है। वहीं 20 किलो आटे की कीमत 2600-4000 रुपए तक पहुंच गई है। पाकिस्तान में रमजान के महीने से ही आटे की किल्लत बनी हुई है। पाकिस्तान में आटे की मिल्स ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का एलान किया है, जिसकी वजह से पाकिस्तान में आटे की भारी कमी हो गई है।

पेपर लीक मामले में राज्यमंत्री गुर्जर के शामिल होने का आरोप

भीलवाड़ा (हिंस)। भीलवाड़ा जिला प्रशासन व राज्य बीज निगम के अध्यक्ष राज्यमंत्री धीरज गुर्जर के खिलाफ जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा ने मोर्चा खोल दिया है। विधायक ने कलेक्टर व राज्यमंत्री के खिलाफ अपनी आवाज को मुखर करते हुए शुक्रवार को जहाजपुर में प्रेस वार्ता की। उन्होंने जहाजपुर प्रशासन व जिला कलेक्टर को कांग्रेस का एजेंट बताते हुए कहा कि क्षेत्र में भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने राज्यमंत्री धीरज गुर्जर को पेपर लीक मामले में शामिल होने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। विधायक गोपीचन्द मीणा ने कांग्रेस के कुशासन के विरुद्ध आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था ठप है। अपराधी बेखोफ होकर घुम रहे है। आमजन दर-दर की ठोकरे खाने पर मजबूर हो रहा है। कांग्रेस राज मे विधानसभा के अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा कांग्रेस के एजेंट के रूप मे कार्य किया जा रहा है। जिससे आमजन मानस में कानून व्यवस्था के प्रति लोगो का विश्वास उठता जा रहा है। लोगों पर द्वेषता पूर्वक झूठे मुकदमे लगाए जा रहे हैं। कांग्रेस सरकार व यहा के स्थानीय कांग्रेस नेताओं के दबाव में समाज विशेष के लोगों पर झूठे मुकदमे लगाकर परेशान किया जा रहा है। आये दिन विधानसभा क्षेत्र में हत्या, चोरी, अवैध खनन, लूट, दलित उत्पीड़न, महिला दुष्कर्म, बाल-अपराध, अपरहण, तानाशाही, गुंडागर्दी जैसे मामले आम हो गए हैं। मीणा ने आरोप लगाते हुए कहा कि जहाजपुर पंचायत समिति मे विगत 3 वर्षों से एक भी साधारण सभा की बैठक नहीं हुई है। भ्रष्ट कांग्रेस नेताओं द्वारा गुप-चुप तरीके से वित्तिय अनियमितताएं की जा रही है। मनरेगा व अन्य योजाओं में आमजन मानस को लाभ नही मिल पा रहा है। ग्राम पंचायतों मे विकास के कार्य ठप पडे है। विकास कार्य कांग्रेस नूमाईन्दो के इशारे पर रोके जा रहे हैं। नगरपालिका बोर्ड भाजपा का बनने पर विकास कार्यों हेतु घोषणाए की गई। उन घोषणाओं के कार्यों को कांग्रेस के भष्ट नेताओं के द्वारा रोका जा रहा है। जहाजपुर नगरपालिका में लंबे समय से अधिशाषी अधिकारी का पद रिक्त है। स्थाई रूप से नहीं भरा गया है। विधायक मीणा ने कहा है कि मेरी विधानसभा क्षेत्र जहाजपुर कोटडी में पानी की सप्लाई नियमित रूप से नहीं दी जा रही है। जिससे लोगों को समस्याओं का सामना करना पड रहा है, साथ ही आमजन मानस को पानी के लिए दूर दराज के स्थानों पर भटकना पड रहा है। अधिकारी कर्मचारियों को राजनैतिक द्वेषता से प्रताडित कर तबादले किए जा रहे हैं। मेरी विधानसभा क्षेत्र के स्थानीय अधिकारी कर्मचारियों को द्वैषता पूर्वक बाहर भेजा जा रहा है। समाज विशेष के लोगों को टारगेट किया जा कर परेशान किया जा रहा है। तबादलों के नाम पर डराया धमकाया जा रहा है। जो की अनुचित है। विधानसभा जहाजपुर-कोटडी के सभी विभागों में अधिकारी कर्मचारीयों के पद रिक्त पडे हैं। जिससे शिक्षा, चिकित्सा, कृषि व पशुपालन, बिजली, पंचायतीराज व अन्य विभागों में कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

अब अन्य बोर्ड के विद्यार्थी भी कर सकेंगे सीटीपी कैटेगरी में आवेदन

भिवानी (हिंस)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए अन्य बोर्डों से फेल परीक्षार्थियों के भविष्य के मध्यनजर क्रेडिट ट्रांसफर पॉलिसी (सीटीपी) के तहत परीक्षा के लिए सुनहरा अवसर दिया गया है। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. वीपी यादव एवं सचिव कृष्ण कुमार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि ऐसे परीक्षार्थी जो अन्य बोर्डों की सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी की परीक्षा में पिछले पांच वर्षों से चार विषयों में अनुतीर्ण रहे हैं, वह अब हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की सितंबर-2023 में आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए सीटीपी के तहत बोर्ड की वेबसाईट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट बीएसई डॉट ओआरजी डॉट इन पर दिए गए लिंक से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। डॉ. यादव ने बताया कि सेकेंडरी सीटीपी के लिए 1100 रुपए एवं सीनियर सेकेंडरी सीटीपी परीक्षा के लिए 1150 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया है। परीक्षार्थी बिना विलंब शुल्क 10 से 18 जून तक तथा 100 रुपए विलंब शुल्क सहित 19 से 30 जून तक, 300 रुपए विलंब शुल्क सहित एक जुलाई से 15 जुलाई तथा एक हजार रुपए विलंब शुल्क सहित 16 से 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड सचिव ने बताया कि सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी के परीक्षार्थियों को प्रायोगिक विषय की परीक्षा के लिए 100 रुपए अतिरिक्त शुल्क देय होगा। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन करते समय संबंधित कक्षा के फेल कार्ड को दोनों तरफ से स्कैन कर अपलोड करते हुए आवेदन फार्म व मूल प्रमाण-पत्र बोर्ड कार्यालय में एक सप्ताह के अंदर-अंदर सहायक सचिव, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी के पते पर भिजवाना सुनिश्चित करें, अन्यथा परीक्षार्थी को प्रवेश-पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

बिजली चोरी मामले में गई टीम पर हमला

सोनीपत (हिंस)। खरखौदा में बिजली चोरी के मामले में कार्रवाई के लिए आई सिंचाई एवं बिजली थाना रोहतक की जांच टीम और मकान मालिक के बीच कहासुनी हुई। इस दौरान मकान मालिक की मां ने पुलिस कर्मियों को थप्पड़ मारे और वर्दी फाड़ दी। शुक्रवार को इस मामले को खरखौदा पुलिस थाना में मामला दर्ज किया गया है। रोहतक से सिंचाई एवं बिजली थाना की टीम एसआई सतीश कुमार, एएसआई देवेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल सुनील के साथ अन्य अधिकारी व कर्मचारी शामिल थे। वे केस संख्या 3459 धारा 135 ईसी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई के लिए खरखौदा पहुंचे थे। एसआई सतीश ने बताया कि झगड़े की आवाज सुनकर भीड़ एकत्र हो गई। सनवर व उसकी मां उनको धमकी देते हुए मौका से भाग गये। एचसी सुनील को अस्पताल में दाखिल कराया गया। सनवर अपने सिर में लगी चोट लेकर वापस लौटा और बोला पुलिस वालों ने उसको घायल किया है। तभी वहां पर सनवर की मां आ गई। सनवर व उसकी मां ने एसआई सतीश व साथी एचसी सुनील कुमार के साथ हाथापाई करके उसकी वर्दी फाड़ दी। हेड कांस्टेबल सुनील हमला करके पिटाई करी और जान से मारने की धमकी दी। खरखौदा थाना के एसआई कृष्ण सिंह ने बताया कि पुलिस ने एसआई की शिकायत पर सनवर व उसकी मां के खिलाफ धारा के अंतर्गत ममाला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लोकतंत्र में जनता की सेवा करना सरकार का ध्येय : मुख्यमंत्री

सीकर/जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र में जनता द्वारा चुनी हुई सरकार का ध्येय जनता की सेवा करना होता है। राज्य सरकार इसी संकल्प के साथ समाज के हर वर्ग को लाभान्वित करने के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि राजस्थान को विकास के हर क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाएं। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सबके सहयोग की आवश्यकता है। गहलोत शुक्रवार को सीकर की खंजेला तहसील के होद गांव में महंगाई राहत कैंप के अवलोकन के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने गहन अध्ययन के बाद ही जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की है। पुरानी पेंशन योजना, चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना जैसी राज्य सरकार की योजनाएं चुनावी नहीं हैं। प्रत्येक योजना स्थायी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राज्य सरकार की योजनाओं से सभी वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी राज्य बन गया है। हमारी सरकार के कार्यकाल में अब तक 303 कॉलेज खोले जा चुके हैं। सीकर, अलवर व भरतपुर में विश्वविद्यालय खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 500 छात्राओं वाले विद्यालयों को महाविद्यालय में क्रमोन्नत करने का फैसला किया है। गहलोत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने खाद्य, शिक्षा, सूचना और रोजगार की गारंटी कानून बनाने के क्रांतिकारी फैसले लिए। उसी तरह राजस्थान सरकार द्वारा भी निरोगी राजस्थान के लिए स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच) लागू किया गया तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि बढ़ाकर आमजन को आर्थिक व सामाजिक संबल प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को भी देश में समान रूप से सामाजिक सुरक्षा कानून लागू करना चाहिए। गहलोत ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र की देशभर में एक अलग पहचान है। स्व. जमनालाल बजाज ने गांधीजी के साथ आजादी के आंदोलन में भाग लिया। यहां के उद्योगपतियों का देश की अर्थव्यवस्था में विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि देश सेवा में भी शेखावाटी के लोग पीछे नहीं है। यहां घर-घर से नौजवान सेना में शामिल होकर देश की रक्षा कर रहे हैं। शेखावाटी क्षेत्र से सबसे ज्यादा संख्या में युवा सेनाओं में है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने खंजेला, दातारामगढ़, नीमकाथाना क्षेत्रों की पेयजल समस्या का समाधान करने के लिए 8 हजार करोड़ रूपए स्वीकृत कर बड़ी सौगात दी है। क्षेत्र में बड़ी संख्या में प्राथमिक स्वास्थ केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल खोले गए हैं। गहलोत ने कहा कि प्रदेशभर में महंगाई राहत कैंप लगाए जा रहे हैं, इससे आमजन पर महंगाई का बोझ कम हुआ है। इन शिविरों के माध्यम से 10 योजनाओं के द्वारा लोगों को अधिकतम राहत पहुंचाई जा रही है। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने महंगाई राहत कैंप के अवलोकन के दौरान लाभार्थियों से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, सामाजिक सुरक्षा योजना के लाभार्थियों तथा विभिन्न सहायता समूहों को चैक तथा दिव्यांगजनों को स्कूटी वितरित की। राजीविका प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनके उत्पादों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने गांधी दर्शन प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। जनसभा को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना और ओपीएस जैसी योजनाएं लागू कर समाज के हर वर्ग को लाभान्वित किया है। उन्होंने कहा कि राजीविका के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूह को ऋण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया गया है।

सड़कों की खराब हालत पर भड़के पूर्व मंत्री देवीसिंह भाटी

बीकानेर (हिंस)। सड़कों की खराब हालत पर प्रदर्शन करने पीडब्ल्यूडी ऑफिस पहुंचे पूर्वमंत्री देवीसिंह भाटी एक सवाल पर भड़क गए। कहा, मैं कभी चुनाव को देखकर प्रदर्शन या विरोध का निर्णय नहीं लेता। जनता के लिए लड़ता हूं। कहते-कहते इस कदर तैश में आ गए कि बोल पड़े..यहीं लंबा कर दूंगा। आग लगा दूंगा आदि-आदि। दरअसल प्रदर्शन करने पीडब्ल्यूडी ऑफिस पहुंचे भाटी ने सरकार सहित विपक्ष पर जमकर निशाने साधे। पिछले सालभर में जनता की परेशानी का जिक्र करते हुए कहा कि पानी के टैंकर बिक रहे थे। लोग परेशान थे। सरकार की तो जिम्मेदारी थी ही, विपक्ष का कोई नेता नहीं आया। वे किसी के अंतिम संस्कार या तीये की बैठक की तरह जयपुर से आते हैं। जिन्हें पदाधिकारी बनाया है वे सिर्फ लैटर पैड छपवा रहे हैं। अब जब टिकटों की बात चल रही है तो बाहर से आने वालों के आगे बीड़ जुटा रहे हैं।

पंजाब : थानों में लगेंगे एल्कोमीटर, अब नपेंगे टल्ली होकर पहुंचने वाले पुलिस मुलाजिम

चंडीगढ़। पंजाब के पुलिस थानों में अब रात के समय शराब के नशे में टल्ली होकर मुलाजिम ड्यूटी नहीं दे पाएंगे। लोगों की सुविधा के लिए जल्द ही सड़कों पर नाकों की तर्ज पर अब थानों में भी एल्कोमीटर रखे जाएंगे। ड्यूटी ज्वाइन करने के वक्त मुलाजिमों चेकिंग की जाएगी। विधानसभा की गृह विभाग की कमेटी की सिफारिश पर पुलिस ने इस इस दिशा में कदम बढ़ा दिया है। उम्मीद है जल्द ही इसे पूरे सूबे में लागू कर दिया जाएगा। सीएम भगवंत मान साफ कर चुके हैं कि लोगों को इंसाफ के लिए धक्के खाने नहीं पड़ेंगे। पहल के आधार पर लोगों की दिक्कतों को सुना जाएगा। पंजाब पुलिस ने पहले चरण करीब 2300 एल्कोमीटर खरीदने की दिशा में कदम बढ़ाया है। इन्हें नाकों और थानों के लिए प्रयोग किया जाएगा। योजना में 412 थानों को कवर किया जाएगा। पुलिस विभाग के अधिकारी अब प्रोजेक्ट को जल्द ही शुरू करने की तैयारी में हैं। इसके लिए सीएम की अगुवाई में हुई मीटिंग में चर्चा हो चुकी हैं। उन्होंने साफ किया कि ड्यूटी के समय में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं जा सकती है। हालांकि वह मुलाजिमों की मुश्किलों को गंभीरता से समझते हैं। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कोई भी मुलाजिम ड्यूटी के दौरान किसी भी तरह के नशे का सेवन करता है व लोगों से गाली गलौज करता है तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाए। कुछ समय पहले विधानसभा की कमेटी ने थानों का दौरा किया था। कमेटी ने उस समय नोट किया था कि रात में ड्यूटी के समय कुछ अधिकारी और कर्मचारी नशे की हालत में पाए जाते हैं। इस दौरान वह लोगों के मामलों को निपटाने के बजाय गाली गलौज तक करते हैं। ऐसे मुलाजिमों पर किस तरह कार्रवाई की जाती है। इस पर विभाग के अधिकारी ने टीम को बताया कि जब भी कोई व्यक्ति नशे में पकड़ा जाता है तो उस पर पहल के आधार पर कार्रवाई की जाती है। सस्पेंशन होती है और विभागीय जांच भी की जाती है। जब से राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार की आई है तब से नशे में टल्ली होकर ड्यूटी देने वाले मुलाजिमों पर कड़ी कार्रवाई हुई है। मोहाली के डेराबस्सी सब डिवीजन में एक चौकी में विधायक ने खुद रेड की थी। इसमें चौकी इंचार्ज खुद अपने दोस्तों के साथ शराब का सेवन करते हुए पकड़ा गया था। इसके बाद उसे सस्पेंड किया गया था। साथ ही उस पर कड़ी कार्रवाई की गई थी। इसके अलावा होशियारपुर जिले में भी इस तरह का मामला दर्ज किया जाएगा।

दूषित कुल्फी खाने से 70 से ज्यादा लोग बीमार, अस्पताल में भर्ती

अलवर (हिंस)। अलवर जिले के राजगढ़ कस्बे की रैणी पंचायत समिति के खुर्द गांव में दूषित मावे से बनी कुल्फी खाने से 70 से अधिक लोग बीमार हो गए हैं। इनमें बच्चे और वयस्क भी हैं। इन लोगों को उपचार के लिए राजगढ़, रैणी एवं बांदीकुई के चिकित्सालयों में भर्ती कराया गया है। खुर्द गांव निवासी लल्लूराम मीना और हरिओम मीना आदि ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार शाम एक व्यक्ति मावे से निर्मित कुल्फी बेचने गांव में आया था। उससे कुल्फी खरीदकर बच्चों तथा वयस्क लोगों ने खाई थी। कुल्फी खाने के करीब 2 घंटे बाद उन्हें उल्टी, दस्त व पेट दर्द होने लगा। जिन्हें उपचार के लिए राजगढ़ चिकित्सालय ले जाया गया। इनमें से 11 बच्चों लव, इंदु, रवि, पुलकित व दिव्या को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में राजगढ़ से अलवर रेफर कर दिया गया। इसके अलावा विजय, प्रिया, पवन, मयंक, आशाराम, अजय, विष्णु, लव, मनीषा, राहुल, अंशु, प्रकाश, अनुष्का, मयंक, गिलकेश, प्रियांशु सहित करीब 44 का राजगढ़ चिकित्सालय में उपचार जारी है। कम से कम 10 लोगों को बांदीकुई चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है, जिनमें से दो लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया गया है। उधर, रैणी चिकित्सालय में 8 लोगों का उपचार जारी है। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश मीना चिकित्सालय में कैंप किए हुए हैं। उनके निर्देशन में मेडिकल टीम उपचार में लगी हुई है। सूचना पर डीएसपी हरिराम मीना, थानाधिकारी रामजीलाल मीना, एएसआई हीरालाल पुलिस जाप्ते के साथ चिकित्सालय पहुंचे तथा पीड़ित बच्चो के परिजनों से जानकारी जुटाई।

महिला मतदाताओं को रिझाने भाजपा करा रही उज्जैन तक नि:शुल्क यात्रा

उदयपुर (हिंस)। केंद्र की मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर राजस्थान भाजपा ने उदयपुर जिले के वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्र में अनूठा कार्यक्रम तय किया है। विधानसभा क्षेत्र के 71 पंचायतों के 283 बूथ की 20 हजार से अधिक महिलाओं को आषाढ़ और श्रावण मास में प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग उज्जैन के महाकाल के दर्शन के लिए ले जाया जाएगा। इस नि:शुल्क आयोजन की व्यवस्था समाजसेवी व भाजपा के वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्र प्रभारी हिम्मत सिंह झाला की ओर से की गई है। हालांकि, उन्होंने इसे एक गैर राजनीतिक तीर्थयात्रा करार दिया है। झाला ने शुक्रवार को उदयपुर में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि देश में भाजपा का इस तरह का यह पहला आयोजन है जो *मोदी सरकार के नौ साल बेमिसाल* के तहत किया जा रहा है। यात्रा के दौरान वाहन, आवास और भोजन की व्यवस्था नि:शुल्क रहेगी।

राजस्थान के कई जिलों में बदला मौसम

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में गुरुवार रात मौसम में अचानक बदलाव आया। बीकानेर, अजमेर, टोंक, जयपुर समेत कई शहरों में आंधी के साथ बारिश हुई। अजमेर जिले के नसीराबाद स्थित रामपुरा गांव में आंधी के दौरान आठ साल की मानवी पर पड़ोसी की छत पर लगी भारी-भरकम सीमेंट की शेड आ गिरी। इसका एक टुकड़ा उसके सिर में घुस गया। हादसे में बालिका की मौत हो गई। मौसम के बदलाव के बाद भी 43 डिग्री सेल्सियस की तेज गर्मी और उमस से लोगों को परेशान है। बीकानेर, फलोदी में तो रात का न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गया। मौसम विशेषज्ञों ने आज और कल भी राज्य के कई हिस्सों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। अजमेर शहर में देर रात 16 मिमी बरसात हुई। टोंक के नगरफोर्ट, टोडारायसिंह एरिया में तेज आंधी के कारण खेतों में लगे सोलर पैनल गिर गए। जयपुर में देर रात करीब साढ़े 10 बजे आंधी चली। इधर बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ इलाके में तेज आंधी के साथ बारिश और ओले भी गिरे। पिछले 24 घंटे के दौरान बीकानेर, जयपुर, अजमेर, टोंक, बारां, भरतपुर, बूंदी, सीकर, जयपुर, कोटा और सवाई माधोपुर जिलों के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश सीकर के धौद एरिया में 40 मिमी हुई। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राजस्थान, पंजाब की सीमा पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इस सिस्टम के कारण एक ट्रफ लाइन राजस्थान के उत्तर-पूर्वी हिस्से से होते हुए मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र तक गुजर रही है। इसी सिस्टम के कारण राजस्थान में पिछले कई दिनों से आंधी-बारिश का दौर चल रहा है। राजस्थान में आंधी-बारिश का दौर भले ही थमा नहीं हो, लेकिन तापमान बढ़ने से गर्मी भी तेज हो रही है। कल सबसे ज्यादा तापमान टोंक के वनस्थली में 43.1 डिग्री सेल्सियस रहा। कोटा में 43, बूंदी में 42.8, धौलपुर में 42.3 और चूरू में 42 डिग्री सेल्सियस और बीकानेर, फलोदी और कोटा में रात का न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस मापा गया।

फसलों के एमएसपी को बढ़ाने का फैसला ऐतिहासिक : देवेंद्र सिंह बबली

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्र सरकार के खरीफ सीजन की फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में अप्रत्याशित वृद्धि के फैसले का स्वागत करते हुए हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व और केंद्र सरकार का आभार जताया है। मंत्री देवेंद्र ने कहा कि धान, कपास और बाजरा सहित अन्य खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि ऐतिहासिक और अब तक की सबसे अधिक बढ़ोतरी है। देवेंद्र बबली ने कहा कि फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी से किसानों के आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी और वे और आत्मनिर्भर और समृद्ध बनेंगे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि धान (सामान्य) के न्यूनतम समर्थन मूल्य 2040 रुपए प्रति क्विंटल में 143 रुपए की बढ़ोतरी कर 2183 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है। जबकि ए-ग्रेड धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2060 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2203 रुपए प्रति क्विंटल, मूंग के न्यूनतम समर्थन मूल्य 7755 रुपए प्रति क्विंटल में 803 रुपए की वृद्धि कर 8558 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली के न्यूनतम समर्थन मूल्य 5850 रुपए प्रति क्विंटल में 527 रुपए की वृद्धि कर 6377 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी के न्यूनतम समर्थन मूल्य 6400 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 6760 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन का एमएसपी 4300 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 4600 रुपए प्रति क्विंटल, कपास (मीडियम) का एमएसपी 6080 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 6620 रुपए प्रति क्विंटल, कपास (लांग) का एमएसपी 6380 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 7020 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है। उन्होंने कहा कि बाजरा का एमएसपी 2350 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2500 रुपए प्रति क्विंटल, रागी का एमएसपी 3578 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 3846 रुपए प्रति क्विंटल, मक्का का एमएसपी 1962 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2090 रुपए प्रति क्विंटल, अरहर का एमएसपी 6600 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 7000 रुपए प्रति क्विंटल, उड़द का 6600 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 6950 रुपए प्रति

शहर में अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध चला पीला पंजा

उधमपुर (हिंस)। जिलाधीश के निर्देश पर शुक्रवार को जिला प्रशासनिक टीम, जिसमें प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस प्रशासन के अधिकारी, पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसबाई व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे की देखरेख में अतिक्रमण हटाओ अभियान दोमेल चौक से जखैनी की ओर शुरू किया गया। इस दौरान दुकानदारों व लोगों द्वारा किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान यह भी देखने में आया कि जिन लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया था उसके उन्होंने खुद ही हटा दिया। वहीं इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि इस अभियान को लेकर गत दिन ही जिलाधीश के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया गया था।

कुत्ते की संदिग्ध मौत के मामले में अदालत ने दिया मामला दर्ज करने का आदेश

फरीदाबाद (हिंस)। भूपानी थाना क्षेत्र के पशु अस्पताल में लेब्राडोर नस्ल के कुत्ते की संदिग्ध मौत के मामले में अदालत ने शुक्रवार को पुलिस को उचित धाराओं में केस दर्ज करने के आदेश दिए हैं। दिल्ली के खानपुर की रहने वाली शिवानी यादव ने बताया कि सितंबर 2022 में उन्होंने लेब्राडोर नस्ल के अपने कुत्ते को गांव किडावली के पास निजी पशु अस्पताल में छोड़ा था। उसकी देखरेख के लिए अस्पताल को महीने का 15 हजार रुपए शुल्क भी दिया था। 18 मई 2023 को शिवानी गोवा में थीं। वहां अस्पताल की तरफ से फोन पर उन्हें सूचित किया गया कि कुत्ते की हार्टअटैक से मौत हो गई है। उन्होंने अपने भाई को अस्पताल भेजा। उसने मृत कुत्ते की वीडियो बनाई। शिवानी का आरोप है कि वीडियो में कुत्ते की नाक पर चोट का निशान दिख रहा है। उन्होंने अस्पताल संचालकों से उनके कुत्ते का पोस्टमार्टम कराने को कहा, मगर उन्होंने बिना पोस्टमार्टम किए कुत्ते को गड्ढा खोदकर नमक डालकर दबा दिया। तीन दिन बाद शिवानी गोवा से लौटीं। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से अस्पताल की सीसीटीवी फुटेज दिखाने को कहा, लेकिन उन्होंने नहीं दिखाई। इसके बाद उन्होंने थाना पुलिस को शिकायत देकर पोस्टमार्टम कराने की मांग की। पुलिस ने भी कोई कार्रवाई नहीं की। आखिर में शिवानी ने एडवोकेट मनोज और राजू के माध्यम से अदालत में याचिका दायर की। वकीलों ने अदालत को बताया कि अस्पताल प्रबंधन ने अब तक अस्पताल की सीसीटीवी फुटेज नहीं दिखाई है। कुत्ते का पोस्टमार्टम भी नहीं कराया। इस कारण यह मामला संदेह के दायरे में है। अब प्रथम श्रेणी न्यायाधीश रूपम की अदालत ने भूपानी थाना पुलिस को उचित प्रविधानों में मामला दर्ज करने और जांच का आदेश दिया है। इस आदेश पर शिवानी यादव ने संतुष्टि जताई है।

रुपे प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड जारी कर सकेंगे बैंक: आरबीआई ने दी अनुमति, विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों को पेमेंट करने में होगी आसानी

नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकों को रुपे प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड जारी करने की परमिशन देने का फैसला किया है। आरबीआई के इस कदम से विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों को पेमेंट का एक नया ऑप्शन मिलेगा। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस बारे में बताया।

इंटरनेशनल लेवल पर किया जा सकेगा फॉरेक्स कार्ड का यूज – फॉरेक्स कार्ड का यूज मशीन और विदेश में ऑनलाइन व्यापारियों के लिए किया जा सकेगा। इसके अलावा बैंक विदेश में रुपे डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड जारी कर सकेंगे। जिसका इस्तेमाल भारत समेत इंटरनेशनल लेवल पर किया जा सकता है। शक्तिकांत दास ने कहा कि बैंकों की तरफ से जारी किए जाने वाले रुपे डेबिट और क्रेडिट कार्ड की विदेश में स्वीकार्यता बढ़ रही है। अब केंद्रीय बैंक ने बैंकों को रुपे प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड जारी करने की इजाजत देने का फैसला किया है।

फॉरेक्स कार्ड से क्रॉस-बॉर्डर ट्रांजैक्शन का एक आसान ऑप्शन मिलेगा – डेवलपमेंट बैंकिंग एंड पेमेंट्स की इंडिया हेड राजश्री रेंगन ने कहा कि बैंकों को रुपे प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड जारी करने की इजाजत मिल जाने से क्रॉस-बॉर्डर ट्रांजैक्शन का एक आसान ऑप्शन मिलेगा। इससे इंटरनेशनल ट्रेड से जुड़े लोगों को काफी सुविधा होगी। इससे विदेश जाने वाले लोगों को भी काफी सुविधा होगी। रुपे प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड का इस्तेमाल मशीन और दूसरे मर्चेंट प्वाइंट पर किया जा सकेगा।

फॉरेन ज्यूरिडिक्शंस में पेमेंट के ऑप्शन में और मजबूत मिलेगी – बैंकबाजार डॉटकॉम के सीईओ आदिल शेट्टी ने कहा कि फॉरेन ज्यूरिडिक्शंस में रुपे प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड होने से पेमेंट के ऑप्शन के रूप में इसकी स्थिति और मजबूत होगी। रुपए एनसीपीआई का प्रोडक्ट है। एनसीपीआई देश में रिटेल पेमेंट सिस्टम के लिए जिम्मेदार है। पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम एक्ट 2007 के तहत आरबीआई और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन को एक सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम बनाने का अधिकार हासिल है। रुपए कार्ड्स को लॉन्च करने का मकसद डिजिटल पेमेंट और इकोनॉमिक ग्रोथ को बढ़ावा देने के साथ ही आत्मनिर्भर फाइनेंशियल सिस्टम तैयार करना था।

न्यूज ब्रीफ

धनशोधन से जुड़े मामले में 60.44 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति जब्त, इस कंपनी के निदेशक गिरफ्तार

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पीएमएलए 2000 के प्रावधानों के तहत मलाइका मल्टी स्टेट क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी (एमएमसीसीएस) में जमाकर्ताओं के पैसे के अन्यत्र इस्तेमाल से संबंधित वित्तीय धोखाधः ड़ी के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने गिल्बर्ट बैपटिस्ट, उनके परिवार के सदस्यों/सहयोगियों और उनके नियंत्रण वाली इकाइयों से संबंधित महाराष्ट्र और कर्नाटक में फ्लैट/दुकानों/जमीनों सहित 60.44 करोड़ रुपये की 52 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। वहीं दूसरी ओर, ईडी ने रियल एस्टेट कंपनी एम3एम के डायरेक्टर रूप कुमार बंसल को गिरफ्तार किया है। ईडी अधिकारी के अनुसार बंसल को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया गया है। बिहार में बालू खनन से जुड़े धनशोधन मामले में छापेमारी, 7.5 करोड़ रुपये के नकदी और एफडी जब्त प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार में अवैध बालू खनन धनशोधन मामले में छापेमारी के बाद 7.5 करोड़ रुपये नकद और एफडी जब्त की है। ईडी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि झारखंड के पटना, धनबाद और हजारीबाग तथा कोलकाता में 27 स्थानों पर ब्रॉडसन कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड, आदित्य मल्टीकॉम प्राइवेट लिमिटेड, उनके निदेशकों, चार्टर्ड अकाउंटेंट और अन्य सहयोगियों के परिसरों पर पांच जून को छापेमारी की गई। प्रवर्तन निदेशालय ने आरोपियों के खिलाफ बिहार पुलिस की विभिन्न प्राथमिकियों का संज्ञान लेते हुए धनशोधन का मामला दर्ज किया था।

लापता कर्मी के परिजनों को पेंशन के लिए नहीं करना पड़ता 7 साल इंतजार

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा पहले नियम था कि

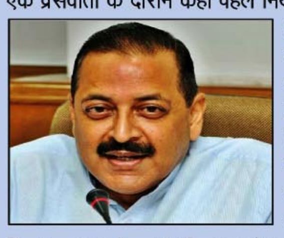

अगर कोई व्यक्ति लापता हो जाए तो उसके परिवार वालों को 7 साल तक कोई पारिवारिक पेंशन नहीं मिल पाता था, पेंशन के लिए या तो आपको उसके शरीर को बरामद होना होता था या साबित करना होता था कि उसकी मृत्यु हो गई है, या फिर पेंशन केलिए 7 साल तक इंतजार करना पड़ता था। इसलिए सरकार ने ऐसे मामलों में परिवारवालों को राहत देने के लिए उस नियम को खत्म कर दिया है। हमने शासन की सुगमता, जीवन में आसानी लाने की कोशिश की है। एक साल पहले तक सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाला पेंशन सीसीएस पेंशन रूल्स 1972 के तहत कवर होते थे। अगर कर्मचारी कहीं लापता हो जाए तो इसी रूल के तहत उसके परिवार को लाभ दिया जाता था। लापता होने के मामलों में परिवार वालों को पारिवारिक पेंशन के लिए कम से कम सात साल का इंतजार करना पड़ता था। लेकिन 28 अप्रैल 2022 को सरकार ने इस नियम में बदलाव कर दिया।

देश के 43 शहरों में मकान हुए महंगे, सिर्फ 7 में रही गिरावट, होम लोन के सस्ता होने से बढ़े खरीदार

नई दिल्ली । देश के 43 शहरों में जनवरी-मार्च तिमाही के बीच मकानों की कीमतों में तेजी आई है। सात शहरों में दाम घटे हैं। नेशनल हाउसिंग बैंक (एनएचबी) के मुताबिक, कोरोना के पहले की तुलना में होम लोन अब भी सस्ते हैं। इस वजह से खरीदारों की संख्या बढ़ रही है। एनएचबी के मुताबिक, देश के 8 प्रमुख आवासीय शहरों में मकानों की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। अहमदाबाद में 10.8 फीसदी, बंगलूरू में 9.4 फीसदी, चेन्नई में 6.8 फीसदी, दिल्ली में 1.7 फीसदी, हैदराबाद में 7.9 फीसदी, कोलकाता में 11 फीसदी, मुंबई में 3.1 फीसदी और पुणे में 8.2 फीसदी बढ़ी है। वहीं, वित्त वर्ष 2023 में मकानों की कीमतें 5.8 फीसदी बढ़ी, जो उसके पहले के साल में 5.3 फीसदी थी। उत्पाद और सेवाओं के निर्यात को 2030 तक दो लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचाने को कारोबार के लिए सस्ते और आसान वित्त की व्यवस्था महत्वपूर्ण है। विदेश व्यापार के अतिरिक्त महानिदेशक एससी अग्रवाल ने कहा, व्यापारियों और सरकार को घरेलू और सीमा पार व्यापार दोनों के लिए आसान वित्त प्राप्त करने जैसे मुद्दों पर काम करना होगा।

एलन मस्क ने एपल विजन प्रो का मजाक उड़ाया

शेयर किया मीम ; मार्क जुकरबर्ग बोले – यह वैसा नहीं है, जैसा मैं चाहता हूं

नई दिल्ली ।

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने एपल के मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट विजन प्रो को लेकर कहा कि विजन प्रो कंप्यूटिंग के भविष्य की दृष्टि से अच्छा डिवाइस हो सकता है, लेकिन यह वैसा नहीं है, जैसा मैं चाहता हूं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस डिवाइस में ऐसी टेक्नोलॉजी यूज नहीं की गई है, जिसे मेटा ने अभी तक एक्सप्लोर नहीं किया है। वहीं, टेस्ला, स्पेसएक्स और ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने ट्विटर पर मीम शेयर करते हुए विजन प्रो की कीमत को लेकर मजाक उड़ाया है। दरअसल, एपल ने तीन दिन पहले ही इवेंट में अपना पहला हेडसेट विजन प्रो लॉन्च किया है। तभी से यह चर्चा में बना हुआ है।

बड़े यूजर बेस तक पहुंचेगा क्वेस्ट 3 – जुकरबर्ग ने अपने अपकमिंग मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट क्वेस्ट 3 की तुलना विजन प्रो से की। उन्होंने कहा कि विजन प्रो की तुलना में क्वेस्ट 3 काफी सस्ता है, जिसके कारण यह बड़े यूजर बेस तक पहुंचेगा।

दरअसल, एपल के इवेंट से ठीक पहले जुकरबर्ग ने मेटा का मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट क्वेस्ट 3 अनवील किया था। उन्होंने बताया था कि इसकी शुरुआती कीमत 499 डॉलर (करीब 41 हजार) होगी। इसके साथ ही जुकरबर्ग ने कहा था कि 27 सितंबर को मेटा के कनेक्ट कॉन्फ्रेंस के दौरान क्वेस्ट 3 के बारे में ज्यादा जानकारी दी जाएगी।

मेटा की बढ़ी चिंताएं – मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, एपल के पहले मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट लॉन्च होने के बाद वीआर हेडसेट मार्केट में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए मेटा की चिंताएं बढ़ गई है। मार्केट रिसर्च फर्म आईडीसी के मुताबिक, साल 2022 में दुनियाभर में कुल 8.8 मिलियन वर्चुअल रियलिटी हेडसेट बेचे गए, जिसमें से सबसे अधिक लगभग 80प्रतिशत डिवाइस मेटा के शामिल थे।

एडवांस्ड न्यूरल प्रोसेसिंग यूनिट पर बेस्ड है डिवाइस – 'विजन प्रो' एडवांस्ड न्यूरल प्रोसेसिंग यूनिट बेस्ड है। यह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हुए यूजर के आसपास के माहौल का रियल टाइम में विश्लेषण कर ऑग्मेंटेड रियलिटी का अलग अनुभव देगा। चाहे

वास्तविक जगत पर वर्चुअल चीजों को प्रस्तुत करना हो या उससे संबंधित सूचनाएं देनी हों, 'विजन प्रो' डिवाइस बहुत ही आसानी से डिजिटल कंटेंट को हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़ देता है।

सटीक मैपिंग कर 3डी तस्वीर तैयार करता है – 'विजन प्रो' की एक खासियत इसकी लेटेस्ट स्पेस मैपिंग टेक्नोलॉजी है। यह कैमरों सहित एडवांस्ड सेंसर से सुसज्जित डिवाइस यूजर के आसपास की जगह की सटीक मैपिंग कर 3डी तस्वीर तैयार कर देता है। इससे वर्चुअल वस्तुओं को वास्तविक जगत के धरातल से सटीक तरीके से जोड़ने में मदद मिलती है। यह ऑग्मेंटेड रियलिटी का ज्यादा यथार्थवादी और भरोसेमंद अनुभव देता है।

रियल टाइम में शेयर कर सकते हैं ऑग्मेंटेड रियलिटी का अनुभव – इससे कोई भी यूजर ऑग्मेंटेड रियलिटी का अपना अनुभव रियल टाइम में अन्य लोगों के साथ साझा कर सकता है। हाई रिजॉल्यूशन डिस्प्ले वर्चुअल दुनिया को यूजर के वास्तविक संसार के साथ बेहतर रूप से जोड़ता है। चाहे किसी डिजाइन प्रोजेक्ट पर कोलेबोरेट करना हो या इंटरैक्टिव गेम में शामिल होना हो, विजन प्रो शेयर्ड प्रजेंस और कनेक्टिविटी के जरिए ऐसा किया जा सकता है।

आंखों और हाथों के मूवमेंट से इसे ऑपरेट कर सकते हैं – डिवाइस में एक्सेप्शनल कलर एक्युरेसी के साथ एक हाई-रिजॉल्यूशन डिस्प्ले मिलता है। यह सुनिश्चित करता है कि वर्चुअल ऑब्जेक्ट यूजर्स के रियल-वर्ल्ड व्यू के साथ मिश्रित हों। विजन प्रो में एडवांस्ड आई-ट्रैकिंग तकनीक भी है। यूजर्स आंखों और हाथों के मूवमेंट से इसे ऑपरेट कर सकते हैं। डिवाइस यूजर्स को फिल्में देखने, वीडियो गेम खेलने और न्यूज आर्टिकल्स पढ़ने में सक्षम बनाता है। एपल विजन प्रो 2024 की शुरुआत में बाजार में आने के लिए तैयार है, जिसकी एक्सपेक्टेड रिटेल प्राइस 3,499 डॉलर (करीब 2.88 लाख रुपए) से शुरू होने की उम्मीद है। कई लोग इस गेम-चेंजिंग डिवाइस का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

भारत और अमेरिका के बीच बढ़ेगा व्यापार, राजदूत गार्सेटी बोले- वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए यह करना जरूरी

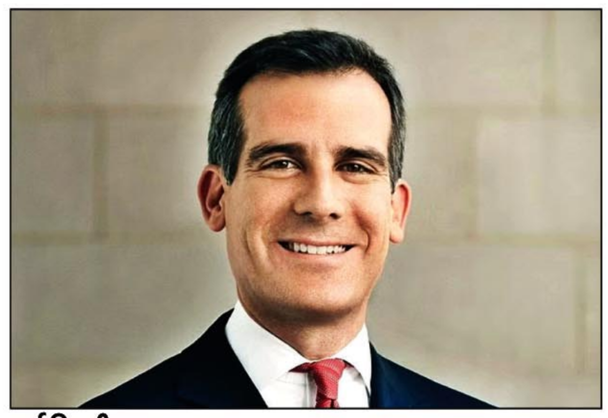

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका रक्षा क्षेत्र में सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। अब दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को भी बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। शुक्रवार को भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने बताया कि भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार, वैश्विक अर्थव्यवस्था की चुनौतियों से निपटने के लिए बेहद अहम है। एरिक गार्सेटी ने कहा कि हम दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर फोकस कर रहे हैं।

एरिक गार्सेटी और पीयूष गोयल के बीच हुई बैठक

एरिक गार्सेटी ने भारत के केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। इस मुलाकात में विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने पर चर्चा हुई। हाल ही में दिल्ली स्थित यूएस मिशन में सातवां वार्षिक छात्र वीजा दिवस का आयोजन किया गया।

अमेरिका में पढ़ने वाले सबसे ज्यादा विदेशी छात्र भारतीय

इस दौरान अमेरिकी दूतावास में मीडिया से बात करते हुए अमेरिकी राजदूत ने कहा कि किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे ज्यादा भारतीय छात्र पढ़ाई के लिए अमेरिका जाते हैं। गार्सेटी ने कहा कि यह देखना सुखद है कि भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत हो रहे हैं। बीते साल भारत से सबसे ज्यादा छात्र पढ़ाई करने अमेरिका गए और आने वाले कुछ साल यह स्थिति नहीं बदलने वाली। गार्सेटी ने कहा कि साल 2022 में अमेरिका के हर पांचवें छात्र वीजा को एक भारतीय छात्र को जारी किया गया था। भारतीय छात्र ना सिर्फ अमेरिका में पढ़ाई कर रहे हैं बल्कि दशकों से विभिन्न क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ रहे हैं। एरिक गार्सेटी ने कहा कि भारत और अमेरिका मिलकर हरित ऊर्जा की दिशा में काम करें, ये उनकी प्राथमिकता है।

सप्ताह में तीन दिन दफ्तर से काम करने की बात नहीं मानने वालों पर गूगल सख्त, कंपनी ने कही ये बात

नई दिल्ली ।

गूगल के कर्मचारी टेक दिग्गज उस आदेश की अवहेलना कर रहे हैं जिसमें उन्हें सप्ताह में कम से कम तीन दिन कार्यालय से काम करने को कहा गया है। गूगल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर क्रिस शिमट ने अल्फाबेट वर्कर्स यूनियन की ओर से जारी एक बयान में कहा, रातोंरात, हमारे प्रदर्शन मूल्यांकन से जुड़े नियमों में परिवर्तन कर श्रमिकों के हितों की अवहेलना की गई है। अल्फाबेट के गूगल ने कर्मचारियों को एक ईमेल भेजकर कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि ज्यादातर कर्मचारी नियमित रूप से कार्यालय लौटेंगे।

ब्लूमबर्ग की ओर से समीक्षा किए गए एक

ईमेल में चीफ पीपल ऑफिसर फियोना सिक्कोनी ने लिखा, हर कोई जादुई हॉलवे वार्तालाप में विश्वास नहीं करता है, लेकिन इसमें कोई सवाल नहीं है कि एक ही कमरे में एक साथ काम करने से सकारात्मक अंतर पड़ता है। सिकोनी ने कहा कि मई में टेक कंपनी के वार्षिक डेवलपर सम्मेलन गूगल आई/ओ और गूगल मार्केटिंग लाइव इवेंट में अनावरण किए गए कई उत्पादों की कल्पना, विकास और निर्माण पर टीमों की ओर से साथ-साथ काम किया गया था। सिक्कोनी ने कहा कि उपस्थिति अब कर्मचारियों के प्रदर्शन की समीक्षा में एक कारक होगा, और टीमें उन श्रमिकों को रिमाइंडर भेजना शुरू कर देंगी जो इस सप्ताह कनाडा और यूएस ईस्ट कोस्ट में वायु-गुणवत्ता-नियंत्रण चेतावनी जैसी विशेष परिस्थितियों को छोड़कर कार्यालय से लगातार अनुपस्थित हैं।

श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन से जुड़ी बैठक से चीन ने काटी कन्नी, अप्रैल में हुआ था आयोजन

नई दिल्ली ।

वाशिंगटन में अप्रैल में श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन से संबंधित बैठक में चीन की अनुपस्थिति विकासशील देशों के सामने आने वाली ऋण समस्याओं के प्रति बीजिंग के दृष्टिकोण पर बढ़ती निराशा का संकेत देती है। ऋण पुनर्गठन बैठक के लिए चीनी प्रतिनिधिमंडल को दिया गया निमंत्रण, विशेष रूप से श्रीलंका के चीनी ऋणों पर चर्चा करने के लिए था, लेकिन चीन ने बैठक में भाग नहीं लेने का फैसला किया। चीन के इस रुख ने एक स्पष्ट संदेश दिया कि वह ऋण वार्ता में शामिल होने का इच्छुक नहीं था। वाशिंगटन में हुई बैठक ने पेरिस क्लब, जापान और भारत के साथ ऋण पुनर्गठन वार्ता की शुरुआत को चह्नित किया। इस आयोजन का उद्देश्य श्रीलंका की ऋण वार्ता में नई

गति लाना था, जो चीन और अन्य उधारदाताओं के बीच गतिरोध में फंस गया है। डेली मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, बैठक सफलतापूर्वक समाप्त हुई जिसमें सभी पक्ष एक आम सहमति पर पहुंच गए। यह वार्ता श्रीलंका और उसके लेनदारों के बीच एक व्यापक समझौते की दिशा में उठाया गया एक कदम था। पुनर्गठन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए एक समयसीमा निर्धारित की गई थी। आईएमएफ के उप प्रबंध निदेशक केंजी ओकामुरा ने कहा कि श्रीलंका गहरे ऋण संकट में है और श्रीलंका को संकट से बाहर निकलने के लिए जल्द ऋण समाधान की आवश्यकता है।

आईएमएफ अधिकारी बोले- श्रीलंका की भलाई के लिए सभी लेनदार मिलकर निकालें समाधान

ओकामुरा ने कहा, हमें उम्मीद है कि सभी आधिकारिक द्विपक्षीय लेनदार इसमें भाग ले सकते हैं और बातचीत सुचारू रूप से और तेजी से आगे बढ़ेगी। उनका मानना है कि संकट को दूर करने का सबसे प्रभावी तरीका सभी आधिकारिक लेनदारों का एक साथ आना और एक ऐसे समाधान पर बातचीत करना है जो दोनों पक्षों के हित में हो। इससे श्रीलंका को अपना कर्ज चुकाने और अपनी आर्थिक विकास योजनाओं के साथ आगे बढ़ने की अनुमति मिलेगी। इसके अलावा, इससे लेनदारों को भी लाभ होगा, क्योंकि यह उन्हें नियमित भुगतान प्रदान करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उनके हितों की रक्षा की जाए।

सहकारी बैंकों को मिले ज्यादा अधिकार, बुरे फंसे कर्ज को बट्टे खाते में डाल सकेंगे

मुंबई ।

देश के सहकारी बैंकों को पहले से ज्यादा अधिकार मिल गया है। अब वे जल्द ही गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) को बट्टे खाते में डाल सकेंगे और चूककर्ताओं के साथ समझौता निपटान कर सकेंगे। इसके लिए आरबीआई ने दबाव वाली संपत्तियों के समाधान ढांचे का दायरा बढ़ाने का फैसला किया है। इसके तहत सहकारी कर्जदाताओं सहित सभी विनियमित इकाइयां अब एनपीए का समाधान करने के लिए समझौता निपटान और फंसी हुई रकम को तकनीकी बट्टे खाते में डालने जैसे फैसले कर सकेंगी। केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि सहकारी कर्ज क्षेत्र में अक्सर उचित प्रक्रिया की कमी और हितों के टकराव की खबरें मिलती रही हैं। इसे देखते हुए सहकारी कर्जदाताओं के लिए यह फैसला लिया गया है। इस पर जल्द ही व्यापक दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे। अब तक फंसी हुई संपत्ति के समाधान की अनुमति केवल अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों और चुनिंदा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को थी।

यूसीबी के लिए चुनौतियां कम करने की जरूरत – दास ने यह भी स्वीकार किया कि प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के कर्ज लक्ष्यों पर अन्य शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के सामने आने वाली कार्यान्वयन संबंधी चुनौतियों को कम करने की जरूरत है। मार्च, 2026 तक इस लक्ष्य को पाने के लिए समयसीमा को दो और साल के लिए बढ़ा दिया गया है। 31 मार्च, 2023 तक लक्ष्यों को पूरा करने वाले कर्जदाताओं को उचित प्रोत्साहन दिया जाएगा।

खुदरा महंगाई में नरमी से बढ़ेगा परिवारों का खर्च रबी उपज बढ़ने, सामान्य मानसून रहने और सेवाओं में तेजी के साथ महंगाई घटने से परिवारों का उपभोग बढ़ेगा। बैंकों एवं कंपनियों के बही-खाते में सुधार, आपूर्ति श्रृंखला की स्थिति बेहतर होने और अनिश्चितता घटने से निवेश का चक्र तेजी पकड़ेगा। सरकार का पूंजीगत खर्च बढ़ने से भी निवेश-विनिर्माण गतिविधियां तेज होंगी। निर्यात की तुलना में आयात घटने से भारत का व्यापार घाटा कम हुआ है।

हम सिर्फ दरों को थाम रहे हैं, महंगाई में स्थायी गिरावट का रास्ता अभी काफी लंबा : दास आरबीआई गवर्नर ने कहा, रेपो दर को नहीं बढ़ाने का फैसला सिर्फ एक ठहराव है। भविष्य में नीतिगत कार्रवाई पूरी तरह उस समय के आंकड़ों पर निर्भर करेगी। महंगाई में स्थायी गिरावट के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है। हालांकि, खुदरा महंगाई मार्च और अप्रैल में घटी है। इसके बावजूद यह 4 फीसदी के अनिवार्य लक्ष्य से ऊपर है। दास ने मौद्रिक नीति घोषणा के बाद कहा, महंगाई पर लगातार सतर्क नजरिया बनाए रखना जरूरी है क्योंकि मानसून और अल नीनो का प्रभाव अनिश्चित बना हुआ है। हमारा लक्ष्य टिकाऊ तरीके से महंगाई को 4 फीसदी से नीचे बनाए रखना है।

दास ने कहा, दुनिया के ज्यादातर केंद्रीय बैंकों ने जिंसों की कीमतें नरम होने के बीच ब्याज दरों में बढ़ोतरी रोक दी है। हालांकि, ऑस्ट्रिया और कनाडा ने इस सप्ताह बाजार को हैरान करते हुए ब्याज दरें बढ़ाई हैं। केंद्रीय बैंक में डिप्टी गवर्नर एवं मौद्रिक नीति विभाग के प्रमुख माइकल पात्रा ने कहा, वर्ष के लिए नीतिगत रुख और महंगाई का पूर्वानुमान इस पूर्वधारणा पर आधारित है कि मूल्य सूचकांक इस साल 5.1 फीसदी के करीब रहेगा। इस अनुमान में धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी और अल नीनो प्रभाव को समायोजित किया गया है।

बैंकों में 1.80 लाख करोड़ के 2000 के नोट वापस आए – दास ने कहा, अब तक 1.80 लाख करोड़ रुपये के 2000 के नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। यह आंकड़ा चलन में मौजूद 2000 रुपये के कुल नोटों का करीब 50 फीसदी है। केंद्रीय बैंक ने 19 मई को इन नोटों को वापस लेने की घोषणा की थी। 31 मार्च, 2023 तक कुल 3.62 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 2000 रुपये के नोट चलन में थे। गवर्नर ने कहा, 2000 रुपये के करीब 85 फीसदी नोट बैंक खातों में जमा किए जा रहे हैं। बाकी नोटों को छोटे मूल्य वर्ग के नोटों से बदला जा रहा है।

हमें उम्मीद है कि 30 सितंबर तक 2000 के ज्यादातर नोट वापस बैंकिंग प्रणाली में आ जाएंगे। ई-रुपी : गैर-बैंकिंग संस्थान कर सकेंगे जारी सरकार की ओर से जल्द ही आम लोगों के लिए भी ई-रुपी डिजिटल वाउचर जारी किए जा सकते हैं। आरबीआई ने गैर-बैंकिंग कंपनियों को प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) के जरिये ई-रुपी वाउचर जारी करने की मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, केंद्रीय बैंक ने व्यक्तियों की ओर से ई-रुपी वाउचर जारी करने की भी अनुमति दी है। इससे ई-रुपी वाउचर का लाभ व्यापक समूह तक पहुंचेगा। डिजिटल भुगतान को भी बढ़ावा मिलेगा।

फेमा के तहत लाइसेंसिंग ढांचा सरल और आसान बनेगा – आरबीआई ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा)-1999 के तहत अधिकृत व्यक्तियों के लिए लाइसेंसिंग ढांचे को युक्तिसंगत और सरल बनाने का फैसला किया है। इससे आम लोगों, पर्यटकों और व्यवसायों सहित उपयोगकर्ताओं के विभिन्न क्षेत्रों में विदेशी मुद्रा सुविधाओं के वितरण दक्षता में सुधार होगा।

मां की यादगार भूमिकाओं के लिए जानी जाती रहेंगी सुलोचना

बॉलीवुड में महानायक अमिताभ बच्चन से लेकर कमल हासन तक की मां की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री सुलोचना लतकर अब इस दुनियां में नहीं रही हैं। सुलोचना 94 साल की थीं और उन्होंने अपने करियर के छह दशकों में अपनी भूमिकाओं से अलग ही स्थान बनाया था। उन्हें बिग बी सहित हिंदी सिनेमा के कई बड़े सितारों की मां की यादगार भूमिका निभाने के लिए याद किया जाता है। सुलोचना ने इन फिल्मों में निभाई यादगार भूमिका

फरार : शंकर मुखर्जी द्वारा निर्देशित 1975 की इस क्राइम ड्रामा में सुलोचना ने अमिताभ बच्चन की मां की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म बिग बी द्वारा अभिनीत एक मध्यवर्गीय व्यक्ति राजेश की कहानी है, जो अपनी बहन के साथ बलात्कार और हत्या का बदला लेता है।

जरा सी जिंदगी : सुलोचना ने 1983 की तमिल हिट वरुमायिन निरम शिवप्पु रीमेक में कमल हासन के किरदार राकेश की मां की भूमिका निभाई थी। कमल हासन का किरदार 1 स्नातक है जो काम की तलाश में है और 2 अन्य बेरोजगार युवकों के साथ 1 छोटा सा घर साझा करता है।

आशा : 1980 की इस सुपरहिट फिल्म में दीपक (जीतेंद्र) की कहानी है, जो एक ट्रक ड्राइवर है। वह एक प्रसिद्ध गायिका आशा (रीना रॉय) का वाहन टूट जाने पर उसे लिफ्ट देता है। सुलोचना ने इसमें जीतेंद्र की मां की भूमिका निभाई।

आदमी : ए. भीमसिंह द्वारा निर्देशित 1968 की यह सोशल ड्रामा तमिल फिल्म आलयमणि की रीमेक थी। इसमें सुलोचना ने मनोज कुमार की मां की भूमिका निभाई।

नई रोशनी : फिल्म एक सामाजिक नाटक है, इसकी साजिश विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. कुमार (अशोक कुमार) के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जो अपनी पत्नी पद्मा के साथ रहता है। फिल्म में सुलोचना ने बंगाली स्टार प्रोसेनजीत चटर्जी के पिता बिस्वजीत चटर्जी की नेत्रहीन मां की भूमिका निभाई थी।

रोमांस 'ड्रामा' जी करदा में नजर आयेंगे तमन्नाह, आशिम सहित बचपन के कई दोस्त

भारत के सबसे पसंदीदा मनोरंजन प्लेटफार्म, प्राइम वीडियो ने आज आगामी अमेजॅन ओरिजिनल सीरीज, जी करदा के ट्रेलर का रिलीज किया। दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित और अरुणिमा शर्मा द्वारा निर्देशित, सीरीज हुसैन दलाल और अब्बास दलाल द्वारा सह-लिखित है। जी करदा में तमन्नाह भाटिया, आशिम गुलाटी, सुहैल नय्यर, अन्या सिंह, हुसैन दलाल, सयान बनर्जी और संवेदना सुवालका जैसे सात बचपन के दोस्त हैं, जिनमें सिमोन सिंह और मल्हार ठाकर प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। 240+ देशों और क्षेत्रों के प्राइम मेंबर्स 15 जून से इस सीरीज को स्ट्रीम कर सकेंगे। जी करदा प्राइम मेंबरशिप के लिए लेटेस्ट एडिशन है। भारत में प्रधान सदस्य केवल ₹1499/वर्ष में एक ही सदस्यता में बचत, सुविधा और मनोरंजन का आनंद लेते हैं। सीरीज का ट्रेलर हमें मस्ती, ड्रामा और भावनाओं से भरी सफर पर ले जाता है, जिसमें सात बचपन के दोस्तों के जीवन को दिखाया गया है, जो एक-दूसरे से अलग होने के बावजूद गहराई से जुड़े हुए हैं। एक साथ जीवन का अनुभव करने से, प्यार में पड़ने से, गलतियाँ करने से और यहाँ तक कि अपने दिल के टूटने तक से, वे सीखते हैं कि बेहतरीन दोस्ती और रिश्ते भी निर्दोष नहीं हो सकते। ऋषभ (सुहैल नय्यर) अपनी लंबे समय से प्रेमिका लावण्या (तमन्नाह भाटिया) को प्रपोज करता हैं, उनके स्कूल के दोस्त शादी के

जश्न में शामिल होते हैं, लेकिन कुछ कठिनाइयां पैदा होती हैं और रिश्ते एक दिलचस्प मोड़ लेते हैं। तमन्ना भाटिया ने कहा, जी करदा पर काम करने का मेरा समय बिल्कुल अविश्वसनीय था, मेरे लिए, यह शो अब तक का सबसे करीबी किरदार था, जो मेरे अपने व्यक्तित्व से मेल खाता था। एक सच्ची मुंबई की लड़की होने के नाते, इस शहर में पली-बढ़ी हूं। स्कूल में मैंने जो दोस्ती बनाईं, वो भी कुछ ऐसी ही थी और मेरा मानना है कि इस प्रकार के रिश्ते अटूट होते है। यह शो सच में पुरानी यादों के सार को पकड़ता है, गतिशीलता और अनुभवों को दशार्ता है जिसे मैं उस शहर से अच्छी तरह समझती हूँ जिसकी मैं हूँ। सीरीज के बारे में बात करते हुए, निमार्ता दिनेश विजन ने कहा, जी करदा की सबसे बड़ी ताकत डिजिटल जगत में अलग अपील करती है। जबकि प्राइम वीडियो ने कई यादगार शो तैयार किए हैं, जी करदा आजकी पीढ़ी से बात करता हैं । जो वेबस्पेस अलग तरह से देखते है। यह शो मुझे कॉकटेल की याद दिलाता है, एक ऐसी फिल्म जिसने मैडॉक को नाम दिया।

यह मजेदार, ताजा और अच्छी कहानी आज के युवाओं के दिलों में एक छाप छोड़ेगी। लेखक और निर्देशक अरुणिमा शर्मा ने साझा किया, ह्लजी करदा रोमांस, दोस्ती और वयस्कता को नेविगेट करने की कठिनाइयों और पेचीदगियों को दशार्ते है। मुझे लगता है कि दर्शक इससे खुद को जोड़ पाएंगे। वयस्कता की एक आदर्श दृष्टि प्रस्तुत करने के बजाय, हम एक ऐसा ड्रामा बनाना चाहते थे जो जीवन की गन्दी वास्तविकताओं को चित्रित करे। मेरा मानना है कि दर्शक किरदारों और उनके सफर को पहचानेंगे और यह जानकर उन्हें सुकून मिलेगा कि वे अपनी भावनाओं के मामले में अकेले नहीं हैं। मैं प्राइम वीडियो और मैडॉक फिल्म्स के साथ इस शो को लेकर बहुत उत्साहित हूं। प्राइम वीडियो विचारोत्तेजक और आकर्षक कहानियां प्रदान करने के लिए प्रसिद्ध है, और मुझे लगता है कि हमारा शो इसमें फिट होगा।

मंदिर में एक्ट्रेस को किस करने पर मचा हंगामा

-पुजारी एवं भाजपा नेता ने जताई आपत्ति

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन और प्रभास फिल्म आदिपुरुष का अलग-अलग जगहों पर जाकर जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। इसी बीच बीते बुधवार एक्ट्रेस तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए पहुंची, जहां डायरेक्टर ओम राउत, कृति सेनन को किस कर बाय करते नजर आए। उनका ये वीडियो वायरल होते ही बवाल मच गया। मंदिर के मुख्य पुजारी ने मंदिर में फिल्म निमार्ता द्वारा एक्ट्रेस को किस करने पर आपत्ति जताई है और भाजपा के राज्य सचिव रमेश नायडू ने भी इसकी आलोचना की लेकिन बाद में अपना ट्वीट हटा दिया। वायरल हो रहे एक वीडियो में फिल्म निमार्ता ओम राउत को कृति को बाय कहते हुए उनके गाल पर किस करते देखा जा सकता है।

वीडियो पर भाजपा नेता के आपत्ति जताने का समर्थन करते हुए मंदिर के मुख्य पुजारी ने कहा, यह एक निंदनीय कृत्य है। यहां तक कि एक पति और पत्नी भी वहां (मंदिर) एक साथ नहीं जाते हैं। आप एक होटल के कमरे में जा सकते हैं और ऐसा कर सकते हैं। आपका व्यवहार रामायण और देवी सीता का अपमान करने जैसा है। वहीं कई यूजर्स भी इस दृश्य की निंदा कर रहे हैं। बता दें कि ओम राउत द्वारा निर्देशित आदिपुरुष का 6 जून को तिरुमाला में एक शानदार प्रोग्राम के दौरान आखरी ट्रेलर को रिलीज किया। ट्रेलर को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला है। मालूम हो कि एक्ट्रेस कृति सेनन और सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपमकिंग फिल्म आदिपुरुष को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म 16 जून को पर्दे पर दस्तक दे रही हैं।

मंदिर में एक्ट्रेस को किस करने पर मचा हंगामा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन और प्रभास फिल्म आदिपुरुष का अलग-अलग जगहों पर जाकर जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। इसी बीच बीते बुधवार एक्ट्रेस तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए पहुंची, जहां डायरेक्टर ओम राउत, कृति सेनन को किस कर बाय करते नजर आए। उनका ये वीडियो वायरल होते ही बवाल मच गया। मंदिर के मुख्य पुजारी ने मंदिर में फिल्म निमार्ता द्वारा एक्ट्रेस को किस करने पर आपत्ति जताई है और भाजपा के राज्य सचिव रमेश नायडू ने भी इसकी आलोचना की लेकिन बाद में अपना ट्वीट हटा दिया। वायरल हो रहे एक वीडियो में फिल्म निमार्ता ओम राउत को कृति को बाय कहते हुए उनके गाल पर किस करते देखा जा सकता है। वीडियो पर भाजपा नेता के आपत्ति जताने का समर्थन करते हुए मंदिर के मुख्य पुजारी ने कहा, यह एक निंदनीय कृत्य है। यहां तक कि एक पति और पत्नी भी वहां (मंदिर) एक साथ नहीं जाते हैं। आप एक होटल के कमरे में जा सकते हैं और ऐसा कर सकते हैं। आपका व्यवहार रामायण और देवी सीता का अपमान करने जैसा है। वहीं कई यूजर्स भी इस दृश्य की निंदा कर रहे हैं। बता दें कि ओम राउत द्वारा निर्देशित आदिपुरुष का 6 जून को तिरुमाला में एक शानदार प्रोग्राम के दौरान आखरी ट्रेलर को रिलीज किया। ट्रेलर को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला है। मालूम हो कि एक्ट्रेस कृति सेनन और सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपमकिंग फिल्म आदिपुरुष को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म 16 जून को पर्दे पर दस्तक दे रही हैं।

कपिल ने आमिर के घर गाई गजल, बांधा समां

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में कॉमेडियन व एक्टर कपिल शर्मा का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह आमिर खान के घर पर अपनी आवाज का जादू बिखेरते नजर आ रहे हैं। दरअसल, द कपिल शर्मा में जज व एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह हाल ही में आमिर खान के घर पहुंची। उन्होंने इस शाम का एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में कपिल शर्मा की झलक देखने को मिली है, जहां वह गजल गाते सुनाई दे रहे हैं। वहीं, आमिर खान कपिल का हौसला बढ़ाते नजर आ रहें साथ ही कॉमेडियन की सिंगिंग को एंजॉय कर रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए अर्चना पूरन सिंह ने कैप्शन में लिखा है- दशकों बाद राजा हिंदुस्तानी आमिर से मिलीं। गर्मजोशी से गले मिलने और पुरानी यादों को शेयर करने से ये कई सालों की दूरी भूल गए...और इस प्यारी शाम के लिए एक बड़ा धन्यवाद बहुत जरूरी है। हम सब तुम्हारे घर पर थे, आमिर! तुम अब पहले से कहीं ज्यादा मजेदार हो ... ज्ञान और शरारत का एक विरोधाभास। उस रात की लंबी बातचीत और मजेदार कहानियों को पसंद किया !! हर समय सदाबहार पसंदीदा गाने के लिए कपिल शर्मा को थैंक्यू ... हंगामा है क्यूँ ...थोड़ीसी जो पी ली है। इसके अलावा कपिल शर्मा ने भी आमिर खान संग एक फोटो शेयर की है। इस फोटो में उनकी पत्नी गिन्नी भी नजर आ रही हैं। फोटो को पोस्ट करते हुए कपिल ने लिखा, शानदार शाम, खूबसूरत हॉस्पिटैलिटी, प्यार, हंसी, संगीत के लिए धन्यवाद, यह कितना खूबसूरत और यादगार मिलन था, धन्यवाद आमिर खान भाई आप हमारा प्राइड हैं। बता दें कि फेमस कॉमेडियन व एक्टर कपिल शर्मा सभी की जान हैं। अपनी मजेदार कॉमेडी से वह रोते हुए इंसान को भी हंसाने का टेलेंट रखते हैं। इसके अलावा वह सिंगिंग में भी खूब माहिर हैं, जिसकी झलक वह अपने शो द कपिल शर्मा में देते रहते हैं।

अनुराग की बेटी ने की बॉयफ्रेंड शेन संग सगाई

-कुछ लोग उन्हें ट्रोल भी करते नजर आए थे

मुंबई (ईएमएस)। बीते महीने बालीवुड डायरेक्टर अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड शेन ग्रेगोइर संग सगाई की थी, जिसकी तस्वीरें वायरल होने के बाद वह खूब सुर्खियों में आई थी। जहां एक तरफ उन्हें लोगों ने बधाई दी, तो दूसरी तरफ कुछ लोग उन्हें ट्रोल भी करते नजर आए थे। वहीं अब आलिया ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। दरअसल, आलिया कश्यप की उम्र अभी 22 वर्ष है। जैसे ही उन्होंने अपनी सगाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, कुछ यूजर्स उन्हें ट्रोल करने लगे। उनका कहना था कि सगाई और शादी जैसे फैसलों के लिए 22 साल बहुत कम उम्र है। इस पर चुप्पी तोड़ते हुए अब आलिया ने अपने नए व्लॉग में बात की है। आलिया का कहना है कि एक वक्त था जब मैं भी 22 वर्ष को शादी के लिए बहुत कम उम्र मानती थी। यह कम उम्र हो भी सकती है, लेकिन अगर आपको सही शख्स मिल जाता है तो सबकुछ सही होता है। आलिया ने आगे कहा कि वह और शेन दोनों ही शादी के लिए तैयार हैं, ऐसे में उन्हें

ट्रोल्स की बातों से या किसी की भी बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। वे काफी वक्त से इस बारे में बात कर रहे हैं।

वे और शेन पिछले तीन साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और पिछले करीब छह महीने से साथ रह रहे हैं। इस रिश्ते से वह बेहद खुश हैं। वह शेन को अपना सोलमेट कहती हैं। आलिया ने आगे कहा कि वह इस बात को लेकर सुनिश्चित थीं। जब वह शेन से पहली बार मिली तब ही समझ गईं कि शेन ही वह शख्स हैं। इसके बाद उनके मन में कोई शक बाकी नहीं रहा। यही वजह है कि वह शादी के फैसले तक पहुंची हैं। कम उम्र में शादी करने की बात को लेकर जो लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं, उनका आलिया पर रत्ती भर फर्क नहीं है। वहीं शेन का भी यही मानना है। आलिया और शेन का कहना है कि वे दोनों 2025 में शादी करेंगे। बता दें कि मशहूर डायरेक्टर अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप ने भले ही अभी बॉलीवुड में डेब्यू नहीं किया, लेकिन अक्सर वह किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहती हैं।

करीना के कॉस्ट्यूम पर खर्च हुए डेढ़ करोड़ रुपए

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म निमार्ता मधुर भंडारकर ने अपनी एक फिल्म में करीना कपूर के कॉस्ट्यूम पर ही डेढ़ करोड रुपए खर्च कर दिए थे, हालांकि इतना कुछ करने के बाद भी फिल्म दर्शकों का दिल जीतने में नाकामयाब रही थी। हम बता कर रहे हैं मधुर भंडारकर की फिल्म की फिल्म हीरोइन की। साल 2022 में रिलीज हुई इस फिल्म में फिल्मी दुनिया की चकाचौंध में छुपी उन हस्तियों के पर्दे की पीछे की जिंदगी दिखाई गई थी, जो कैमरा के सामने तो हंसते खिलखिलाते नजर आते हैं, लेकिन असल में उनकी जिंदगी काफी तन्हाई से गुजर रही होती है।

इस फिल्म में करीना कपूर ने लीड हीरोइन का किरदार निभाया था।फिल्मी इंडस्ट्री की चकाचौंध वाली जिंदगी के काले सच को पर्दे पर उतारने के लिए मशहूर डायरेक्टर मधुर भंडारकर की फिल्म हीरोइन में करीना कपूर ने शानदार एक्टिंग की थी। लीड रोल में जान डालने के लिए उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। एक सफल हीरोइन की जिंदगी को पर्दे पर उतारने के लिए फिल्म में करीना कपूर ने 130 अलग-अलग ड्रेसेस पहनी थीं। वो भी सिर्फ 2 घंटे में। लेकिन ये फिल्म लोगों का दिल जीतने में नाकामयाब रही थी।

मेकर्स ने फिल्म को हिट कराने के लिए करीना पर दिल खोलकर पैसा बहाया था। लेकिन फिल्म फुस्स निकली थी। इस बात का खुलासा खुद मधुर भंडारकर ने अपने एक इंटरव्यू में किया था। उन्होंने बताया था कि इस फिल्म में जितना खर्चा उन्होंने सिर्फ करीना कपूर के कॉस्ट्यूम पर किया था। उतने बजट में पूरी फिल्म चांदनी बार बन गई थी।। इतनी मेहनत के बावजूद फिल्म टिकट खिड़की पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। बता दें कि तब्बू की फिल्म चांदनी बार 2001 में आई थी और इसका कुल बजट लगभग डेढ़ करोड़ रुपये था।अपने एक्टिंग करियर में करीना ने जब वी मेट, ओमकारा, चमेली और हीरोइन जैसी कई ऐसी फिल्मों में नजर आ चुकीं जिनमें उनके काम को खूब सराहा गया था। बेबो फिल्मी दुनिया में अपनी खूबसूरती, स्टाइल और एक्टिंग के लिए भी खास तौर पर पहचानी जाती हैं, यही वजह है कि वह फैन्स के दिलों पर राज कर रही हैं। बात किसी संजीदा रोल की हो, किसी रोमांटिक किरदार की हो या फिर किसी चुलबुली हसीना के किरदार में दिखना हो।

करीना कपूर हर रोल में शानदार रही हैं।बता दें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर अब तक इंडस्ट्री में हर तरह के किरदार में नजर आ चुकी हैं। करीना आज मेकर्स की पहली पसंद बन चुकी हैं।

अपने इटैलियन के साथ दिखी आलिया, नवाजुद्दीन से इसका कोई लेना-देना नहीं

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी आलिया ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपने पार्टनर के साथ खुद की एक तस्वीर पोस्ट की। सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया कि आखिर ये शख्स है कौन जिसे आलिया डेट कर रही है? अब उन्होंने खुद इस मिस्ट्री मैन को लेकर खुलासा किया है। आलिया ने साफ किया कि नवाजुद्दीन के साथ उनकी अपनी टूटी हुई शादी से इसका कोई लेना-देना नहीं है। आलिया ने अपने जीवन में आए नए आदमी के बारे में कहा कि पिछले एक साल में वह उनके लिए एक बहुत बड़ा इमोशनल सपोर्ट लेकर आए। आलिया ने बताया कि वहां फिलहाल हिंदी सीख रहे है और उन्हें अपनी भाषा फ्रेंच और इटालियन भी सिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही भारत आना चाहते हैं। आलिया सिद्दीकी ने कहा कि अपने लाइफ के इस स्पेशल शख्स से वहां एक साल पहले दुबई में एक कॉमन फ्रेंड की पार्टी में मिली थीं।

आलिया ने कहा, कोई भी मेरे चरित्र का अंदाजा इस आधार पर नहीं लगा सकता है कि मैं कितना खुश महसूस करती हूं। मैंने दो साल पहले तलाक के लिए अर्जी दी थी, अपने इस स्पेशल साथी से मिलने से पहले (वह शख्स जिसके साथ

उन्होंने इस हफ्ते की शुरूआत में इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की थी), इसलिए लोगों के पास बात करने के लिए कुछ भी नहीं है। मेरी शादी काफी पहले टूटी चुकी है, अब हम सिर्फ बच्चों के लिए बातें करते हैं। आलिया ने कहा, मैं चाहती हूं कि नवाज जीवन में अच्छा करें। हमारे तलाक का मामला अभी भी चल रहा है। मैंने 19 साल तक संघर्ष किया है। अगर मैं इन चीजों के बारे में गणना करती, तब मैं सोशल मीडिया पर अपने (नए) रिश्ते के बारे में शेयर नहीं किया होता, मैं मानसिक रूप से काफी परेशान थी, अब मैं अपनी जिंदगी में खुश हूं और आगे बढ़ चुकी हूं। आलिया ने कहा, वह इटैलियन हैं और आईटी सेक्टर में काम करते हैं। हम एक साल पहले दुबई में एक कॉमन फ्रेंड की पार्टी में मिले थे। पहल उसने की और अब हम बात कर रहे हैं। वह बुद्धिमान, सरल, बेहद सम्मानित, प्यार करने वाले और देखभाल करने वाले हैं।

सूडोकु नवताल- 6457

★★★✯☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6456 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्दजाल - 7204

रा	क	ल	ड्री	म	बि	हा	र	सी	ल	ज
र	ज	ल	दे	क्रां	हि	ड्ड	इं	म	ट	वा
त	स	स्था	ल	र्म	मा	रा	रा	हा	ख	द
म	ज	ज	न	पु	च	रा	प	रा	ली	ब
म	ध्य	दो	ग	ल्ता	ल	क	तू	ष्ट्र	झ	उ
स	क	प्र	प	ह	प्र	र्ना	ना	ता	घ	त्त
गु	अ	स	दे	या	दे	ट	श	ज	ला	र
पे	ज	दा	ई	श	श	क	फ	रा	श	प्र
स	बा	रा	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	दे
त्ता	पा	ला	त	शो	पं	जा	ब	ल	स्त्री	श
ह	रा	जी	व	गां	धी	उ	ड़ी	सा	म	त

शब्दजाल में 10 राज्यों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

राजस्थान, मध्यप्रदेश,उत्तर प्रदेश,बिहार, गुजरात,महाराष्ट्र, उड़ीसा, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश,पंजाब

शब्दजाल - 7203 का हल

ता	ल	र	बु	दा	प	र	तू	ग	झ	न
ज	अ	ल	ध	आ	प्लू	टो	ब	त	शा	र
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ल	ढा	र	ला	ई
श	म	अ	प	बे	र	क	फ	ह	र्ष	ल
स	नि	श	र	व	के	तु	इ	ग	वी	ट
री	रं	ल	च	व	लि	र्त	रा	ती	प	गु
जो	गा	ल	प	गा	प	म	हू	कौ	या	रू
चं	बा	शु	क्र	त	क	छ	प्रे	ग	श	थ
द्र	स	मि	व	व	न	ज	न	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	औ	प	ग	र	मं	ग	ल	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6157

	3	2		6		5
	33		35		28	
1		5	4			2
	35		35	7	32	
7		6		4		1
	33		31		30	4
3		4		2	5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6156 का हल

6	1	4	7	2	5	3
5	33	3	35	1	27	7
4	3	7	5	6	1	2
3	29	2	45	7	33	6
1	3	6	7	5	2	4
2	29	1	33	4	30	5
7	4	5	2	3	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

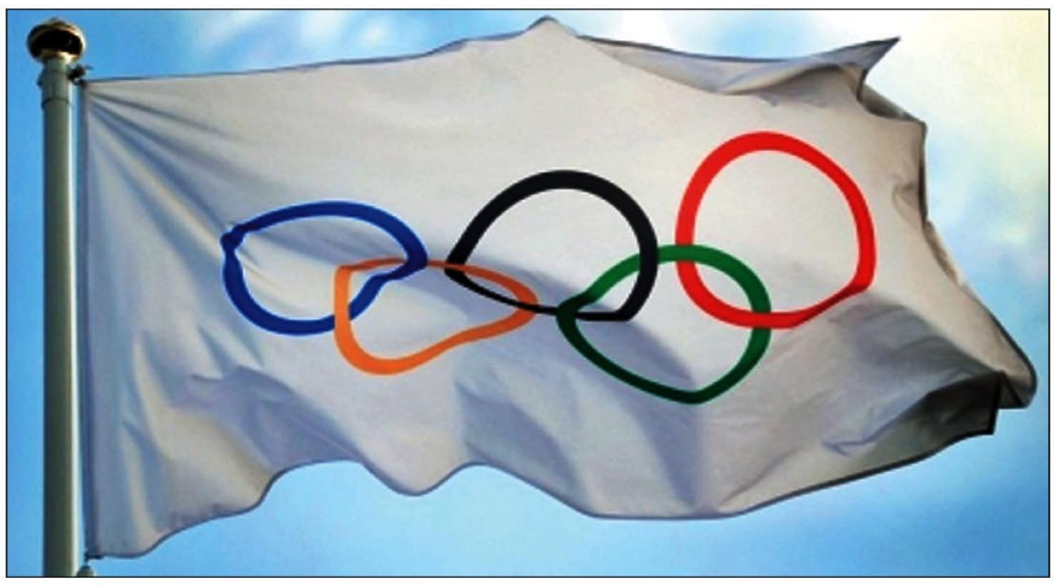

आईओसी ने पेरिस ओलंपिक में रूसी और बेलारूसी एथलीटों की भागीदारी को मंजूरी दी

लुसाने (स्विट्जरलैंड)। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने रूसी और बेलारूसी एथलीटों की 2024 ओलंपिक में भागीदारी का रास्ता साफ कर दिया है। आईओसी ने कहा है कि किसी भी एथलीट को उसके पासपोर्ट के आधार पर भाग लेने से नहीं रोका जाएगा। आईओसी ने कहा कि रूसी और बेलारूसी एथलीटों को प्रतियोगिताओं में तटस्थ एथलीट के रूप में भाग लेने दिया जाएगा और वे किसी भी तरह अपने देश या अपने देश में किसी संगठन का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाएंगे। उल्लेखनीय है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने अपने फ्रांसीसी समकक्ष इमैनुएल मैक्रॉन के साथ एक फोन कॉल के दौरान रूसी एथलीटों को पेरिस ओलंपिक 2024 से पूरी तरह से अलग करने का आग्रह किया था । जेलेंस्की ने मंगलवार को अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा था , मैंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में रूस के एथलीटों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद, जो पिछले साल फरवरी में शुरू हुआ था, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के कार्यकारी बोर्ड ने सिफारिश की थी कि अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघ और खेल आयोजक रूसी और बेलारूसी एथलीटों और अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आमंत्रित या अनुमति नहीं देते हैं, जिसमें रूसी या बेलारूसी शामिल हैं। नागरिकों को केवल तटस्थ एथलीटों या तटस्थ टीमों के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। तब से, रूस में कोई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं हुआ है। आईओसी ईबी ने अंतर्राष्ट्रीय खेल महासंघों और दुनिया भर में खेल आयोजनों के आयोजकों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि रूस या बेलारूस के किसी भी एथलीट या खेल अधिकारी को रूस या बेलारूस के नाम से भाग लेने की अनुमति नहीं है।

आईओसी ने एक बयान में कहा, किसी भी रूसी और बेलारूसी सरकार या राज्य अधिकारी को किसी अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स इवेंट या मीटिंग में भाग लेने के लिए आमंत्रित नहीं किया जाएगा। किसी ध्वज, राष्ट्रगान, रंग या अन्य पहचान को स्पोर्ट्स इवेंट्स या मीटिंग में प्रदर्शित नहीं करने दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

अश्विन को उनकी बल्लेबाजी के लिए चुन लेता, गेंदबाजी को तो छोड़ ही दीजिए: स्टीव वॉ

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने कहा कि भारत ने ओवल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की अंतिम एकादश से रविचंद्रन अश्विन को बाहर रखकर बहुत बड़ी गलती की है। वह अश्विन को उनकी बल्लेबाजी के लिए ही चुन लेते, उनका शानदार गेंदबाजी कौशल तो दूर की बात है। 92 मैचों में 51.8 की स्ट्राइक-रेट से 474 विकेट के साथ, जिसमें 32 पांच विकेट की पारियां शामिल हैं, शीर्ष क्रम के टेस्ट गेंदबाज अश्विन को मार्की मुकाबले से बाहर रखा गया क्योंकि भारत ने चार तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दी। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 469 रन बनाए। प्लेइंग इलेवन से अश्विन के बाहर होने से दोनों देशों के पूर्व क्रिकेटरों ने भारतीय टीम की कड़ी आलोचना की है, जिसमें वॉ शामिल होने वाले नवीनतम व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि (भारत) ने गलत पक्ष चुना है। वॉ ने शुक्रवार को द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन से कहा, स्पिन इस टेस्ट मैच में एक बड़ी भूमिका निभाएगा। मैंने अश्विन को उनकी बल्लेबाजी के लिए चुना होता, उनकी गेंदबाजी को तो छोड़िए। इसलिए मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि वह नहीं खेल रहे हैं क्योंकि उन्होंने साथ ही पांच टेस्ट शतक भी जमाए हैं। यह बहुत अजीब है। इसी तरह के विचार ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर ब्रैड हॉग ने भी व्यक्त किये। हॉग ने कहा, भारत ने एक निर्णय लिया और जैसा भी विकेट मिलता उन्हें अश्विन को खेलाना चाहिए था, वे अभी एक आईपीएल से बाहर आए हैं और चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरे हैं जिन्होंने लंबे स्पैल नहीं फेंके हैं। उन्होंने कहा, अश्विन और जडेजा एक छोर को थामे रह सकते थे और दूसरे छोर पर तेज गेंदबाजों के दबाव को कम कर सकते थे, जब उनके पास ऊर्जा कम हो जाती। वॉ पहले गेंदबाजी करने के भारत के फैसले के भी आलोचक थे, यह याद करते हुए कि कैसे ऑस्ट्रेलिया ने 2019 में द ओवल में पांचवें एशेज टेस्ट में इसी तरह की त्रुटि की थी।

इस बार स्मिथ के लिए इंग्लैंड की योजना थोड़ी अलग है: ओली पोप

लंदन। उपकप्तान ओली पोप ने दावा किया कि इंग्लैंड ने अगले हफ्ते शुरू होने वाली एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ से निपटने के लिए अलग योजना बनाई है। स्मिथ का इंग्लैंड के खिलाफ और इंग्लैंड की परिस्थितियों में एक अनुकरणीय रिकॉर्ड है। लॉर्डस में 2019 एशेज के दौरान जोफ्रा आर्चर की गेंद से सिर पर चोट लगने के बावजूद उन्होंने 110.54 की औसत से 774 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज द ओवल में फिर से अंग्रेजी परिस्थितियों में शानदार लय में दिखे, क्योंकि उन्होंने द ओवल में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 121 रन बनाए। इंग्लैंड 16 जून से एजबस्टन में एशेज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा, जिससे पोप खतरे से अच्छी तरह वाकिफ हैं। लेकिन 25 वर्षीय ने विश्वास व्यक्त किया कि इंग्लैंड के गेंदबाज स्मिथ के लिए तैयार हैं क्योंकि उन्होंने उन्हें गेंदबाजी करने के तरीकों पर काम किया है। पोप ने ब्रिटिश मीडिया से कहा, हमारे चेंजिंग रूम में बहुत सारे प्रतिभाशाली गेंदबाज भी हैं जिन्होंने उन तरीकों पर काम किया है जिनसे हम उसे चुनौती दे सकते हैं।

नेसर को एशेज में अवसर मिलने की उम्मीद : कोच

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि युवा खिलाड़ी माइकल नेसर ने काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। मैकडोनाल्ड के अनुसार आगामी एशेज श्रृंखला में भी उन्हें टीम में शामिल किया जा सकता है। नेसर ने ग्लैमोर्गन काउंटी की ओर से अभी तक तीन पारियों में 123, 86 और 90 रन बनाए हैं। इसके बाद भी उन्हें अगले महीने होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल और एशेज के पहले दो टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया की 17 सदस्यीय टीम जगह नहीं मिली है पर कोच मैकडोनाल्ड ने कहा कि उन्हें अब भी अवसर मिल सकता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच डब्ल्यूटीसी फाइनल सात जून से ओवल में खेला जाएगा जबकि पांच टेस्ट मैचों की एशेज श्रृंखला 16 जून से शुरू होगी। मैकडोनाल्ड ने कहा,'' हम जानते हैं कि नेसर किस प्रकार का प्रदर्शन कर रहा है। नेसर और सीन एबोट डब्ल्यूटीसी की तैयारियों के लिए लंदन में टीम से जुड़ेंगे। एबोट भी अभी काउंटी क्रिकेट में सर्रे की तरफ से खेल रहे हैं और ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ने के लिए उपलब्ध हैं।

स्पेशल ओलंपिक्स के लिए भारतीय एथलीट्स का किया गया सम्मान, कई मशहूर हस्तियां हुई शामिल

नई दिल्ली। स्पेशल ओलंपिक्स भारत ने जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में भारतीय दल के लिए टॉर्च रन और राष्ट्रीय सेंड-ऑफ सेरेमनी आयोजित की। बता दें कि जर्मनी के बर्लिन में 17 से 25 जून 2023 तक स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड समर गेम्स का आयोजन होगा। भारत स्पेशल ओलंपिक्स के लिए अपने 198 एथलीट्स का दल भेजेगा। 12 जून को बर्लिन रवाना होने वाले दल के एथलीट्स इस इवेंट में 16 खेलों की स्पर्धाओं में हिस्सा लेगा। एथलीट्स के साथ उनके जोड़ीदार और 57 कोच भी जाएंगे। समारोह में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर (युवा मामले और खेल विभाग और सूचना और प्रसारण विभाग) टॉर्च रन के लिए मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी (महिला एवं बाल विकास विभाग और अल्पसंख्यक मामले विभाग) सेंड-ऑफ सेरेमनी की प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थी। कई अन्य हस्तियां भी इस समारोह में शामिल हुई। यह समारोह दो भागों में बटा हुआ था- उम्मीद की मशाल और सेंड ऑफ सेरेमनी। मशाल 26 मई को दिल्ली से निकली और विभिन्न शहरों में होकर लौटी। यह मशाल हरियाणा आई, जहां के एथलीट्स इसे देश की राजधानी लेकर आए। ये हरियाणा के वो एथलीट्स हैं, जो स्पेशल ओलंपिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस मशाल को सम्मानित अतिथि भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने स्पेशल ओलंपिक्स भारत के अधिकारियों के साथ प्राप्त किया। मशाल समारोह का अंत अनुराग ठाकुर के भाषण के साथ समाप्त हुआ।

अनुराग ठाकुर ने दी शुभकामनाएं

अनुराग ठाकुर ने स्पेशल ओलंपिक्स में हिस्सा ले रहे एथलीट्स को शुभकामनाएं दी। ठाकुर ने कहा, मैं डॉक्टर मलिका नड्डा और स्पेशल ओलंपिक्स भारत को सालों के शानदार काम के लिए शुभकामनाएं देता हूं। इनके प्रयासों के कारण हम बर्लिम में इतना बड़ा भारतीय दल भेज पा रहे हैं। 198 एथलीट्स, एकीकृत साझेदार और 57 कोच भारत के 23 विभिन्न शहरों से आए और 16 खेलों में हिस्सा लेंगे। मुझे उम्मीद है कि हमारे एथलीट्स देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, हमने पिछले कुछ सालों में खेल में विकास देखा है। एथलीट्स की प्रगति हो या इंफ्रास्ट्रक्चर (ढांचा)। हमारे एथलीट्स ने प्रमुख प्रतियोगिताओं में मेडल जीते हैं। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले कुछ सालों में कई बार खेल बजट में बढ़ोतरी हुई। प्रधानमंत्री ने टॉप्स जैसी नीति की शुरुआत की, जिससे जमीमी स्तर से प्रतिभा निखरकर सामने आई। यही वजह है कि हमने पहले से ज्यादा मेडल जीते और हम स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स में भी इसे जारी रखेंगे।

समारोह के दूसरे भाग में स्मृति ईरानी प्रमुख अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस मौके पर बॉलीवुड गीतकार और कंपोजर व स्पेशल ओलंपिक्स भारत गुडविल एम्बेस्डर सोनू निगम, पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह और डॉक्टर स्टीफन ग्रैबहर भी मंच पर उपस्थित रहे। इन्होंने अपनी उपस्थिति से एथलीट्स को प्रोत्साहित किया। बता दें कि 12 जून को बर्लिन रवाना होने वाला भारतीय दल भी इस मौके पर उपस्थित रहा।

स्मृति ईरानी ने एथलीट्स को प्रोत्साहित किया

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने इस दौरान एथलीट्स को प्रोत्साहित किया। ईरानी ने कहा, स्पेशल ओलंपिक्स भारत एथलीट्स देश का गर्व है। आज मेरे लिए गर्व की बात है कि स्पेशल ओलंपिक्स भारत एथलीट्स की सेंड ऑफ सेरेमनी का हिस्सा बनने का आमंत्रण मिला। मैं सभी माता-पिता का विशेष धन्यवाद करना चाहती हूं। मैं सभी एथलीट्स से कहना चाहती हूं कि देश के 1.3 अरब लोगों की शुभकामनाएं आपके साथ हैं।

युवराज सिंह ने बढ़ाया एथलीट्स का हौसला

भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी इस मौके पर एथलीट्स के लिए प्रेरणादायी बातें कहीं। युवराज सिंह ने कहा, मुझे यहां आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद। हर बच्चा देश के लिए बराबरी से विशेष है। ये सभी एथलीट्स हमारे लिए विशेष हैं। आप बर्लिन में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। किसी खिलाड़ी के लिए देश का प्रतिनिधित्व करने से बड़ा सम्मान और गर्व और कुछ नहीं। हम आपको शुभकामनाएं देते हैं कि आप बर्लिन में स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड समर गेम्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके देश को गौरवान्वित महसूस कराएं।

डॉक्टर मल्लिका नड्डा ने दी शुभकामनाएं

इस मौके पर डॉक्टर मल्लिका नड्डा ने बर्लिन गेम्स के लिए भारतीय दल को शुभकामनाएं दी। नड्डा ने कहा, स्पेशल ओलंपिक्स भारत शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल के माध्यम से बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों को शामिल करने में विश्वास रखता है। हमारे एथलीट्स बर्लिन गेम्स 2023 की तैयारियों में जुटे हैं तो उनके लिए जानना जरूरी है कि देश उनके साथ है और उनका इस यात्रा में समर्थन कर रहा है। मैं यहां उपस्थित सभी अतिथियों का धन्यवाद अदा करती हूं कि उन्होंने यहां आकर हमारे एथलीट्स को प्रोत्साहित किया और बर्लिन गेम्स के लिए शुभकामनाएं दी। हम अपने स्पेशल एथलीट्स को गर्व के साथ जिंदगी जीने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारा लक्ष्य पहचानना, स्वीकारना और शामिल करना है।

फ्रेंच ओपन में सबालेंका उलटफेर की शिकार

मुचोवा पहली बार फाइनल में ; वर्ल्ड नंबर-1 अल्कारेज- जोकोविच सेमीफाइनल में भिड़ेंगे

पेरिस। फ्रेंच ओपन में उलट-फेर का सिलसिला सेमीफाइनल में जारी रहा। विमेंस सिंगल्स के क्वार्टरफाइनल गैरवरीयता प्राप्त चेक गणराज्य की करोलिना मुचोवा ने आर्याना सबालेंका को हराकर फाइनल में पहुंची हैं। वहीं मेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्कारेज और नोवाक जोकाविच सेमीफाइनल में भिड़ेंगे।

मुचोवा पहली बार किसी के ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंची

मुचोवा पहली बार किसी के ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचना उनका किसी भी ग्रैंड स्लैम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इस साल ऑस्ट्रेलिया ओपन की विजेता रही सबालेंका, मुचोवा के खिलाफ पहला सेट हार गई थीं।

हालांकि, अगला सेट उन्होंने 7-6 से जीत लिया। सबालेंका तीसरे सेट में 5 गेम से आगे नहीं बढ़ पाईं। वहीं, मुचोवा ने लगातार 4 गेम जीत कर तीसरा सेट अपने नाम किया। मुचोवा का सबालेंका के खिलाफ अंतिम स्कोर 7-6, 6-7, 7-5 रहा।

मेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्कारेज और जोकोविच के बीच सेमीफाइनल में मुकाबला

मेंस सिंगल्स में 22 ग्रैंड स्लैम जीत चुके 36 साल के सर्बिया के नोवाक जोकोविच सेमीफाइनल में स्पेन के 20 साल के युवा सितारे कार्लोस अल्कारेज से सेमीफाइनल में भिड़ेंगे। अल्कारेज दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी हैं, जबकि जोकोविच फिलहाल तीसरे नंबर पर हैं। अल्कारेज यदि फाइनल में पहुंचेंगे तो नंबर की कुर्सी कायम रखेंगे और अगर जोकोविच फाइनल जीतेंगे तो फिर से नंबर एक हो जाएंगे।

टेनिस के बिग थ्री में शामिल स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर खेल से संन्यास ले चुके हैं और यहां की लाल बजरी के बादशाह राफेल नडाल चोट के कारण इस बार हिस्सा नहीं ले रहे हैं। ऐसे में तीसरे दिग्गज जोकोविच के लिए रिकॉर्ड 23वां ग्रैंडस्लैम जीतने का मौका है। जोकोविच यहां 2016 और 2021 में खिताब जीत चुके हैं।

साउथ कोरिया में प्रयागराज के कुलदीप ने जीता ब्रॉन्ज, प्रेरणादायी है कहानी; दूध बेचकर पिता ने तय कराया सफर

प्रयागराज । संगम नगरी के के छोटे से गांव अलावलपुर मऊआइमा के कुलदीप यादव ने साउथ कोरिया में आयोजित इंटरनेशनल इनविटेशन मीट में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। शुक्रवार को पोल वाल्ट स्पर्धा में यह उपलब्धि कुलदीप के हाथ लगी तो पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। इससे पहले 17 वें यूथ नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कुलदीप ने गोल्ड मेडल जीता था। जबकी कुवैत में आयोजित एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4.80 मीटर की ऊंचाई को आसानी से पार कर कांस्य पदक भी कुलदीप ने जीता था। दक्षिण कोरिया में में तिरंगा लहराते हुए कुलदीप की तस्वीरें जैसे ही दिखी स्वजन खुशी से झूम उठे। सभी ने कुलदीप को खूब बधाई दी। कुलदीप इस समय बेंगलुरु में तैयारी कर रहे हैं। बेहतर प्रदर्शन के बाद वह मौजूदा समय में स्पोर्ट अथारिटी आफ इंडिया बेंगलुरु में प्रशिक्षण ले रहे हैं। वहां उनके कोच विजीस एम उनके तकनीकी कौशल को लगातार बेहतर बना रहा हैं। कुलदीप काफी समय तक मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में प्रशिक्षु रहे हैं। कुलदीप के बड़े भाई धर्मेंद्र ने बताया कि यह गर्व का दिन है। कड़ी मेहनत और ईश्वर कृपा कुलदीप है। वह इसी तरह भारत का नाम रोशन करता रहे। हमें उम्मीद है कि वह ओलंपिक में भी भारत के लिए पदक लेकर आएगा। गरीबी और अभावों से शुरू हुआ कुलदीप का सफर अंतरराष्ट्रीय शिखर पर पहुंच गया है। वह अपने नाम के

अनुरूप अपने कुल का दीप पूरी दुनिया में जला रहे हैं। कुलदीप के पिता सुरेश यादव दूध बेंच कर परिवार का भरण पोषण करते हैं लेकिन, बेटे की तैयारी में कभी कोई कमी नहीं आने दी। मां सुषमा कुलदीप को आगे बढ़ने के लिए हमेशा प्रेरित करती रही और अब उसका प्रतिफल मिल रहा है।

ये भी स्थानीय स्टार

मऊआइमा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के रहने वालों दर्जनों एथलीट राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी खूब चमक बिखेर रहे हैं। इसमें सबसे पहला नाम तिली का पूरा के रहने वाले इंद्रजीत पटेल का आता है, जिन्होंने गांव से निकल कर दर्जनों एथलीटों को आगे बढ़ने की राह दिखाई। अब उनके पद चिह्नों पर कई एथलीट आगे बढ़ रहे हैं और तिली का पूरा गांव एथलीटों का गांव बन चुका है। इसके अलावा फ्लाइंग सिस्टर्स रोजी पटेल व रेशमा पटेल भी क्षेत्र की पहचान बन चुकी हैं।

बृजभूषण विवाद के बीच पहलवानों का बड़ा फैसला : चीन में एशियन गेम्स में हिस्सा लेंगे, खेल मंत्री से प्रैक्टिस के लिए डेढ़ महीना मांगा

पानीपत। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मोर्चा खोले देश के शीर्ष पहलवान पिछले काफी समय से खेल से दूर हैं। अब खिलाड़ी फिर से मैट पर लौटने का मन बना रहे हैं। 3 माह बाद होने वाली एशियन गेम्स में हिस्सा लेने के लिए पहलवानों ने अपनी इच्छा जताई है। इधर, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि सभी राष्ट्रीय महासंघों का लक्ष्य एशिया ओलिंपिक परिषद द्वारा निर्धारित 15 जुलाई की समय सीमा से पहले एशियाई खेलों के लिए टीम को अंतिम रूप देना है। गेम्स 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन के हांग्जो में होने वाले हैं। भारतीय ओलिंपिक संघ ने 27 अप्रैल को बताया था कि तीन सदस्यीय एडहॉक समिति कुश्ती महासंघ के दिन-प्रतिदिन के मामलों को देख रही है। भारत का जून के

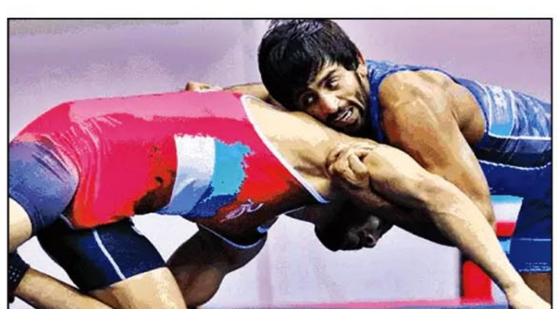

अंतिम सप्ताह में चयन परीक्षणों का आयोजन करेगा। हालांकि पहलवान ट्रायल्स के लिए तैयार होने के लिए कुछ और समय चाहते हैं। साक्षी मलिक के पति और अंतरराष्ट्रीय पहलवान सत्यव्रत कादियान ने कहा हम चयन ट्रायल में हिस्सा लेना चाहते हैं, लेकिन इसकी तैयारी के लिए हमें कम से कम डेढ़ महीने की ट्रेनिंग की जरूरत है। कॉम्पिटिटिव मोड में वापस आना पहलवानों के लिए एक कठिन काम होगा, क्योंकि कुछ पहलवानों ने पिछले साल सितंबर में विश्व चैम्पियनशिप के बाद से प्रतिस्पर्धा नहीं खेली है, जबकि कुछ अन्य ने आखिरी बार अगस्त, 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान मैट पर वापसी की थी। पहलवानों ने हाल ही में कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से नाम वापस ले लिया था, जबकि विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने भी विरोध के कारण अप्रैल में अपने अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों से हटने का फैसला किया था।

खेल मंत्री ने कहा था पहलवान दोबारा मैट पर लौटें

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने दोहराया कि एक महिला की अध्यक्षता वाली आंतरिक शिकायत समिति के गठन सहित पहलवानों की मांगों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैंने कल भी कहा था, हमारी प्रदर्शनकारी पहलवानों के साथ बहुत सकारात्मक बैठक हुई थी। वे जो भी मुद्दे उठाते हैं, हमने उन पर चर्चा की। हमने कहा है कि 15 जून तक चार्जशीट दाखिल की जाएगी और चुनाव 30 जून तक होंगे। ठाकुर ने कहा कि हम चाहते हैं पहलवान मैट पर लौटें और प्रतियोगिताओं में हिस्सा लें।

आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप फ्री में दिखाएगा डिज्नी प्लस हॉटस्टार

ऐप यूजर्स एशिया कप भी मुफ्त देख सकेंगे, कंपनी जियो सिनेमा की राह पर

मुंबई। ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने अनाउंसमेंट किया है कि यूजर्स ऐप पर एशिया कप 2023 और आईसीसी मेंस क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप 2023 के सभी मैच फ्री में देख सकेंगे। हॉटस्टार अपनी व्यूअरशिप बढ़ाने के लिए मुकेश अंबानी के जियो सिनेमा का तरीका आजमाने जा रहा है। ऐसा करके डिज्नी+हॉटस्टार जियो सिनेमा की इंडिया में ग्रोथ को चैलेंज करना चाहता है। जियो सिनेमा ने आईपीएल 2023 के सभी मैच फ्री में दिखाए थे, जिससे कंपनी को रिकॉर्ड व्यूअरशिप मिली थी।

मैच देखने के लिए यूजर्स को सब्सक्रिप्शन की जरूरत नहीं होगी - डिज्नी+हॉटस्टार भी अब एशिया कप और वर्ल्ड कप के सभी मैच फ्री में दिखाकर रिकॉर्ड व्यूअरशिप हासिल करना चाहता है। यूजर्स जो डिज्नी+हॉटस्टार ऐप यूज करते हैं, उन्हें एशिया कप और वर्ल्ड कप के सभी मैच देखने के लिए किसी सब्सक्रिप्शन की जरूरत नहीं होगी।

एशिया कप सितंबर में और वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर में होगा - नए यूजर्स भी अपने मोबाइल फोन में डिज्नी+हॉटस्टार ऐप इंस्टॉल कर दोनों टूर्नामेंट्स के सभी मैच फ्री में देख सकेंगे। कंपनी का दावा है कि 54 करोड़ से ज्यादा मोबाइल यूजर्स को इसका फायदा होगा। एशिया कप सितंबर में और वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर में होगा।

डिज्नी+हॉटस्टार के हेड ने कहा- हमने दर्शकों को खुश किया - डिज्नी+हॉटस्टार के हेड साजिथ शिवनंदन ने बताया, हमारी कंपनी भारत में तेजी से विकसित हो रही ओटीटी इंडस्ट्री में सबसे आगे है। दर्शकों के अनुभव को बढ़ाने के लिए हमने अब तक

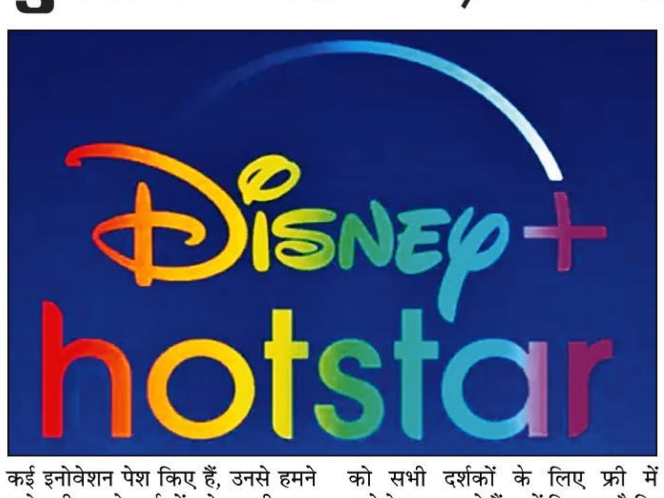

कई इनोवेशन पेश किए हैं, उनसे हमने ग्लोबली अपने दर्शकों को काफी खुश किया है। अब हम एशिया कप और आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 को सभी दर्शकों के लिए फ्री में अवेलेबल कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि ऐसा करके कंपनी को ओवरऑल इको-सिस्टम को विकसित करने में मदद मिलेगी।

जियो सिनेमा को आईपीएल फाइनल में मिली थी रिकॉर्ड व्यूअरशिप - हाल ही में लॉन्च की गई नई स्ट्रीमिंग सर्विस जियो सिनेमा ऐप ने इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के फाइनल में 3.2 करोड़ की रिकॉर्ड व्यूअरशिप हासिल की थी। जो दुनिया में लाइव स्ट्रीमिंग इवेंट का सबसे ज्यादा व्यूअरशिप वाला रिकॉर्ड है। वहीं आईपीएल के पूर्व डिजिटल स्ट्रीमिंग पार्टनर डिज्नी हॉटस्टार ने जुलाई 2019 में एक क्रिकेट मैच के लिए एक साथ 2.5 करोड़ से अधिक दर्शकों को जोड़ा था। यह रिकॉर्ड कई सालों तक कोई तोड़ नहीं पाया था। यह मैच वनडे वर्ल्ड कप 2019 का सेमीफाइनल मुकाबला था, इसमें भारत और न्यूजीलैंड आमने-सामने थे। 2.9 अरब डॉलर में हासिल किए थे आईपीएल के डिजिटल स्ट्रीमिंग राइट्स जियो सिनेमा ऐप आईपीएल 2023 का ऑफिशियल स्ट्रीमिंग पार्टनर था। रिलायंस के वायकॉम-18 ने 2023 से 2027 तक लगभग 2.9 अरब डॉलर (23 हजार 917 करोड़ रुपए) में आईपीएल डिजिटल स्ट्रीमिंग राइट्स हासिल किए थे, जो पहले डिज्नी के पास थे। भारत में डिज्नी+हॉटस्टार के पेड सब्सक्राइबर्स लगातार कम हो रहे अंबानी के मीडिया वेंचर ने आईपीएल के डिजिटल राइट्स हासिल करने के लिए डिज्नी+हॉटस्टार समेत अन्य कई कंपनियों को पीछे छोड़ दिया था। इसके बाद से भारत में डिज्नी+हॉटस्टार के पेड सब्सक्राइबर्स लगातार कम हो रहे हैं। जियो सिनेमा ने एचबीओ और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के राइट्स हासिल किए मुकेश अंबानी का ग्रुप रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ग्लोबल मीडिया दिग्गज बनना चाहता है।

मां बन सकती हैं आप, अब नही होगा बार-बार गर्भपात

अगर आपको अपना स्मार्टफोन बार-बार चैक करने की आदत है, तो सावधान हो जाएं! क्योंकि ऐसा करना आपके लिए स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। एक नए शोध से पता चला है कि बार-बार फोन जांचने की ललक संतुष्टि प्रक्रिया को प्रभावित करती है। अमेरिकी की टेंपल यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिक हेनरी विल्मर और जैसन ने इस अध्ययन के माध्यम से स्मार्टफोन और मोबाइल प्रौद्योगिकी के ज्यादा से ज्यादा उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति बेहतर समझ विकसित करने की कोशिश की है। इस अध्ययन के लिए शोधार्थियों ने 91 कॉलेज छात्रों का प्रश्नावली और संज्ञानात्मक परीक्षणों द्वारा आकलन किया। शोधार्थियों ने निष्कर्षों में पाया है कि आसानी से प्रयोग में लाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का अधिकाधिक प्रयोग आवेग नियंत्रण पर दुष्प्रभाव डालता है और शीघ्र प्रतिफल पाने की प्रवृत्ति को भी बढ़ाता है। विल्मर कहते हैं, मोबाइल प्रौद्योगिकी का ज्यादा इस्तेमाल या बार-बार फोन चेक करने की ललक अनियंत्रित आवेगों को बढ़ाती है, और प्रतिफल मिलने की संतुष्टि को प्रभावित करती है। यह शोध स्प्रिंगर पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नमस्कार करने से कम होगा संक्रमण का खतरा

ब्रिटेन में हुए एक शोध में पाया गया है कि अगर हाथ मिलाने की जगह हम एक दूसरे से नमस्कार करें तो संक्रमण को दस गुना कम किया जा सकता है। जब दो लोग आपस में हाथ मिलाते हैं तो उनके शरीर की तरंगें एक दूसरे की अंगुलियों के माध्यम से शरीर में प्रसारित हो जाती हैं। ऐसे में यदि किसी व्यक्ति के शरीर में अधिक नकारात्मक तरंगे होंगी तो वे दूसरे व्यक्ति के शरीर में पहुंच सकती हैं।

गुणों से भरपूर है गन्ने का रस

भारत में सबसे ज्यादा गन्ना उगाया जाता है। गन्ने के रस से ज्यादा पोषक और स्वस्थ रखने वाला कोई और रस नहीं हो सकता। अगर आप दिर-भर की थकान को दूर करने के लिए एक गिलास गन्ने का रस पीएगें तो आपको स्वाद भरी ताजगी मिल जाएगी।

गन्ने का रस में सेहत के लिए बहुत गुणकारी है। यह रस विटामिन ए,सी ,बी, कैल्शियम, फास्फोरस, पोटेशियम, और कॉपर से भरपूर होता है। इसे पीने से हड्डियां मजबूत बनती हैं और दांतों की समस्या भी कम होती है। आज हम आपको बताएगें कि कैसे गन्ने का रस दूर करता है इन बिमारीयों से।

गन्ने का रस पीने से होंगे ये फायदे

- **कैंसर से बचाव करता है:** गन्ने के रस में कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम, आयरन और मैंगनीज जैसे तत्व अच्छी मात्रा में हैं जो शरीर को कैंसर जैसी बिमारी से लड़ने के लिए सहायक होता हैं।
- **मुहांसों से छुटकारा:** गन्ने का रस पीने से त्वचा को अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड मिलता है जो मुहांसे दूर करने और सेहतमंद त्वचा के लिहाज से फायदेमंद है।
- **किडनी के लिए फायदेमंद:** गन्ने के रस में प्रोटीन अच्छी मात्रा में है। इसमें नींबू और नारियल पानी मिलाकर पीने से किडनी की युरीन इन्फेक्शन, एसटीडी और पत्थर जैसी समस्यामए दूर होती है।
- **पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद:** गन्ने का रस पाचन तंत्र के साथ-साथ पेट की बीमारियों के लिए भी बहुत फायदेमंद है क्योकि इसमें पोटैशियम की मात्रा ज्यादा होती है। इसे पीने से कब्ज की समस्या भी दूर होती है।
- **नाखूनों में आती है चमक :** यह रस पीने से नाखूनों पर से सफेद धब्बे हटाते है और नाखून चमकदार होते हैं क्योकि इसमें पोषक तत्व हैं जिससे आपके नाखूनों की सेहत की भरपाई हो जाती है।
- **दिल के रोगों से करता है बचाव:** गन्ने का रस शरीर में कोलेस्ट्रॉल और ट्राईग्लिसराइड के लेवल को गिरता है जिससे धमनियों में फैट नहीं जमता और दिल के रोगों जैसी बिमारीयों से बचाव रखता है।
- **मोटापा होता है कम:** यह रस आपके शरीर में खराब कॉलेस्ट्रोल को कम करके आपको मोटापे से बचाता है।
- **शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद:** गन्ने का रस पीने से मधुमेह रोगियों को बहुत फायदा होता है क्योकि यह मीठा और प्राकृतिक शुगर से भरपूर होता है।
- **त्वचा में ग्लो आती है:** यह रस त्वचा संबंधित परेशानियों को दूर करता है और स्किन में कसाव लेकर आता है। इस रस को त्वचा पर लगा कर धोने के बाद त्वचा खिली-खिली और साफ नजर आती है।

महिलाओं में अधिक होती है यूटीआई की समस्या

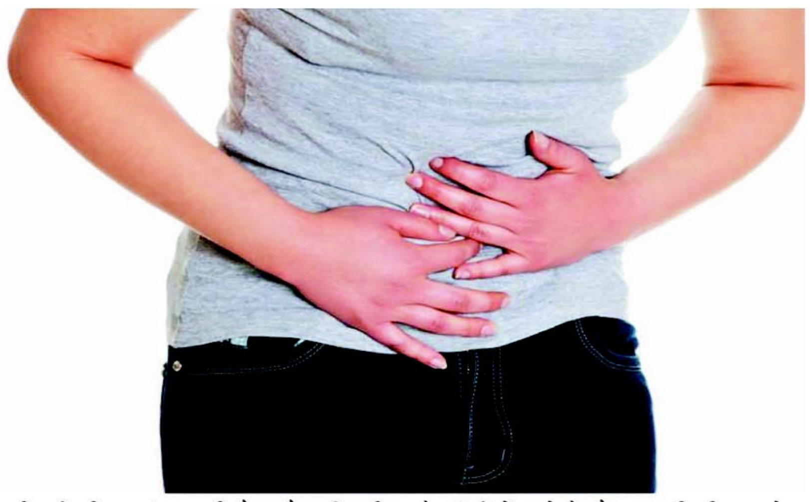

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में अधिक होती है यूटीआई की समस्या, जानिए इससे बचने के उपाय... गर्मी के मौसम में पानी की कमी के कारण किडनी उचित मात्रा में यूरिन को शरीर से बाहर नहीं निकाल पाती है। ऐसे में यूटीआई का खतरा बढ़ने की आशंका रहती है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इसके मामले अधिक हैं।

जिसका कारण बैक्टीरियल इंफेक्शन है। ये बैक्टीरिया यूरेथ्रा के जरिए यूरीनरी ट्रैक में प्रवेश कर रोग का कारण बनते हैं। यूटीआई की समस्या एक्यूट और क्रांनिक दोनों तरह से हो सकती है। इसका खतरा उम्रवार सभी वर्गों को अलग-अलग कारणों से प्रभावित करता है।

कारण

बच्चों में

बच्चों में यूरीनरी ट्रैक इंफेक्शन का कारण यूरिन के रास्ते में रुकावट, न्यूरोजेनिक ब्लैडर व अन्य जन्मजात विकृतियां हैं। उनमें यूरेथ्रा से यूरीनरी ट्रैक तक बैक्टीरिया का हमला इस रोग की वजह बनता है।

पुरुषों में

पुरुषों में 50 साल की उम्र के बाद यूटीआई की समस्या अधिक होती है। जिसकी मुख्य वजह प्रोस्टेट का बढ़ना है। ऐसे में यूरिन पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाता व लगातार स्टोर होने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।

डायबिटीज रोग में लापरवाही से पेक्रिंयाज शुगर के स्तर को असामान्य कर देता है जिससे यूटीआई की आशंका रहती है। ब्लैडर/किडनी संबंधी परेशानी या कमजोर इम्युनिटी से भी यूटीआई होता है।

महिलाओं में

यौन संबंधों व अंग के आसपास इंफेक्शन होने और लंबे समय तक यूरिन रोकने की आदत क्रांनिक यूटीआई की समस्या को बढ़ाती है। यूरिन को रोके रखने की क्षमता वाली मांसपेशी कमजोर होने लगती हैं। इसे ओवर एक्टिव ब्लैडर कहते हैं। कई मामलों में सिजेरियन, सर्जरी व महिला का बार-बार गर्भधारण करना भी यूटीआई की आशंका बढ़ा देता है।

लक्षण

एक्यूट यूटीआई में यूरिन करने के तुरंत बाद ही बार-बार यूरिन आने, रोकने की क्षमता कम होने, यूरिन करते समय दर्द व जलन और हल्का बुखार आता है। क्रांनिक यूटीआई में इलाज के बाद भी इंफेक्शन बार-बार होता है।

मूत्रतंत्र से जुड़े अन्य अंग प्रभावित होते हैं जिससे गहरे रंग का यूरिन आने, पेट व पीठ के निचले हिस्से में दर्द के साथ ही ब्लैडर के आसपास भी दर्द होता है।

अन्य कारण

पानी की कमी : गर्मियों में पानी की पर्याप्त मात्रा न पीने से पेशाब कम बनता है और शरीर में मौजूद फ्लूड पसीने के जरिए निकल जाता है।

संक्रमण : गंदे अंडरगारमेंट्स पहनने, साफ-सफाई के अभाव वाले टांयलेट या जगहों पर यूरिन करने से भी संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा दूषित भोजन व पानी के संपर्क में आने के दौरान बाहरी कीटाणु यूरेथ्रा में पहुंचकर इंफेक्शन बढ़ाते हैं।

तनाव: कई बार तनाव की स्थिति में यूरिन पूरी तरह से बाहर नहीं निकल पाता या व्यक्ति को बार-बार यूरिन आने की इच्छा होती है।

ध्यान रखें

दिन में 4-5 लीटर पानी पीएं ताकि कीटाणु बाहर निकल जाएं। फलों का जूस पीते रहें। कब्ज न होने दें, पेट साफ रखें। यूरिन को लंबे समय तक न रोकें।

जांच

यूरिन एग्जाम व यूरिन कल्चर टैस्ट कर इसका कारण का पता करते हैं।

इलाज

- एक्यूट की स्थिति में 2-3 दिन तक एंटीबायोटिक दवा और क्रांनिक यूटीआई की स्थिति में लो डोज में प्रोफाइलेक्सिस
- गर्भावस्था के दौरान या डायबिटिक को यह समस्या है तो 2-3 हफ्ते तक दवा देते हैं।

वजन बढ़ाने वाला पाउडर खाने से पहले जान लें साइड इफैक्ट्स

इस तेज रफ्तार और टैक्नोलॉजी से भरपूर जमाने में लोग फटाफट से हर काम को करना चाहते हैं। बात सिक्स पैक, बढ़ते हुए वजन को कम करने की हो या फिर दूबले शरीर को मोटा करने की, लोग किसी काम में भी इंतजार नहीं करना चाहते।

सिक्स पैक, बॉडी, वजन बढ़ाने की चाहत में वह प्रोटीन शेक या बांडी सप्लीमेंट्स लेने तक लेने शुरू कर देते हैं लेकिन शायद वह इनसे होने वाले साइड इफैक्ट्स के बारे में नहीं जानते। एक्सरसाइज, वर्कआउट और योग का हमारे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता लेकिन गलत चीजों से बांडी बनाने से हम तरह तरह की बीमारियों को खुद ही न्योता देते हैं जो कि सही नहीं है।

क्यों लेते हैं वजन बनाने वाले पाउडर?

हमारे शरीर को विटामिन, मिनरल्स, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और फाइबर अगर सही मात्रा में मिल जाएं तो हमारा शरीर तंदुरुस्त रह सकता है लेकिन बिगड़ती लाइफस्टाइल, वर्कआउट न करने और संपूर्ण आहार न लेने के कारण ही लोग वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने लगते हैं। आज हम आपको बताते हैं कि वजन बढ़ाने वाल पाऊडर लेने से हमारे शरीर में किस तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

किडनी स्टोन

वजन बढ़ाने वाले पाउडर लेने से किडनी (गुर्दे) को खतरा होता है। क्रिएटीन व कैल्शियम ज्यादा मात्रा में लेने से गुर्दे की पथरी की भी समस्या हो सकती है। इसी के साथ अगर आपके शरीर के हार्मोन्स अतिसंवेदनशील है तो यह घातक हो सकता है।

आंत की समस्या

इस पाउडर से आंत की समस्या भी होना आम बात है। यह बात तो साबित भी हो चुकी है कि वजन बढाने वाले पाउडर एक उत्प्रेरक हैं लेकिन ज्यादा से ज्यादा पानी पीने से उसके दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। अगर पाउडर के साथ एल्कोहल कासेवन किया जाए तो यह खतरनाक हो सकता है।

सांस की समस्या

इससे सांस संबंधी परेशानी भी हो सकती है। कभी कभी कफ की समस्या सामने आती है लेकिन समस्या के ज्यादा गंभीर होने पर अस्थमा की समस्या भी हो सकती है। अगर आपको पहले से सांस की समस्या है तो कोई भी सप्लीमेंट्स लेने से पहले डाक्टर की सलाह जरूर लें।

मितली व डायरिया

वैसे तो यह सब होना बहुत ही आम है लेकिन अगर यह समस्या पाउडर खाने के बाद बार बार होती हैं तो समझ लें इसका कारण वजन बढ़ाने वाला पाउडर है क्योंकि यह ठीक से पेट में घुल नहीं पाता, जिससे यह समस्या होने लगती है।

पुरुष हो जाएं सावधान, पेट पर जमा फैट से है जान का खतरा

मोटापे से ज्यादा जानलेवा है पेट निकलना

अगर आप सोचते हैं कि सिर्फ मोटा होना ही नुकसानदेह है और शरीर में जमे थोड़े बहुत फैट से आपको कोई खतरा नहीं है तो आप गलत हैं। एक शोध में सामने आया है कि पेट पर जमा फैट उतना ही खतरनाक है जितना कि पूरे शरीर पर। ऐसे में मोटापे से ज्यादा जानलेवा पेट बाहर निकलना हो सकता है। इससे पुरुषों को ज्यादा सावधान रहने कह जरूरत है।

जानकारी के मुताबिक शोध में पाया गया कि साधारण वजन वाले लोग जिनके पेट और कमर के पास ज्यादा फैट इकटठा होता है उन्हें जान का ज्यादा खतरा है बजाए उनके जो पूरी तरह मोटे या ओवरवेट हैं। यानि अगर आपके शरीर में फैट बराबर से हर अंग में बंटा है तो वह उतना खतरनाक नहीं है जितना कि सिर्फ पेट पर जमा फैट। ऐसा होने पर पेट पर टायर बनने लगते हैं यानी फैट की पूरी मोटी परत दिखती हैं। इससे कई बीमारियां हो सकती हैं जैसे कि याददाश्त कमजोर होना, मधुमेह, कैंसर और दिल की बीमारी।

15 हजार लोगों पर की रिसर्च

मेरिका के मिनेसोटा में हुए इस शोध को 15000 लोगों पर आजमाया गया। इसे करने वाले डॉ फ्रान्सिस्को लोपेज ने बताया कि इस पर जल्द से जल्द कदम उठाने की जरूरत है ताकि यह पता चल सके कि कुछ लोगों का पूरा शरीर फिट, लेकिन पेट के पास फैट क्यों जमा होता है। ऐसे लोगों के जल्दी मरने का खतरा होता है। पुरुषों में यह संभावना ज्यादा रहती है जबकि महिलाओं में उनसे थोड़ी कम लेकिन फिर भी असरदार होती है।

अच्छे खानपान से दूर हो सकती है बीमारी, शराब ज्यादा खराब

इस परेशानी से बचने का एकमात्र उपाय है कि अपने खान पान की आदतें सुधारें। पेट के पास फैट बढ़ने का मतलब होता है अंदरूनी अंगों के आस पास फैट बढ़ना जो कि दिल की बीमारियां, उक्त रकत्चाप और टाइप 2 मधुमेह की तरफ इशारा करता है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि पौष्टिक आहार लिया जाए। खाने पीने में फलों और सिब्जयों के जूस की मात्रा बढ़ाएं। शुगर और फैट वाली चीजें न खाएं, शराब कम कर दें और दिन में थोड़ा समय कसरत को जरूर दें। इन सबके पीछे अच्छी बात यह कि पेट के पास जमा फैट आसानी से समझ में आ जाता है क्योंकि कपड़े भी कसे होने लगते हैं।

रेसिपी

मिसी रोटी

सामग्री

(8 मिस्सी रोटी के लिये)

1 प्याला बेसन, 1/2 प्याला आटा, 1-2, बारीक कटी हरी मिर्च, 2 बड़ा चम्मच हरा धनिया बारीक कटा, 1/4 छोटा चम्मच नमक, 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन,2 छोटा चम्मच तेल, 2-4 बड़ा चम्मच प्याज बारीक कटा (वैकल्पिक), 1/4 प्याला पानी (या आवश्यकतानुसार), घी/ मक्खन रोटी पर लगाने के लिए

विधि

एक परात में बेसन, आटा, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा हरा धनिया, कटी प्याज, नमक, तेल, और अजवाइन लें और अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए आटा गूंथें, यह न तो बहुत मुलायम हो और न बहुस सख्त। आटे को 10 मिनट के लिए ढककर रखें। गुथे आटे को 8 बराबर हिस्सों में बांटें और लोइयां बनाएं। तवा गरम करें। जब तक तवा गरम हो रहा है, इस बीच एक लोई को सूखे आटे की मदद से तीन इंच व्यास के गोले में बेलें। रोटी को गरम तवे पर डालें, एक ओर पक जाने पर पलट दें। दूसरी ओर पक जाने के बाद, रोटी को चिमटे की मदद से मध्यम आंच पर दोनों तरफ से घुमाकर लाल सेक लें। मिस्सी रोटी के ऊपर घी/ मक्खन लगाएं। इसी तरह से सभी रोटी को बनाकर सेंक लें। किसी भी दाल या सब्जी के साथ गर्म परोसें। **टिप्पणी:** अगर बिजली का चूल्हा है तो रोटी को तवे पर ही साफ कपड़े की मदद से सेंका जा सकता है। इसके लिए कपड़े से रोटी को किनारे से दबाकर दोनों तरफ से लाल सेक लें।

दाल पंचरतन

सामग्री

50 ग्राम छिलके वाली मूंग की दाल, 50 ग्राम मसूर की दाल, 50 ग्राम चने की दाल, 50 ग्राम उड़द की दाल, 50 ग्राम अरहर या तुअर दाल, एक प्याज-टमाटर बारीक कटा हुआ। 4 बड़े चम्मच देसी घी, आधा छोटा चम्मच जीरा, चुटकीभर हल्दी,चुटकी भर हींग, लाल मिर्च, चाट मसाला, नीबू और नमक स्वादानुसार हरा धनिया बारीक कटा हुआ।

विधि

सारी दालों को लगभग दो घंटे के लिये गरम पानी में भिगोएं। इन्हें मिलाकर प्रेशर कुकर में नमक, हल्दी और डेढ़ कटोरी पानी के साथ तीन सीटी देने तक पकाएँ। तुरंत प्रेशर कुकर न खोलें। कढ़ाई में घी गर्म करें और जीरा, हींग का छौंक लगाकर प्याज डाल दें। प्याज गुलाबी सुनहरी हो जाने पर टमाटर और थोड़ा सा नमक डालकर ढ़ंक दें और आँच धीमी कर दें। टमाटर गल जाने पर दाल डालें, चाट मसाला मिलाएं और हरे धनिए से सजाकर परोसें।

टिप्पणी: इस दाल में साबुत गरम मसाले का छौंक अच्छा लगता है। इसके लिये दो बड़ी इलायची दो पत्ते तेजपात, दस काली मिर्च और पाँच लौंग जीरे के साथ घी में डालें। यह छौंक अन्य दालों में भी डाला जा सकता है।

मां बन सकती हैं आप, अब नही होगा बार-बार गर्भपात

मां बनने की चाह रखने वाली महिला के लिए बार-बार गर्भपात होना एक बड़ी त्रासदी है। इस त्रासदी का असर पिता बनने की चाह रखने वाले वाले व्यक्ति पर भी पड़ता है, लेकिन लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज प्रक्रिया कई कारणों से बार-बार गर्भपात होने की समस्या से निजात दिलाने में कारगर है।

समस्या क्या है

गर्भपात एक ऐसी स्थिति है, जिसमें भ्रूण के ठीक तरीके से विकसित होने के पहले ही गर्भ अचानक गिर जाता है। गर्भावस्था के दौरान लगभग 22 से 25 प्रतिशत मामलों में गर्भपात होता है। उम्र बढ़ने से बार-बार गर्भपात का खतरा बढ़ सकता है। एक नजर कारणों पर गर्भपात हार्मोन संबंधी समस्याओं, संक्रमण या रक्त में थ्रॉम्बोफीलिया जैसी कुछ समस्याओं या आनुवांशिक विकृति आदि की वजह से हो सकता है। थ्रॉम्बोफीलिया की स्थिति में मां के शरीर से बच्चे को सही मात्रा में रक्त की आपूर्ति नहीं हो पाती। वहीं संरचनात्मक (एनाटॉमिकल) समस्या के कारण भी गर्भपात हो सकता है। गर्भपात के कुछ अन्य कारण हो सकते हैं...

शारीरिक समस्याएं

- गर्भाशय में फाइब्रॉयड का होना।
- गर्भाशय की कैविटी में सेप्टम का होना।
- गर्भाशय में पॉलिप- या किसी भी अन्य प्रकार की ग्रोथ होना।
- सरवाइकल अक्षमता की स्थिति में प्रसव

(डिलीवरी) के दौरान गर्भाशय मुख के खुलने की बजाय यह समय (बच्चे का कार्यकाल पूरा होने से पहले) से पहले खुल जाता है। इस स्थिति में या तो गर्भपात हो सकता है या समय से बहुत पहले ही बच्चे के जन्म का खतरा बढ़ जाता है।

परंपरागत उपचार

अतीत में इन महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के मुंह (वेजाइनल इनसरक्लेज) से नीचे टांका लगाकर इलाज किया जाता था। दुर्भाग्य से यह प्रक्रिया खतरे से पूरी तरह मुक्त नहीं थी। ऐसे ज्यादातर मामलों में वेजाइनल इनसेलक्लेज कारगर नहीं होता था और ऐसी अधिकतर महिलाओं में गर्भपात होना तब भी जारी रहता था। लेकिन अब ऐसी महिलाओं के लिए हमने एक नई प्रक्रिया शुरू की है, जिसे लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज कहा जाता है।

अन्य लाभ

फाइब्रॉयड, पॉलिप, सेप्टम या गर्भाशय में किसी भी प्रकार की अन्य शारीरिक समस्या होने के कारण होने वाले गर्भपात के अन्य मामलों का भी इलाज दूरबीन विधि से संभव है।

यह है नवीनतम इलाज

लैप्रोस्कोपिक इनसरक्लेज के अंतर्गत गर्भाशय के मुंह को लैप्रोस्कोपी के जरिये ऊपर से बांध दिया जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि यह प्रक्रिया उन महिलाओं के लिए कारगर है, जिन्हें बार-बार गर्भपात होता है या जो महिलाएं अपरिपक्व (निर्धारित अवधि से पहले) बच्चों को जन्म देती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)